जबलपुर शुक्रवार 17 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष तृतीया

वर्ष 32 अंक 22 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर
रोज दर्पण
» 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.3°C

न्यूनतम तापमान 26.0°C

सूर्योदय - 5.35 | सूर्यास्त - 6.59

बालाघाट रेंजर कॉलेज की घर वापसी पर छिड़ा... » 4

तमन्ना भाटिया ने लंदन में शुरू की हॉरर फिल्म... » 7

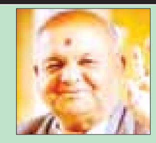

दद्दा धाम में 29 जुलाई को श्रद्धा और भक्ति के साथ... » 9

वन विभाग ने 20 लाख में खरीदे 10 लाख कीड़ों के सिर

डिंडोरी (स्वतंत्र मत)। डिंडोरी जिले में जंगलों को बचाने के लिए वन विभाग कीड़ों का सिर कटवा रहा। एक साल बोरर कीड़े का सिर 2 रुपए में खरीद रहा है। मकसद कीड़ों को खत्म कर साल (सरई) के जंगलों को बचाना है। अब तक करीब 10 लाख कीड़ों के सिर काटे जा चुके हैं। बदले में ग्रामीणों को 20 लाख रुपए का भुगतान किया जाएगा। दरअसल, साल बोरर कीट ने जिले के जंगलों को प्रभावित कर दिया है। हालात इतने गंभीर हैं कि भारत सरकार से अनुमति मिलने के बाद 1 लाख 46 हजार 784 प्रभावित पेड़ों की कटाई की जाएगी।

146784 पेड़ खा गए साल बोरर कीड़े

फिलहाल वन विभाग कीड़ों की संख्या कम करने के लिए ग्रामीणों की मदद से विशेष अभियान चला रहा है। वन विभाग के एसडीओ एस.के. जाटव के मुताबिक पूर्व करंजिया, पश्चिम करंजिया, दक्षिण समनापुर और बजाग वन परिक्षेत्र के करीब 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में लगे सरई के पेड़ साल बोरर कीट से प्रभावित हैं। 20 जून से कीटों को पकड़ने का अभियान ग्रामीणों की मदद से लगातार चलाया जा रहा है। वन विभाग ने साल बोरर कीट का एक सिर लाने पर 2 रुपए देने की व्यवस्था की है। अब तक ग्रामीण करीब 10 लाख कीड़ों के सिरों की माला बनाकर वन विभाग कार्यालय में जमा कर चुके हैं। प्रत्येक व्यक्ति के जमा किए गए सिरों की अलग-अलग एंट्री की जा रही है। यह कीड़ा केवल साल (सरई) के पेड़ों को नुकसान पहुंचाता है। संख्या बढ़ने पर यह पेड़ के तने में घुसकर उसे धीरे-धीरे खाता है। इसके कारण तने के नीचे बुरादे जैसा पाउडर जमा होने लगता है। वन विभाग के मुताबिक, समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाए तो यह एक पेड़ से दूसरे और फिर पूरे जंगल में तेजी से फैल जाता है। इससे बड़ी संख्या में साल के पेड़ सूख जाते हैं। हर-भरे पेड़ नष्ट हो जाते हैं। इन्हें बचाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

कटाई के लिए 1.46 लाख पेड़ चिन्हित - डीएफओ (उत्पादन) भारती ठाकरे के मुताबिक सामान्य वन मंडल ने 1 लाख 46 हजार 784 साल के पेड़ों को चिन्हित किया है। इनकी कटाई के लिए भारत सरकार की अनुमति का इंतजार है। अनुमति मिलने के बाद कटाई में करीब तीन महीने लगेंगे। वन विभाग के मुताबिक, अब तक इस अभियान के तहत करीब 20 लाख रुपए का भुगतान बन चुका है, जो ग्रामीणों में वितरित किया जाएगा। पकड़े गए कीटों को जुलाई के अंत में 2 डीएफओ अधिकारियों की मौजूदगी में खत्म किया जाएगा। अभियान भी जुलाई के अंत तक चलेगा।

89780 क्यूबिक मीटर लकड़ी मिलेगी

अभियान के लिए सामान्य, उत्पादन, मंडला वेस्ट और मंडला ईस्ट के चार डीएफओ अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पेड़ों की कटाई के बाद करीब 46,390 क्यूबिक मीटर इमारती लकड़ी और 43,390 क्यूबिक मीटर जलाऊ लकड़ी मिलने की उम्मीद है। इनकी ई-नीलामी होगी। लकड़ी को गाड़ा सरई और करंजिया काष्ठ गार में सुरक्षित रखा जाएगा। डिंडौरी के जंगलों में साल बोरर का यह पहला बड़ा हमला नहीं है। इससे पहले 1997-98 में भी इसके प्रकोप के कारण बड़ी संख्या में साल के पेड़ों की कटाई करनी पड़ी थी।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत

पुरी।

ओडिशा के पवित्र तीर्थ स्थल पुरी में आयोजित विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान एक बेहद दुखद हादसा सामने आया है। रथ खींचने के दौरान उमड़े लाखों श्रद्धालुओं के जनसैलाब के बीच अचानक भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इस हादसे में दम घुटने (दम घुटने और अत्यधिक भीड़ के दबाव) के कारण एक श्रद्धालु की मौत हो गई है, जबकि करीब 200 लोग घायल व बेहोश हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और अलग-अलग चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 लोगों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है। गुरुवार को पवित्र तटीय शहर पुरी में भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए।

लगभग 200 लोग अस्पताल में भर्ती

विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा उत्सव की शुरुआत निर्धारित समय से पहले ही दिन में दिव्य भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं के लिए 'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के साथ हुई। 'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के दौरान, पवित्र भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर से उनके संबंधित सजे-धजे रथों तक भव्य जुलूस में ले जाया गया। इस जुलूस में घंटा, कहली और तेलिंगी बाजा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मनमोहक और दिव्य ध्वनि गूंज रही थी। पुजारियों ने पवित्र वैदिक मंत्रों का जाप किया और पारंपरिक ओडिसी कलाकारों ने अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों से देवताओं का उनके जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर में नौ दिवसीय प्रवास के लिए स्वागत किया। हालांकि 'पहंडी बीजे' की रस्में निर्धारित समय से पहले शुरू हो गईं, लेकिन गुरुवार को उनके समापन में दो घंटे से अधिक की देरी हुई।

इस तरह से मची भगदड़?

शुरुआती जानकारी के अनुसार, महाप्रभु की पहंडी समाप्त होने और चारमाला हटाए जाने के बाद अस्पताल से लगभग एक किलोमीटर दूर एक चौराहे के पास श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इस दौरान एक पुरुष और एक महिला श्रद्धालु गिर पड़े। उनके गिरते ही आसपास मौजूद कई अन्य श्रद्धालु भी भीड़ के दबाव में सड़क किनारे दब गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

कटक जिले के श्रद्धालु की मौत

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एक श्रद्धालु की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान एक अन्य श्रद्धालु के भी दम तोड़ने की सूचना है। मृतकों में एक की पहचान कटक जिले के अनिल दास के रूप में बताई जा रही है, लेकिन प्रशासन ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। अस्पताल परिसर में परिजनों की भारी भीड़ जमा हो गई है, जबकि प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

प्रशासन की व्यवस्था और सुरक्षा बल

रथयात्रा के दौरान सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस की 180 से अधिक कंपनियों को तैनात किया गया था, इसके बावजूद जनसैलाब उम्मीद से कहीं अधिक था। 'यह घटना भारी भीड़ के दबाव के कारण हुई। हम स्थिति को नियंत्रित करने और घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान करने में सफल रहे। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और रथयात्रा के अनुष्ठान शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं।' हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा घेरा और कड़ा कर दिया है तथा श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें।

मप्र बना निवेशकों की पहली पसंद

दिल्ली के दो बड़े आयोजनों में 20,193 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश ने नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स-2026 तथा इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश के माध्यम से निवेश आकर्षित करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दोनों आयोजनों में प्रदेश को 20,193 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लगभग 27,592 लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों, उद्योगपतियों और वैश्विक ब्रांड प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश को देश का उभरता हुआ औद्योगिक एवं टेक्सटाइल हब बताया और उन्हें जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों को अनुकूल नीतियां, मजबूत अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन और त्वरित प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों, साझेदारियों और एमओयू के माध्यम से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में अपनी स्थिति और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा। दिल्ली निवेश संवाद में रक्षा, डेटा सेंटर, ट्रांसफॉर्मर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, इंजीनियरिंग और खिलौना उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18,601 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 11,892 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

टेक्सटाइल क्षेत्र को मिला बड़ा निवेश

भारत मंडपम में आयोजित टेक्सटाइल राउंडटेबल में प्रदेश के वस्त्र एवं परिधान उद्योग, पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क, तकनीकी वस्त्र, निर्यात संवर्धन, कौशल विकास और निवेश प्रोत्साहन पर विस्तृत चर्चा हुई। इस आयोजन में ?1,592 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 15,700 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

सात महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर

इंटरैक्टिव सेशन के दौरान एमपीआईडीसी ने निर्यात संवर्धन, ई-कॉमर्स, वैश्विक व्यापार, एमएसएमई और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। साथ ही रक्षा, डेटा सेंटर, आईटी, एआई, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन और खाद्य प्रसंस्करण सहित अनेक क्षेत्रों में निवेश अवसर प्रस्तुत किए गए।

9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें

सुप्रीम कोर्ट बोला- सरकार से कहिए ऐसा न करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सीबीएसई को 9वीं से थ्री लैंग्वेंज पॉलिसी लागू नहीं करनी चाहिए। 9वीं कक्षा की पढ़ाई पहले से मुश्किल है, ऐसे में तीसरी भाषा को शामिल करने की क्या जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ सकता है। भारत सरकार से कहिए कि ऐसा न करें। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि तीसरी भाषा को क्लास 5 या 6 में ही शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसके साथ अधिक प्रभावी ढंग से तालमेल बिठा सकें। दरअसल, बेंच तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु सरकार जवाहर नवोदय विद्यालय में लागू थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के पक्ष में नहीं है।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि तीसरी भाषा को पढ़ाना 6वीं क्लास में शुरू करना चाहिए और 9वीं में इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कक्षा 8 से ही शुरू हो जाता है। आगे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताते हुए कहा कि जब मैं स्कूल में थी तब 8वीं के बच्चों को 10वीं की चीजें पढ़ाई जाती थीं। उस वक्त ऐसी हालत थी तो आप समझ सकते हैं आज बच्चों पर कितना बोझ होगा।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाले अध्यादेश पर विपक्ष का विरोध प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली। लोकसभा ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाले सुप्रीम कोर्ट (नंबर ऑफ जजेज) संशोधन अध्यादेश, 2026 के खिलाफ विपक्ष का वैधानिक प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। सरकार मानसून सत्र में इस अध्यादेश की जगह विधेयक लाने की तैयारी में है। इस अध्यादेश के जरिए सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 कर दी गई है। इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं। संसदीय प्रक्रिया के तहत जब किसी अध्यादेश को कानून में बदलने के लिए विधेयक लाया जाता है, तो विपक्ष उसके विरोध में वैधानिक प्रस्ताव पेश कर सकता है। पूर्व केंद्रीय विधि सचिव पी.के. मल्होत्रा ने कहा कि अध्यादेश संसद का सत्र नहीं होने पर सरकार की कार्यपालिका शक्ति के तहत जारी किया जाता है। इसकी वैधता छह महीने तक होती है, लेकिन संसद का सत्र शुरू होने के बाद 42 दिन के भीतर इसे कानून का रूप देना जरूरी होता है, अन्यथा यह स्वत: समाप्त हो जाता है। मई में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाले विधेयक को मंजूरी दी थी। इसके बाद सरकार अध्यादेश लेकर आई। अध्यादेश लागू होने के बाद बढ़ी हुई स्वीकृत संख्या के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में पांच नए जजों की नियुक्ति भी की जा चुकी है। प्रस्तावित विधेयक के लिए संविधान संशोधन की जरूरत नहीं है और इसे साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है।

मानसून सत्र में कांग्रेस की तैयारी

कांग्रेस मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का मुद्दा उठाएगी। इसके अलावा, सरकार के संशोधन बिलों का विरोध करेगी। यह फैसला गुरुवार को कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक में लिया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 131वें संविधान संशोधन विधेयक यानी परिसीमन से जुड़े बिल को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा।

100 वैज्ञानिकों का इसरो से 'मोहभंग'

किसी ने नौकरी छोड़ी तो किसी ने रिटायरमेंट ले लिया

बेंगलुरु। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के गगनयान और दूसरे अहम मिशनों से जुड़े वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति पर अब पहले की तरह आसानी से मंजूरी नहीं मिलेगी। अंतरिक्ष विभाग ने एक नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ग्रुप ए वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे या वीआरएस के आवेदन नियमित प्रक्रिया के तहत स्वीकार नहीं किए जाएं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये निर्देश ऐसे समय आए हैं, जब पिछले 10 महीनों के दौरान 100 से ज्यादा कर्मचारी इसरो छोड़ चुके हैं। सबसे ज्यादा इस्तीफे बेंगलुरु के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर और तिरुवनंतपुरम के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर से हुए हैं। इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ वैज्ञानिक विक्टर जोसेफ टी भी शामिल हैं। वे विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर में जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एमके-3 प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर थे। बताया गया है कि उन्होंने फरवरी में इस्तीफा दिया। इससे पहले वे करीब 13 महीने तक एलवीएम-3 प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। यही लॉन्च व्हीकल गगनयान मिशन में इस्तेमाल किया जाएगा।

देश का पहला मामला: ई-20 पेट्रोल से इंजन हुआ खराब

कंज्यूमर कोर्ट बोला- मारुति सुजुकी नई कार दे या 20 लाख लौटाए

रायपुर। देशभर में पेट्रोल में ई-20 के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच रायपुर में ई-20 पेट्रोल से कार के इंजन के खराब होने का मामला सामने आया है। इससे जुड़े मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि नई कार दी जाए या 20 लाख लौटाए जाएं। कोर्ट ने माना कि गाड़ी का इंजन ई-20 फ्यूल के हिसाब से नहीं था, फिर भी कार कस्टमर को बेची गई। कोर्ट ने कहा कि 45 दिनों के अंदर ग्राहक को उसी मॉडल की नई कार दी जाए, जो ई-20 फ्यूल के अनुकूल हो। अगर ऐसा नहीं किया तो कंपनी को वाहन की पूरी कीमत करीब 20.5 लाख रुपए और अन्य खर्च भी लौटाने होंगे। ई-20 से कार खराब होने पर कस्टमर को मुआवजा देने का यह देश का पहला मामला है। डॉ. प्रेमराज देबता ने बताया कि उन्होंने जून 2024 में मारुति सुजुकी की नेक्सा डीलरशिप से ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस खरीदी थी। खरीदारी के समय डीलर ने बताया था कि कार दिसंबर 2023 में मैन्युफैक्चर हुई है, लेकिन बाद में आयोग के रिकॉर्ड से पता चला कि कार जनवरी 2023 में मैन्युफैक्चर हुई थी। डॉ. प्रेमराज रोजाना 150 से 200 किलोमीटर तक सफर करते हैं, इसलिए उन्होंने हाइब्रिड गाड़ी ली थी। शुरुआत में वाहन ठीक चला, लेकिन 5 महीने बाद 11 नवंबर 2024 को अचानक डैशबोर्ड पर इंजन मालफंक्शन का अलर्ट आया और कार बंद हो गई।

डीलरशिप ने जांच के बाद इसे मिलावटी पेट्रोल की समस्या बताते हुए फ्यूल टैंक खाली कराया। निकाले गए पेट्रोल में नीचे अलग तरह का सफेद पदार्थ जमा मिला, जिसके बाद डॉ. देबता ने तुरंत पेट्रोल पंप और कंपनी से शिकायत की, लेकिन जांच में पेट्रोल पंप ने ईंधन को सही बताया। इसके बावजूद कार बार-बार खराब होती रही।

बैकफुट पर पंजाब कांग्रेस का बागी गुट

राहुल गांधी का चन्नी से मिलने से इनकार, राणा ने कहा- सब ठीक कर रहे

लुधियाना। दिल्ली में हाईकमान के साथ मुलाकात के बाद पंजाब कांग्रेस का बागी गुट बैकफुट पर आ गया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बागी गुट को हाईकमान ने चेतावनी दी है कि बगावत की तो एक्शन होगा। साथ ही इन्हें दोटूक बोला गया है कि पंजाब प्रधान पद पर राजा वड़िंग ही रहेंगे। उन्हें बदला नहीं जाएगा। इस चेतावनी के बाद बागी गुट के सुर बदल गए। करीब 3 घंटे की मीटिंग के बाद बाहर आकर विधायक राणा गुरजीत ने कहा- हमारी कोई लड़ाई नहीं है। अंदर की बात बाहर नहीं करेंगे। सब ठीक करके ही बाहर आ रहे हैं। वहीं, गुट के मुखिया चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि हमें यहां बुलाया गया था। हमने अपना पक्ष रखा। यह क्लीयर है कि हम पार्टी के साथ हैं। हम राहुल गांधी के साथ हैं। खड़गे के साथ हैं। हम सिर्फ पार्टी को आगे बढ़ाना चाहते हैं। हमने हाईकमान के सामने अपना पक्ष रखा है। जो फैसला हाईकमान का होगा उसे मानेंगे। चन्नी ने कहा कि हम पार्टी के खिलाफ नहीं हैं, पार्टी के साथ चलेंगे। अंत में चन्नी ने कहा- ऑल इज वेल। पंजाब में जो बैठक बुलाई थी, वह बघेल से मिलने के लिए बुलाया थी। बैठक में परगट सिंह और सुखजिंदर सिंह रंधावा भी मौजूद रहे। पंजाब कांग्रेस के बागी गुट की हाईकमान के साथ यह पहली मीटिंग थी। इससे पहले चन्नी और रंधावा ने रणदीप सुरजेवाला से उनके निवास पर मुलाकात की। वहीं, राहुल गांधी ने पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को दिल्ली से छत्तीसगढ़ लौटा दिया और चन्नी गुट से दूरी बना ली। राहुल गांधी चरणजीत चन्नी की प्रेशर टेक्टिस से बेहद खफा हैं। इसलिए, उन्होंने चन्नी को अभी तक मिलने का वक्त नहीं दिया। राहुल ने यह भी क्लियर कर दिया था कि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया जाएगा। राहुल गांधी अब अगले एक-दो दिनों में पंजाब कांग्रेस पर अहम फैसला सुनाकर चन्नी गुट को झटका दे सकते हैं। उधर, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजा वड़िंग ने ग्राउंड लेवल पर कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंगों का दौर शुरू कर दिया है।

चन्नी की प्रेशर टेक्टिस

पंजाब मामले को लेकर दिल्ली में केसी वेणुगोपाल ने छत्तीसगढ़ से भूपेश बघेल और पंजाब से प्रताप सिंह बाजवा को दिल्ली बुलाया। वेणुगोपाल ने दोनों नेताओं के साथ मीटिंग की। इधर, चन्नी गुट ने राहुल गांधी के विदेश से लौटते ही सारा पंजाब चन्नी दे नाल मुहिम शुरू कर सोशल मीडिया पर पोस्ट डालनी शुरू कर दी। कांग्रेस हाईकमान इसे प्रेशर टेक्टिस का हिस्सा मान रहा है और इसी वजह से शीर्ष नेतृत्व चन्नी खेमे से नाराज है।

रथ यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, जय-जय जगन्नाथ के उद्घोषों से गूंजी संस्कारधानी

जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा, भक्ति मय हुआ वातावरण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास, गढ़ाफाटकके तत्वावधान में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की 259वीं भव्य रथ यात्रा अविस्मरणीय रही। श्रद्धा,भक्ति एवं उल्लास के वातावरण में परम पू.जगतगुरु स्वामी राघव देवाचार्य महाराज, डॉ. गिरजानंद महाराज एवं ज्योतिषाचार्य पं.देवेंद्र त्रिपाठी एवं पुजारी देवेंद्र त्रिपाठी के सानिध्य में भगवान जगन्नाथ स्वामी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन महाआरती कर यात्रा 1 बजे प्रस्थान हुई। समन्वयक शरद काबरा, आदि द्वारा अपरांत 4बजे सामूहिक रूप से पूजन , स्वर्ण झाड़ू से मार्ग बुहारने एवं महाआरती के पश्चात रथ यात्रा आरंभ होकर कमानिया गेट, सराफा चौक, सिटी कोतवाली होते हुए मिलोनीगंज चौराहे से

अपने-अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना हुई। श्री सुधीर अग्रवाल ने बताया बड़े फुहारे पर पूज्य संत महात्माओं के नेतृत्व में स्वर्ण झाड़ू से यात्रा मार्ग को बुहारने के पश्चात महाआरती हुई। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम के संकीर्तन की स्वर लहरियां की गूंज के साथ हजारों श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया सभी भक्तजनों को रस्सी खींचने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूरा जबलपुर जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंज उठा, ऐसा लगा मानो संस्कारधानी स्वयं जगन्नाथ पूरी बन गई हो।

जगन्नाथ स्वामी का रथ निर्धारित मार्ग से होकर गढ़ाफाटक स्थित मौसी माँ मंदिर हनुमान अखाड़ा पहुंची, जहां प्रभु 10 दिनों तक विश्राम करेंगे। इस अवधि में प्रतिदिन दर्शन,पूजन एवं चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल द्वारा प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक प्रभु के समकक्ष हरिनाम संकीर्तन होगा। इस अवसर पर न्यासी राजकुमार साहू, प्रबंधक मोहित तिवारी, अच्युतेंद्र बघेल, पं.मनमोहन दुबे, शरद अग्रवाल, मनोज नामदेव, लीलाबाई चौरसिया, राजेंद्र सराफ, सुभाष अग्रवाल देवेंद्र नेमा, परसराम उपाध्यायअतुल कुमार पटेल ,मोहित लोधी, नितिन चौबे सत्यप्रकाश नामदेव आदि उपस्थित रहे।

वर्ष 1890 से अनवरत निकाली जा रही भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

जगन्नाथ पूरी की तरह ही जबलपुर में रथयात्रा का इतिहास वर्षों पुराना है, यहाँ भी भगवान जगदीश के मंदिरो से आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट द्वारा भी विगत 136 वर्षों से अनवरत भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा रही है, यह यात्रा का 137 वां वर्ष है। साहू समाज के कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया हमारे पूर्वज जब जगन्नाथ पुरी तीर्थ दर्शन को गए तब उन्हें भी लगा कि जबलपुर में भी भगवान का मंदिर होना चाहिए और यहाँ भी रथयात्रा का आयोजन होना चाहिए, और उन्होंने 137 वर्ष पूर्व छोटे रूप में रथयात्रा की शुरुआत की जो आज वृहत रूप लें चुकी है। साहू समाज द्वारा जगन्नाथ रथयात्रा की शुरुआत स्व. वीरनलाल चौधरी, स्व नारायण प्रसाद मेहते, स्व बाबूलाल साहू, स्व खित्तेलाल मेट, स्व भगोले लाल साहू, ने की। जिसे उनकी अगली पीढ़ी चौधरी मुकेश कुमार साहू, मुखिया मेहते राजेंद्र साहू, रविशंकर साहू, श्रीकान्त साहू, सुरेश साहू आदि इस परंपरा को आगे लें जा रहे है। सांसद आशीष दुबे, विधायक लखन घनघोरिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व महापौर प्रभात साहू, तेलघानी बोर्ड पूर्व अध्यक्ष रविकिरण साहू आदि उपस्थित रहे।

सिहोरा में निकाली गई रथ यात्रा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। धर्म जागरण समिति सिहोरा-खितौला के तत्वावधान में भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्रा गुरुवार को बाबा शाला मंदिर से श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। यह रथयात्रा लगातार 11वें वर्ष आयोजित की जा रही है। यात्रा के शुभारंभ के साथ ही पूरा नगर जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा। रथ की रस्सी खींचने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाएं, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल हुए और भगवान के दर्शन कर स्वयं को धन्य महसूस किया। यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ का महाप्रसाद (भात) भक्तों में वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।रथयात्रा बाबा शाला मंदिर से प्रारंभ होकर कटरा मोहल्ला, झंडा बाजार, काल भैरव चौक, सरावगी मोहल्ला और महावीर चौक से होते हुए बाबाताल शिव मंदिर पहुंचकर संपन्न हूई।

आंगनबाड़ी भवन धंसने पर सब इंजीनियर पर एफआईआर के निर्देश

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

ट्रैवलर वाहन से सिहोरा पहुंचकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खितौला, आंगनबाड़ी केंद्र और निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय भवन का औचक निरीक्षण कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने गुरुवार को किया। सबसे पहले उन्होंने पीएचसी खितौला में टीकाकरण, दवा वितरण और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली तथा मौजूद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने वार्ड क्रमांक 12 और 15 में चार वर्ष पहले बने आंगनबाड़ी भवन धंसने के मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ से पूरी जानकारी ली और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित सब इंजीनियर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

निर्माण कार्य में ना हो देरी

निरीक्षण के दौरान बच्चों से बातचीत कर एबीसीडी और 'क, ख, ग, घ' भी बुलवाया। निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय की नई बिल्डिंग में कलेक्टर ने फिजिक्स, केमिस्ट्री लैब, स्मार्ट क्लास और निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। ठेकेदार ने इसी माह के अंत तक ग्राउंड फ्लोर हस्तांतरित करने और शेष तीन हिस्सों का काम जल्द पूरा करने का भरोसा दिया। केजी कक्षाओं के लिए फर्नीचर उपलब्ध कराने की भी बात कही गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्राउंड फ्लोर तैयार होते ही विद्यालय को अस्थायी रूप से सिहोरा से खितौला शिफ्ट किया जाए और निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो।

स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर कलेक्टर ने देखी ओपीडी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने सिहोरा विकासंखड के खितौला स्थिति आरोग्यम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। श्री सिंह ने स्वास्थ्य केन्द्र के ओपीडी, दवा भंडार कक्ष, टीकाकरण कक्ष एवं दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रोजाना आने वाले ओपीडी के मरीजों की जानकारी ली। साथ ही उन्हें दवाओं की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए दवा वितरण के रिकार्ड की जांच की।

कई फीट गहरे नाले में गिरी मर्सिडीज, शीशा तोड़कर युवकों ने बचाई जान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। दमोह से जबलपुर की तरफ आ रही एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार कटंगी थाना क्षेत्र में 20 फीट गहरे नाले में गिर गई। इस हादसे में कार सवार 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों किसी तरह कार से बाहर निकलकर जबलपुर पहुंचे, जहां उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गुरुवार सुबह सूचना मिलने के बाद क्रेन की मदद से कार को नाले से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार जबलपुर के रजा चौक निवासी जिशान अली अपने एक साथी के साथ कार से दमोह से जबलपुर लौट रहे थे। प्रज्ञाधाम के पास सड़क पार कर रहे एक जानवर को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और लगभग 20 फीट गहरे नाले में जा गिरी। हादसे के बाद दोनों युवक कार का कांच तोड़कर बाहर निकलेइसके बाद उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पुलिस को दी। इसके बाद कटंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को नाले से बाहर निकाला।

बदहाल सुविधाओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेसियों ने घेरा नगर निगम मुख्यालय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर निगम की कथित प्रशासनिक निष्क्रियता, भ्रष्टाचार और शहर की बदहाल नागरिक सुविधाओं के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'किया बोलती पब्लिक' अभियान के तहत नगर निगम मुख्यालय का जोरदार घेराव किया। शहर कांग्रेस कमेटी, स्थानीय विधायकों और पार्षद दल के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की।

पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया और शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा की मौजूदगी में कांग्रेसियों ने निगम प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि जनता की समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हुआ तो जल्द ही उग्र जनआंदोलन किया जाएगा। घेराव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री व विधायक लखन घंघोरिया ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार होने के बावजूद संस्कारधानी की जनता

पेयजल, जर्जर सड़कों, ठप स्ट्रीट लाइटों और सीवर की समस्याओं से जूझ रही है।

शहर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने आरोप लगाया कि 15 लाख की आबादी वाले शहर में महज 35-40 टैंकरों से पानी बांटना निगम की नाकामी का प्रमाण है। प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस नेताओं ने निगम प्रशासन को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। नेताओं ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि जबलपुर की पीड़ित जनता की आवाज है।

यदि समय रहते इन बुनियादी समस्याओं का ठोस समाधान नहीं निकाला गया, तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर शहर स्तर पर चरणबद्ध धरना-प्रदर्शन और जनजागरण अभियान चलाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम व शासन की होगी।

बेदाग छवि और मुस्तैदी के लिए मशहूर अखिलेश गौर के हाथ कोतवाली की कमान

कोतवाली संभाग के नए नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में पदभार किया ग्रहण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अपनी बेदाग छवि, कड़क कार्यशैली और हर वक्त मुस्तैदी के लिए पहचाने जाने वाले तेजतर्रार पुलिस अधिकारी अखिलेश गौर को कोतवाली संभाग का नया नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नियुक्त किया गया है। गुरुवार को उन्होंने कोतवाली सीएसपी के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया। बता दें कि अखिलेश गौर इससे पहले शहर के गोहलपुर संभाग के सीएसपी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। गोहलपुर में उनका कार्यकाल बेहद शानदार रहा और

उन्होंने अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ पैदा करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। अब विभाग ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले कोतवाली संभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। सीएसपी अखिलेश गौर का ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा से बेहतरीन रहा है। जबलपुर में अपनी पदस्थापना के दौरान उन्होंने शहर के कई उलझे हुए और बड़े आपराधिक मामलों का न केवल पर्दाफाश किया, बल्कि आरोपियों को सलाखों के पीछे भी पहुँचाया। अपनी इसी निष्पक्ष और कड़क कार्यप्रणाली की वजह से वे हमेशा आम जनता के बीच चर्चा और तारीफों में बने रहते हैं। कोतवाली संभाग व्यापारिक दृष्टिकोण से शहर का बेहद व्यस्त इलाका है और सुरक्षा के लिहाज से काफी संवेदनशील भी माना जाता है। ऐसे में सीएसपी अखिलेश गौर की नियुक्ति से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है। चर्चा के दौरान सीएसपी अखिलेश गौर ने कहा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना, महिला सुरक्षा को पुख्ता करना और अपराधियों पर नकेल कसना हमारी सबसे पहली प्राथमिकता होगी।

खरपतवार अनुसंधान निदेशालय में गूंजा हरित क्रांति का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया। निदेशक डॉ. जेएस. मिश्रा के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित परिसर का निर्माण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जन-जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जलवायु और पर्यावरणीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष किस्म के फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। यह आयोजन पर्यावरण-अनुकूल प्राथमिकताओं और सतत विकास की प्रतिबद्धता को मजबूती से दर्शाता है।कर्मचारियों ने रोपे गए पौधों की नियमित देखरेख और पूर्ण संरक्षण का सामूहिक संकल्प भी लिया।

शादी का झांसा देकर महिला का कई वर्षों तक शोषण करता रहा आरोपी

मदन महल पुलिस ने दुष्कर्म का मामला किया दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शादी का झांसा देकर एक महिला का कई वर्षों तक शारीरिक शोषण करने और बाद में मुकर जाने वाले आरोपी को मदन महल पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 376(2)और 506 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता रागिनी (परिवर्तित नाम)ने पुलिस को लिखित शिकायत में बताया कि वर्ष 2013 में उसकी मुलाकात आरोपी विनोद गुप्ता निवासी मदन महल से हुई थी। आरोपी ने पीड़िता को शादी का भरोसा दिलाया और अलग-अलग किराए के मकानों में रखकर लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। इस दौरान दोनों के दो बच्चे भी हुए-वर्ष 2016 में एक पुत्र और वर्ष 2019 में एक पुत्री का जन्म हुआ।

शादी की बात पर करता रहा टालमटोल-पीड़िता ने बताया कि बच्चों के जन्म के बाद जब भी उसने आरोपी विनोद से शादी करने की बात कही, वह हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टालता रहा। अक्टूबर 2021 में जब शादी की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ा, तो आरोपी पीड़िता और बच्चों को अकेला छोड़कर भाग गया। पीड़िता ने जब पुलिस में शिकायत करने की चेतावनी दी, तो आरोपी उसे पैसों का लालच देकर शांत करने की कोशिश करता रहा। हाल ही में जब पीड़िता ने दोबारा उस पर शादी का दबाव बनाया, तो आरोपी ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया और पीड़िता व उसके बच्चों को जान से मारने की लगातार धमकी देने लगा। लगातार मिल रही धमकियों और बच्चों के भरण-पोषण के संकट से तंग आकर पीड़िता ने आखिरकार पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई।

पीड़िता का कहना है कि इस पूरी घटना से उसकी जिंदगी बर्बाद हो गई है और वह मानसिक, शारीरिक व आर्थिक रूप से पूरी तरह प्रताड़ित महसूस कर रही है। शिकायत मिलते ही मदन महल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

झांसी सब स्टेशन ठप्प, बढ़ी वोल्टेज की समस्या

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर के निकट झांसी ग्राम में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा स्थापित पावर सब स्टेशन में पिछले एक सप्ताह से आई तकनीकी खराबी के चलते ठप्प पड़ा है। बीते साल झांसी पावर सब स्टेशन का शुभारंभ सांसद विधायक समेत विद्युत कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया था। इस पावर सब स्टेशन के चालू होते ही समय-समय पर विभिन्न प्रकार की खामियां सामने नजर आने लगी थी। इस सब स्टेशन के बनने से किसानों को लगा की अब उन्हें गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी पर विद्युत मंडल के सारे दावे खोखले साबित हुए। कृषक ने बताया की लगभग पिछले एक सप्ताह से झांसी पावर सबस्टेशन में बड़ी खराबी आ जाने के कारण यह पावर सब स्टेशन ठप्प पडा है। जिससे इस पावर स्टेशन में आश्रित हजारो विद्युत उपभोक्ताओं को रमखिरिया सब स्टेशन से जोड़ दिया गया जिसके बाद लो वोल्टेज की समस्या से किसान परेशान है।

मानसून का ब्रेक, घर-घर हुई बीमारियों की दस्तक

लगातार मौसम में बदलाव अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में बादलों की आवाजाही तो लगातार बनी हुई है, लेकिन वे बिना बरसे ही आगे निकल रहे हैं। बारिश का इंतजार कर रहे शहरवासियों को फिलहाल कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। बादलों की इस बेरुखी के कारण बारिश की आस लगाए बैठे लोग अब निराश होने लगे हैं और मौसम का यह रुख शहर के तापमान को प्रभावित कर रहा है। दिनभर खिली तेज धूप और बादलों की लुका-छिपी के चलते शहर का माहौल पूरी तरह गर्म बना रहा। धूप ढलने के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिली और पूरे दिन उमस का सितम जारी रहा। हवा में बढ़ी नमी और लगातार चढ़ते पारे के

कारण लोग पसीने से तर-बतर होते नजर आए। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही भी सामान्य से कम देखी गई, क्योंकि तेज धूप और भारी उमस ने लोगों का घर से निकलना दुश्वार कर दिया है।

शहर में अधिकतम तापमान 35.3 तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.0 दर्ज किया गया 7 इसके साथ अभी तक 182.1 बारिश ही शहर में हुई है

तेजी से बढ़ रहे डेंगू के मामले

मौसम में आए इस अचानक बदलाव का सीधा असर अब जनजीवन और सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। खासकर वायरल फीवर, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज बड़ी संख्या में डॉक्टर के पास पहुंच रहे हैं। बदलते तापमान के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही है, जिससे बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा संक्रमण की चपेट में आ रहे हैं। इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उमस भरे इस माहौल में मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ने की आशंका है, जो डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। इससे बचने के लिए अपने आसपास किसी भी स्थान पर पानी न जमा होने दें और कूलर या पुराने बर्तनों की नियमित सफाई करें। खुद को हाइड्रेटेड रखें, पूरी बांह के कपड़े पहनें और मच्छरदानी व मॉस्किटो रिपेलेंट का इस्तेमाल कर बीमारियों से सुरक्षित रहें।

डिजिटल भुगतान और कैशलेस भारत

आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है। विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के विकास ने हमारे जीवन को पहले की तुलना में अधिक सरल, तेज़ और सुविधाजनक बना दिया है। एक समय था जब लोग हर प्रकार के लेन-देन के लिए नकद (कैश) पर निर्भर रहते थे, लेकिन अब मोबाइल फोन और इंटरनेट की सहायता से कुछ ही सेकंड में कहीं भी और कभी भी सुरक्षित भुगतान किया जा सकता है। भारत सरकार भी डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित कर कैशलेस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है, जिससे देश में पारदर्शिता, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

डिजिटल भुगतान का अर्थ

डिजिटल भुगतान वह प्रक्रिया है, जिसमें बिना नकद धन का उपयोग किए मोबाइल, कंप्यूटर, बैंकिंग सेवाओं या इंटरनेट के माध्यम से भुगतान किया जाता है। वर्तमान समय में यूपीआई , क्यूआर कोड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग तथा मोबाइल वॉलेट जैसी सुविधाओं ने भुगतान को अत्यंत सरल और सुविधाजनक बना दिया है। इन माध्यमों से लोग घर बैठे ही सुरक्षित एवं तेज़ी से लेन-देन कर सकते हैं।

डिजिटल भुगतान के प्रमुख लाभ

– समय की बचत कुछ ही सेकंड में भुगतान पूरा हो जाता है।

– सुरक्षित लेन-देन अधिक नकद रखने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे चोरी या धन खोने का जोखिम कम होता है।

– हर जगह उपयोगी दुकानों, अस्पतालों, विद्यालयों, कार्यालयों तथा ऑनलाइन सेवाओं में आसानी से उपयोग किया जा सकता है।

– सुविधाजनक प्रक्रिया कहीं से भी और कभी भी भुगतान संभव है।

– पारदर्शिता प्रत्येक लेन-देन का रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है।

कैशलेस भारत का महत्व

कैशलेस भारत का उद्देश्य देश में अधिक से अधिक डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना है। इससे बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है, भ्रष्टाचार और नकली मुद्रा जैसी समस्याओं पर नियंत्रण पाने में सहायता मिलती है तथा

आर्थिक गतिविधियों में पारदर्शिता आती है। डिजिटल भुगतान देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विद्यार्थियों के लिए डिजिटल भुगतान का महत्व

आज के समय में विद्यार्थियों के लिए भी डिजिटल भुगतान की जानकारी आवश्यक है। वे ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं, पुस्तकें खरीद सकते हैं तथा अन्य शैक्षणिक भुगतान आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, विद्यार्थियों को हमेशा अपने माता-पिता या अभिभावकों की अनुमति और मार्गदर्शन में ही डिजिटल भुगतान करना चाहिए।

डिजिटल भुगतान करते समय आवश्यक सावधानियाँ

- अपना ओटीपी, यूपीआई पिन, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।
- केवल भरोसेमंद ऐप और आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें।
- किसी अनजान लिंक, कॉल या संदेश पर विश्वास न करें।
- भुगतान करने से पहले प्राप्तकर्ता का नाम और विवरण अवश्य जाँचें।
- किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत बैंक या संबंधित संस्था को सूचना दें।

स्नेहा जैन
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी, गोविंदगंज, जबलपुर

भारत में कैसे हुई कॉमर्स (वाणिज्य) की शुरुआत

वाणिज्य के इतिहास को बार्टर सिस्टम का पता लगाया जा सकता है, जिसने शुरुआती मार्केटप्लेस की नींव रखी और आखिर में करेंसी शुरू की। 15वीं शताब्दी से 20वीं शताब्दी के बीच, सिल्क रोड और प्रमुख व्यापार केंद्रों के विकास जैसे स्थापित तरीकों से वैश्विक व्यापार का काफी विस्तार हुआ। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी जैसे शक्तिशाली व्यापार उद्यमों का उपनिवेश और उत्थान, माल और सेवाओं के वैश्विक विनिमय को और तेज करता है, अंततः आधुनिक बैंकिंग प्रणालियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क को आकार देता है।

भारत में, वाणिज्य की शुरुआत सिंधु घाटी सभ्यता की तारीख से हुई है, जिसे सबसे पहले ट्रेडिंग सोसाइटी के रूप में जाना जाता है। कॉटन, बीड, पॉटरी और मसाले जैसे सामान का आम तौर पर आदान-प्रदान किया जाता था। समय के साथ, मौर्य, गुप्ता और मुगलों जैसे साम्राज्यों ने भूमि-आधारित और समुद्री मार्गों के माध्यम से व्यापार को आगे बढ़ाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान, उच्च कर्तव्यों और संसाधन का उपयोग करके वाणिज्य पर कड़ी नियंत्रण था। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने एक योजनाबद्ध आर्थिक मॉडल अपनाया जो धीरे-धीरे उदारीकरण और तकनीकी सुधारों के माध्यम से बदल गया, जिससे कमर्शियल विकास और वैश्विक व्यापार एकीकरण के नए युग की शुरुआत हुई।

कॉमर्स का प्रकार

वाणिज्य की प्रकृति यह दर्शाती है कि यह अर्थव्यवस्था के भीतर कैसे काम करता है और समाज को यह कैसे प्रदान करता है। यह आवश्यक विशेषताओं की रूपरेखा तैयार करता है जो वाणिज्य को आर्थिक प्रगति और मानव आवश्यकताओं को पूरा करने के पीछे एक प्रेरक शक्ति बनाते हैं। प्रमुख विशेषताएं नीचे दी गई हैं-

1. कॉमर्स माल के एक्सचेंज और मूवमेंट को सक्षम बनाता है

वाणिज्य उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच माल और सेवाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह दूरी को कम करने में मदद करता है, जिससे प्रोडक्ट रिमोट लोकेशन तक भी पहुंच सकते हैं। डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और ट्रांसपोर्टेशन की मदद से, उत्पादक अपने प्रोडक्ट को स्थानीय, राष्ट्रीय या यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऑफर कर सकते हैं। जिससे व्यापक मार्केट तक पहुंच बन सकती है।

2. कॉमर्स उपभोक्ताओं के लिए उपयोगिता बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है

वाणिज्य के मुख्य कार्यों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि प्रोडक्ट सही जगह, समय और सही स्वामित्व पर उपलब्ध हों।

अ. समय उपयोग वस्तुओं को जब तक आवश्यक न हो तब तक स्टोर करके बनाया जाता है, उदाहरण के लिए, जब तक यह बाज़ार तक नहीं पहुंचता तब तक वेयरहाउस में कृषि उत्पादों को स्टोर करना।

ब. प्लेस यूटिलिटी को उन वस्तुओं के परिवहन द्वारा जोड़ा जाता है जहां मांग मौजूद होती है, जैसे मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से फॉर्मेसी तक दवाएं प्रदान करना।

स. जब स्वामित्व ट्रांसफर हो जाता है, तो पजेशन यूटिलिटी काम आती है, जैसे ग्राहक रिटेल आउटलेट से इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदते हैं।

3. वाणिज्य आर्थिक विकास में योगदान देता है

कॉमर्स आर्थिक विकास का एक मजबूत चालक है। यह माल और सेवाओं की मांग पैदा करके उत्पादन को प्रोत्साहित करता है। यह बढ़ी हुई गतिविधि उद्योगों को समर्थन देती है और परिवहन, बैंकिंग, रिटेल और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार सृजन की ओर ले जाती है। कुल मिलाकर, वाणिज्य आय के स्तर को बढ़ाता है, बुनियादी ढांचे का समर्थन करता है और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डबल एंट्री सिस्टम, लेखांकन का सबसे भरोसेमंद तरीका

किसी भी व्यवसाय में होने वाले प्रत्येक लेन-देन का सही और व्यवस्थित रिकॉर्ड रखना आवश्यक होता है। इसी उद्देश्य से डबल एंट्री सिस्टम का उपयोग किया जाता है। यह आधुनिक लेखांकन की सबसे विश्वसनीय और व्यापक रूप से अपनाई जाने वाली पद्धति है। इस प्रणाली में प्रत्येक लेन-देन का प्रभाव कम से कम दो खातों पर पड़ता है, जिससे हिसाब-किताब अधिक सटीक और पारदर्शी रहता है।

डबल एंट्री सिस्टम क्या है?

डबल एंट्री सिस्टम वह लेखांकन पद्धति है जिसमें हर वित्तीय लेन-देन को दो पक्षों डेबिट और क्रेडिट के रूप में दर्ज किया जाता है। इस प्रणाली का मूल सिद्धांत है कि हर डेबिट के बराबर एक क्रेडिट अवश्य होता है। इसका सरल सूत्र है कुल डेबिट बराबर कुल क्रेडिट।

यह प्रणाली कैसे काम करती है?

जब भी कोई लेन-देन होता है, तो उसका प्रभाव कम से कम दो खातों पर पड़ता है। एक खाते में राशि डेबिट होती है और दूसरे खाते में उतनी ही राशि क्रेडिट होती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी दुकान ने 10,000 रूपए नकद देकर फ नींचर खरीदा, तो फ नींचर खाता 10,000 रूपए डेबिट, नकद खाता 10,000 क्रेडिट। यह दर्शाता है कि व्यवसाय में फर्नीचर बढ़ा, जबकि नकद राशि उतनी ही कम हो गई।

डेबिट और क्रेडिट को कैसे समझें?

लेखांकन में सामान्यतः तीन प्रकार के खाते होते हैं

1 व्यक्तिगत खाता – नियम, प्राप्त करने वाले को डेबिट, देने वाले को क्रेडिट।

2 वास्तविक खाता – नियम, जो व्यवसाय में आए उसे डेबिट, जो व्यवसाय से जाए उसे क्रेडिट।

3 नाममात्र खाता – नियम, सभी खर्च और हानियाँ डेबिट, सभी आय और लाभ क्रेडिट।

डबल एंट्री सिस्टम के प्रमुख लाभ

- प्रत्येक लेन-देन का पूरा रिकॉर्ड मिलता है।
- गलतियों का पता लगाना आसान होता है।
- ट्रायल बैलेंस तैयार करने में सुविधा होती है।
- लाभ-हानि खाता और बैलेंस शीट सही ढंग से बनती है।
- व्यवसाय की वास्तविक वित्तीय स्थिति का पता चलता है।
- बैंक, निवेशक और कर विभाग के लिए विश्वसनीय लेखा-रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है।

डबल एंट्री सिस्टम क्यों महत्वपूर्ण है?

आज लगभग सभी छोटे-बड़े व्यवसाय, कंपनियाँ, बैंक और सरकारी संस्थान इसी प्रणाली का उपयोग करते हैं। यह न केवल लेखांकन को व्यवस्थित बनाती है, बल्कि वित्तीय निर्णय लेने, ऑडिट कराने और कानूनी अनुपालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डिजिटल व्यापार के लिए ई-कॉमर्स का उदय

ई-कॉमर्स के बढ़ने से बिजनेस के संचालन और उपभोक्ताओं की खरीददारी के तरीके में क्रांति हुई है। इंटरनेट के आगमन के साथ, वाणिज्य भौतिक सीमाओं पर पहुंच गया है, जिससे ट्रांजेक्शन आसानी से ऑनलाइन हो सकते हैं। ई-कॉमर्स में इस तेजी से वृद्धि ने विश्व भर में सरकारों को डिजिटल व्यापार को विनियमित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए वाणिज्य विभाग जैसे समर्पित विभागों को अनुकूलित करने और स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है। ये विभाग साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, टैक्सेशन और सीमा पार व्यापार विनियम सहित ई-कॉमर्स द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने वाली नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, कॉमर्स विभाग इनोवेशन को बढ़ावा देने, मार्केट एक्सेस को बढ़ाने और सभी आकार के बिजनेस के लिए एक लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करने के लिए इंडस्ट्री हितधारकों के साथ सहयोग करता है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देकर और ई-कॉमर्स बुनियादी ढांचे के विकास को समर्थन देकर, ये विभाग आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की सुविधा प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे ई-कॉमर्स विकसित हो रहा है, वाणिज्य विभाग डिजिटल अर्थव्यवस्था की जटिलताओं को नेविगेट करने और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा करते हुए

और उचित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वाणिज्य का दायरा

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार:- वाणिज्य में देश के भीतर और सीमाओं के पार व्यापार शामिल है। घरेलू व्यापार में स्थानीय खरीद और बिक्री शामिल है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में निर्यात और आयात शामिल हैं जो वैश्विक बाजारों को जोडते हैं और उपभोक्ता की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

बिजनेस ऑपरेशन:- इसमें प्रोडक्शन और मार्केटिंग से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक, बिजनेस द्वारा की जाने वाली सभी गतिविधियों का समूह शामिल है। आसान ऑपरेशन बिजनेस को ग्राहक की मांगों को कुशलतापूर्वक पूरा करने और प्रतिस्पर्धा बनाए रखने में मदद करते हैं।

फाइनेंस और बैंकिंग:- फाइनेंशियल संस्थान क्रेडिट, लोन और निवेश विकल्प जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं। ये सेवाएं दैनिक संचालन, विस्तार योजनाओं और समग्र बिजनेस विकास को सपोर्ट करती हैं, जिससे वे वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते है। उदाहरण के लिए, एक स्व-व्यवसायी के लिए पर्सनल लोन प्रोफेशनल बिजनेस से संबंधित खर्चों को फंड करने और कार्यशील पूंजी को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बीमा और जोखिम मैनेजमेंट:- बीमा प्राकृतिक आपदाओं या मार्केट शिफ्ट जैसे कारकों के कारण होने वाले अप्रत्याशित नुकसान से बिजनेस की सुरक्षा करता है। प्रभावी जोखिम मैनेजमेंट बिजनेस की निरंतरता और फाइनेंशियल स्थिरता सुनिश्चित करता है।

ई-कॉमर्स: डिजिटल कॉमर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदने और बेचने की सुविधा देता है। यह बिजनेस को व्यापक दर्शकों तक पहुंचने, तेज ट्रांजैक्शन की सुविधा प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और ऑनलाइन स्टोरफ्रंट के माध्यम से वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देता है।

अर्थव्यवस्था में कॉमर्स की भूमिका

कॉमर्स अर्थव्यवस्थाओं को आकार देने और व्यापार, रोजगार और इनोवेशन के माध्यम से रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कॉमर्स वस्तुओं और सेवाओं के एक्सचेंज को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, जिससे उच्च उत्पादन, आय और रोजगार उत्पन्न होता है। यह रिटेल, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंस, मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पैदा करता है, जिससे बेरोजगारी को कम करने में मदद मिलती है. व्यापार के माध्यम से, व्यक्तियों और बिजनेस आय अर्जित करते हैं, जिन्हें विस्तार, इनोवेशन और लॉन्ग टर्म समृद्धि को समर्थन देने के लिए दोबारा निवेश किया जा सकता है. वाणिज्य श्रम के विभाजन को बढ़ावा देता है. जिससे बिजनेस को मुख्य शक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने, उत्पादन लागत को कम करने और उत्पादकता में सुधार करने की अनुमति मिलती है. कॉमर्स प्रतिस्पर्धी मार्केट, ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए नए प्रोडक्ट, सेवाएं और टेक्नोलॉजी विकसित करने के लिए बिजनेस को बढ़ावा देते हैं.

व्यापार और आर्थिक ट्रांजैक्शन की सुविधा:- वाणिज्य उपभोक्ताओं और उत्पादकों के बीच आसान ट्रांजैक्शन सुनिश्चित करता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को प्रभावी रूप से सुविधाजनक बनाया जा सकता है।

भौगोलिक बाधाओं को समाप्त करना:- परिवहन नेटवर्क का लाभ उठाना, वाणिज्य भौगोलिक प्रतिबंधों को कम करता है, जिससे वस्तुओं को वैश्विक स्तर पर उपभोक्ताओं तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

समय सीमाओं का प्रबंधन:- कॉमर्स में कुशल वेयरहाउसिंग लगातार सप्लाई चेन सुनिश्चित करता है, उत्पादन और खपत के बीच देरी को कम करता है।

फाइनेंशियल सहायता और सुरक्षा:- कॉमर्स सुरक्षित बैंकिंग ट्रांजेक्शन, क्रेडिट सुविधाएं और विश्वसनीय भुगतान समाधान प्रदान करता है, जो बिजनेस और व्यक्तियों के लिए फाइनेंशियल बाधाओं का समाधान करता है। विशेष रूप से, सिक्योर्ड बिज़नेस लोन एसेट पर उच्च मूल्य की फंडिंग तक पहुंच प्रदान कर सकता है, जिससे बिजनेस को कम ब्याज के बोझ के साथ स्केल करने में मदद मिलती है।

बीमा के माध्यम से रिस्क मैनेजमेंट:- कॉमर्स में बीमा सेवाएं अप्रत्याशित नुकसान से सुरक्षा प्रदान करती हैं, स्थिरता और आश्वासन प्रदान करती हैं।

विज्ञापन के माध्यम से ज्ञान का प्रसार:- वाणिज्य विज्ञापन के माध्यम से प्रोडक्ट की जानकारी का प्रसार करता है, उपभोक्ताओं को सूचित खरीद निर्णयों के लिए ज्ञान के साथ सशक्त बनाता है।

आर्थिक विकास में इंटीग्रल भूमिका:- कुल मिलाकर, मजबूत कार्यशील पूंजी चक्र के माध्यम से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अंतर को कम करने और आर्थिक दक्षता को अनुकूल बनाने के लिए वाणिज्य अनिवार्य है।

वाणिज्यिक पहेलियां

1. 'अपवादों द्वारा प्रबन्ध' की तकनीक को किसने विकसित किया?
(अ) जोसेफ एल. मैसी (ब) लेस्टर आर. बिटेल (स) एल. एफ. उर्विक (द) पीटर एफ. ड्रफर
उत्तर – लेस्टर आर. बिटेल

2. नई औद्योगिक नीति की घोषणा किस वर्ष की गई थी?
(अ) 1997 (ब) 1951 (स) 1991 (द) 1998
उत्तर – 1991

3. कर्मचारियों की विकास सम्भाव्यता की पहचान किसके जरिए की जाती है?
(अ) कार्य संवर्धन (ब) कार्य मूल्यांकन (स) कार्य मूल्यांकन केन्द्र (द) पदस्थिति का विवरण
उत्तर – कार्य मूल्यांकन

4. मशीन को खरीद के स्थान से स्थापति करने के स्थान तक लाने के लिए, बीमा खर्च को क्या कहते है?
(अ) पूंजी खर्च (ब) आगम खर्च (स) स्थगित आगम खर्च (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर – पूंजी खर्च

5. कौन-सी पद्धति मुद्रा का समय मूल्य पर विचार नहीं करती?
(अ) शुद्ध वर्तमान मूल्य (ब) आंतरिक प्रत्याय दर (स) औसत प्रत्याय दर (द) लाभ सूचकांक
उत्तर – औसत प्रत्याय दर

6. प्रतियोगी की योजना को मद्देनजर रखते हुए बनाई योजना क्या कहलाती है?
(अ) नीति (ब) क्रियाविधि (स) व्यूह रचना (द) गुप्त योजना
उत्तर – व्यूह रचना

7. 'विपणन मिश्रण' अभिव्यक्ति का सृजन किसने किया?
(अ) हेनरी फेयोल (ब) जेम्स कूलीटन (स) पीटर ड्रकर (द) अब्राहम मास्लो
उत्तर – जेम्स कूलीटन

8. प्रबन्धन में मानव सम्बन्ध दृष्टिकोण किस विचारक से सम्बन्धित है?
(अ) अब्राहम मास्लो (ब) पीटर एफ. ड्रकर (स) एल्टोन मायो (द) हैजरबर्ग
उत्तर – पीटर एफ. ड्रकर

शब्द पहेली - 8924

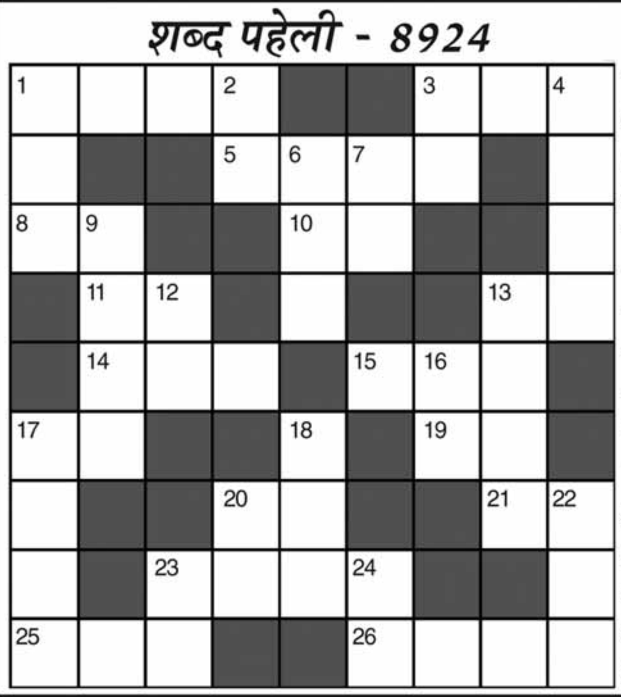

बाएँ से दाएँ

1.साले की पत्नी-4
3.उच्च कुल का -3
5.पाताल-4
8.व्यंग,चुटीली बात-2
10.दुख,कष्ट-2
11.शराब का प्याला-2
13.सत्य,तेज-2
14.जुड़वा-3
15.विश्राम,राहत-3
17.मक्का-मदीना की यात्रा-2
19.झुका हुआ-2
20.टैक्स,हाथ-2
21.होठ,अधर-2
23.सुरक्षित-4
25.नाश,विनाश,विध्वंस-3
26.निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1.नदी-3
2.संपत्ति,धन-2
3.वंश,खानदान-2
4.उत्तमता,परिष्कृतता-4
6.समुद्र,दरिया-3
7.अंधकार-2
9.जो जायज न हो-4
12.संस्कृत में 'मेरा'-2
13.सपाट- 4
16.जांघ-2
17.पैगंबर,महापुरुष-4
18.रनिवास (उर्दू-3)
20.हुनर,फन-2
22.देह,काया-3
23.गलत का विलोम -2
24.निश्चित-2

शब्द पहेली - 8923 का हल

फि	त	र	त		स	ला	म	त
रं		त	ल	ब	गा	र		मी
गी	ला			द			ह	ज
	ल		क	न	क		म	
ध	कि	या	ना		या	या	व	र
	ता		त	म	स		त	
ऐ	ब			ना			न	न
न		ख	ल	ना	य	क		क
क	र	त	ब		म	ल	म	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बालाघाट रेंजर कॉलेज की घर वापसी पर छिड़ा श्रेय का घमासान!

कांग्रेस का भाजपा पर बड़ा हमला–धरोहर बची हमारे संघर्ष से, अब राजनीति कर रहे सांसद

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। ऐतिहासिक पहचान और वन सेवा के गौरव का प्रतीक बालाघाट रेंजर कॉलेज एक बार फिर राजनीतिक घमासान का केंद्र बन गया है। करीब 12 वर्षों तक बंद पड़े रेंजर प्रशिक्षण केंद्र के दोबारा शुरू होने की घोषणा के बाद अब इसे लेकर श्रेय लेने की राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस विधायकों ने भाजपा और सांसद भारती पारधी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जब कॉलेज को बचाने की लड़ाई लड़ी जा रही थी तब सत्ता पक्ष मौन था, लेकिन अब पुनर्स्थापना के बाद इसे अपनी उपलब्धि बताकर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि यह केवल राजनीतिक प्रचार नहीं, बल्कि बालाघाट की ऐतिहासिक धरोहर के संघर्ष को कमजोर करने की कोशिश है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2014 में बालाघाट रेंजर कॉलेज में रेंजर प्रशिक्षण पूरी तरह बंद कर दिया गया था। इसके बाद वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्य वन संरक्षक की ओर से एक पत्र में यह उल्लेख किया गया कि बालाघाट दूरस्थ (रिमोट) क्षेत्र है, यहां संसाधनों की कमी, परिवहन और अन्य सुविधाओं के अभाव के कारण प्रशिक्षण संचालन कठिन हो रहा है। इसी आधार पर जबलपुर मुख्यालय के माध्यम से केंद्र सरकार को प्रशिक्षण केंद्र अन्यत्र संचालित करने का प्रस्ताव भेजा गया। इसी बीच स्थानीय स्तर पर लगातार यह मांग उठती रही कि बालाघाट की इस ऐतिहासिक संस्था को कहीं और स्थानांतरित न किया जाए। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि उसी समय इस प्रस्ताव का विरोध शुरू हुआ, जबकि भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने इसे रोकने के लिए कोई प्रभावी पहल नहीं की।

विधानसभा में उठा मुद्दा, फिर बदली तस्वीर...

कांग्रेस का कहना है कि वर्ष 2025 और 2026 में मध्यप्रदेश विधानसभा में बालाघाट के कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। विधानसभा में प्रश्न लगने और सरकार पर दबाव बनने के बाद वन विभाग सक्रिय हुआ तथा अंततः रेंजर कॉलेज को बालाघाट में ही बनाए रखने और दोबारा प्रशिक्षण शुरू करने का निर्णय लिया गया। अब कांग्रेस सवाल उठा रही हैं कि यदि 2022 में ही स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी तो उस समय भाजपा के जनप्रतिनिधि क्यों मौन रहे? और जब कॉलेज बच गया तो अचानक इसे अपनी उपलब्धि बताकर बधाई और धन्यवाद के पोस्टर क्यों लगाए जा रहे हैं?

अनुभा मुंजारे का हमला–हमने धरोहर बचाई, अब श्रेय लूटने की होड़...

16 जुलाई को कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने रेंजर कॉलेज पहुंचकर निरीक्षण किया और कहा कि यह बालाघाट के लिए गौरव का क्षण है कि उसकी ऐतिहासिक धरोहर विस्थापित होने से बच गई। उन्होंने कहा कि 1829 में ब्रिटिश शासनकाल में स्थापित यह रेंजर कॉलेज केवल एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं बल्कि बालाघाट की ऐतिहासिक पहचान है। वर्ष 2014 तक यहां नियमित प्रशिक्षण होता रहा, लेकिन उसके बाद इसे बंद कर दिया गया और 2022 में इसे हटाने का प्रस्ताव भेज दिया गया। अनुभा मुंजारे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लगातार इसका विरोध किया, विधानसभा में मामला उठाया और सरकार पर दबाव बनाया। उन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज रेंजर कॉलेज बालाघाट में सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि अब सांसद भारती पारधी फ्लेक्स-बैनर लगाकर इसे अपनी उपलब्धि बताने की कोशिश कर रही हैं, जबकि जब कॉलेज को बचाने की लड़ाई चल रही थी तब उनकी ओर से कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं दी। मुंजारे ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में बालाघाट की लगातार उपेक्षा हुई और सरकारी संस्थाओं को यहां से हटाने की मानसिकता काम करती रही। उनके अनुसार रेंजर कॉलेज को हटाने का प्रयास भी उसी सोच का हिस्सा था।

मधु भगत बोले–रिमोट एरिया बताकर हटाने की साजिश हुई...

परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि रेंजर कॉलेज को हटाने के पीछे सुनियोजित षड्यंत्र था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सांसद के समय प्रस्ताव तैयार कराया गया और तत्कालीन सीसीएफ ने बालाघाट को रिमोट एरिया बताते हुए संसाधनों की कमी, एयरपोर्ट न होने जैसी बातें लिखकर स्थानांतरण का प्रस्ताव आगे बढ़ाया। श्री भगत ने कहा कि वर्तमान सांसद ने भी इस प्रस्ताव का विरोध करने के बजाय अनुशंसा की, लेकिन कांग्रेस ने विधानसभा में 24 मार्च 2025 को यह मुद्दा उठाकर सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि यह समझ से परे है कि जहां वर्षों तक सफलतापूर्वक प्रशिक्षण चलता रहा, वहां अचानक प्रशिक्षण बंद क्यों कर दिया गया। उनका आरोप हैं कि जब राजनीतिक और आर्थिक हित हावी हो जाते हैं तो ऐतिहासिक धरोहरें भी षड्यंत्र का शिकार बन जाती हैं।

धरोहर भी बची, जमीन भी बची...

मधु भगत ने कहा कि यदि रेंजर कॉलेज यहां से चला जाता तो केवल एक प्रशिक्षण संस्थान ही नहीं खोता, बल्कि उससे जुड़ी सरकारी जमीन और बालाघाट की पहचान भी खतरे में पड़ जाती। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने संघर्ष कर धरोहर और उससे जुड़ी जमीन दोनों को बचाया है। उन्होंने कहा कि अब सभी दलों को राजनीतिक श्रेय लेने के बजाय इस बात पर काम करना चाहिए कि रेंजर कॉलेज में जल्द से जल्द नियमित रेंजर प्रशिक्षण शुरू हो, ताकि बालाघाट फिर से वन प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन सके।

अब सबसे बड़ा सवाल...

रेंजर कॉलेज को लेकर अब बालाघाट की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। एक ओर भाजपा इसे अपनी उपलब्धि बता रही है, वहीं कांग्रेस दावा कर रही है कि यदि विधानसभा में लगातार दबाव नहीं बनाया जाता तो कॉलेज का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। अब जनता के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि– वर्ष 2014 में प्रशिक्षण आखिर क्यों बंद हुआ? 2022 में स्थानांतरण का प्रस्ताव किसके निर्देश पर भेजा गया? किस स्तर पर किसने इसका समर्थन या विरोध किया? और आखिर 12 साल बाद रेंजर कॉलेज के पुनर्जीवन का वास्तविक श्रेय किसे जाता है?

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच अब बालाघाट की जनता पूरे घटनाक्रम के दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग कर रही है, ताकि रेंजर कॉलेज की सच्ची कहानी सामने आ सके और ऐतिहासिक धरोहर पर श्रेय की राजनीति का अंत हो।

कुएं में गिरे दो बच्चे, 6 वर्षीय बालिका की मौत, दूसरा अस्पताल में भर्ती

बिरसा थाना के ग्राम बहेराभाटा की घटना

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस चौकी सालेटेकरी के ग्राम बहेराभाटा में गुरुवार को खुले कुएं में गिरने से एक मासूम बालिका की मौत हो गई, जबकि उसका 14 वर्षीय भाई गंभीर हालत में बचा लिया गया। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार, ग्राम बहेराभाटा निवासी बियासलाल मातरे के पुत्र यानस मातरे 14 वर्ष और पुत्री भूमिका मातरे 6 वर्ष दोपहर करीब तीन बजे घर के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते दोनों बिना जगत और फेंसिंग वाले कुएं के पास पहुंच गए और अचानक पैर फिसलने से कुएं में गिर गए। इधर, कुएं से आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और स्वजन दौड़े। ग्रामीणों ने रस्सी और अन्य साधनों की मदद से दोनों बच्चों को बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। दोनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद 6 वर्षीय भूमिका मातरे को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल यानस मातरे का उपचार जारी है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस चौकी सालेटेकरी की टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सौंपा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस कुएं में हादसा हुआ वह खुले हालत में था और उसके चारों ओर कोई सुरक्षा दीवार या जगत नहीं बना था। इस हृदयविदारक घटना के बाद बहेराभाटा गांव में मातम पसरा हुआ है। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव और आसपास के सभी खुले कुओं की सुरक्षा के लिए तत्काल जगत निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बालाघाट पुलिस की मानवीय पहल: वैनगंगा नदी में रातभर फंसे युवक का रेस्क्यू, बचाई जान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बालाघाट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए वैनगंगा नदी में रातभर से फंसे एक युवक का सफल रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। गुरुवार 16 जुलाई को गर्रा निवासी शाहरूख खान ने डायल-112 पर सूचना दी कि गर्रा पुल के पास नदी में एक युवक गिरा हुआ है और उसकी हालत गंभीर है। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली की एफआरवी-01 के आरक्षक गोपाल घोड़ावत एवं पायलट प्रज्वल सोनी तत्काल मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने देखा कि युवक नदी के पानी में आधा डूबा हुआ था और अत्यधिक पीड़ा में था। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला और एफआरवी-112 से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया, जहां उसका उपचार शुरू कराया गया।

अस्पताल में युवक ने अपना नाम हर्ष चौरागढ़े (18 वर्ष), निवासी बूढ़ी, जिला बालाघाट बताया। उसने बताया कि वह घूमने के दौरान नदी किनारे गया था, तभी पैर फिसलने से नदी में गिर गया। तेज बहाव के कारण वह पूरी रात बाहर नहीं निकल सका। लंबे समय तक पानी में फंसे रहने से उसकी हालत गंभीर हो गई थी। पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से उसे जीवनदान मिला। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस मानवीय पहल और तत्परता की सराहना की।

6.85 लाख के चावल हड़पने के मामले में विशाल को 2 साल की सजा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। सात वर्ष पुराने चावल हड़पने के मामले में माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री अविनाश छारी की अदालत ने 16 जुलाई 2026 को फैसला सुनाते हुए आरोपी विशाल पिता रामप्रसाद यादव उर्फ धुरूलाल को दोषी करार दिया। न्यायालय ने आरोपी को धारा 411 भादवि के तहत 2 वर्ष के साधारण कारावास तथा 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड जमा नहीं करने पर 15 दिन का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।अभियोजन के अनुसार 9 जुलाई 2019 को खुरसोडी स्थित श्री सांई बाबा वेयरहाउस से 520 बोरी चावल (252.79 क्विंटल), जिसकी कीमत करीब 6.85 लाख रुपये थी, ट्रक क्रमांक एमपी-09-एचजी-9395 से राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ गोदाम भेजा गया था।

चालक इकबाल को माल सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन उसने चावल को गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय बेईमानी से बेच दिया। बाद में ट्रक छिंदवाड़ा जिले के कुंडीपारा थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में बरामद हुआ।मामले की विवेचना ग्रामीण थाना नवेगांव पुलिस ने की। जांच में सामने आया कि चालक इकबाल द्वारा बेचा गया चावल आरोपी विशाल ने खरीदा था। इसके बाद आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध कर सजा सुनाई।

राष्ट्रीय वृक्ष मित्र संवाद में कटंगी के युवा अवलेश पारधी ने किया बालाघाट का प्रतिनिधित्व

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा संस्थान) में आयोजित राष्ट्रीय वृक्ष मित्र संवाद कार्यक्रम में बालाघाट जिले के कटंगी क्षेत्र के युवा अवलेश पारधी ने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए पर्यावरण संरक्षण और किसानों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर प्रमुखता से रखा।

यह कार्यक्रम केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में देशभर से आए युवाओं, पर्यावरण प्रेमियों और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अवलेश पारधी ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपने विचार, क्षेत्र की आवश्यकताओं और नीतिगत सुझावों को साझा किया। उन्होंने बालाघाट एवं कटंगी क्षेत्र के किसानों की समस्याओं, हरित विकास, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े विषयों पर भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के बाद अवलेश पारधी ने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर बालाघाट और कटंगी का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय क्षेत्र के नागरिकों, शुभचिंतकों और वरिष्ठजनों के आशीर्वाद एवं सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने की अपील करते हुए कहा कि समाज की सहभागिता से ही हरित और समृद्ध भारत का सपना साकार हो सकेगा।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए पंजीयन 31 जुलाई तक

उमरिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयन प्रवेश परीक्षा 28 नवंबर को आयोजित होगी जिसके लिए ऑन-लाइन पंजीयन 31 जुलाई तक होगा। जिले से चयन परीक्षा हेतु 110 विद्यायार्थियों का ही पंजीयन हुआ है जबकि नवोदय विद्यालय समिति द्वारा कक्षा 6वीं में चयन परीक्षा हेतु 7115 विद्यार्थियों के पंजीयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले से इस परीक्षा हेतु गत वर्ष कुल पंजीयन 6468 हुआ था।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत) – मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्थापना दिवस पखवाड़े एवं स्वैच्छिकता पर्व की श्रृंखला में विकासखंड पाली के ग्राम पंचायत मालियागुड़ा में पौधा रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रविन्द्र शुक्ला ब्लॉक समन्वयक पुष्पा टेकाम द्वारा स्वैच्छिकता पर्व अंतर्गत पौधा रोपड़ कार्य,नशा मुक्ति शपथ ग्रहण,स्वच्छता कार्य श्रमदान अधिक से अधिक पौधा रोपड़ कार्य किए जाने की जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता सरपंच लक्ष्मी सिंह द्वारा की गई। बैठक में सेक्टर स्तरीय सभी समिति सदस्य गण अध्यक्ष, सचिव नवांकुर संस्था से सचिन विश्वकर्मा परामर्श दाता संजय साहू मलियागुड़ा समिति से संगीता तिवारी ,मुकेश सिंह मुदरिया ग्राम विकाश प्रस्फुटन समिति से रोहन सिंह,कोमल सिंह ,जवाहरसिंह ,ग्रामीण जन ओर अन्य सभी समिति सदस्य सोशल इंटर्नशिप से प्रवीण तिवारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 31 को रवाना होगी ट्रेन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 31 जुलाई को आयेध्या-वाराणासी (काशी) यात्रा हेतु स्पेशल ट्रेन रवाना होगी। योजना के तहत उमरिया जिले से 262 वरिष्ठ जन विशेष ट्रेन में यात्रा कर सकेगे। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जो 60 वर्ष या अधिक आयु के हो (महिलाओ के लिए 2 वर्ष की छूट) तथा जो आयकरदाता नही है, को प्रदेश, विभिन्न अधिसूचित तीर्थ स्थलो की यात्रा कराए जाने का प्रावधान है।

जमीनी विवाद में बड़े भाई ने ली छोटे भाई की जान

उमरिया (स्वतंत्रमत) – जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महारोई में जमीन में सामने घर बनाने के विवाद में बड़े भाई ने अपने सगे छोटे भाई पर ऐसा जानलेवा हमला किया कि उसकी मौत हो गई वहीं बीच बचाव कर रही भाई की पत्नी पर भी हमला किया है जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल है।

इस संबंध में बताया गया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम महरोई में आधी रात को जमीन के एक छोटे से टुकड़े के लिए दो सगे भाइयों गिरवर सिंह एवं भोला सिंह पुत्र नारायण सिंह राठौर में बहस शुरू हो गई, विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट में तब्दील हो गया। बड़े भाई गिरवर सिंह ने अपने छोटे भाई भोला सिंह राठौर पर कुल्हाड़ी से जोरदार हमला कर दिया जिससे वह लहुलुहान हो गया, मारपीट होते देख छोटे भाई भोला सिंह की पत्नी पूजा राजपूत भी बीचबचाव करने को दौड़ी तो हमलावर बड़े भाई गिरवर सिंह राठौर ने उस पर भी प्रहार किया, जिससे वह भी खून से लथपथ हो गई। गंभीर हालत में दोनों पति-पत्नी को इलाज के लिए सोमवार 13 जुलाई की रात करीब 12 बजे जिला अस्पताल लेकर आये जहां पहुंचते ही छोटे भाई भोला सिंह राठौर की मौत हो गई वहीं उसकी पत्नी पूजा राजपूत गंभीर अवस्था में भर्ती है जिसका इलाज किया जा रहा है। घटना में पुलिस ने आरोपी बड़े भाई गिरवर सिंह राठौर को गिरफ्तार कर लिया है और जांच करने जुटी हुई ळें वही सूत्रों ने बताया कि छोटे भाई ने अपनीं पहली पत्नी से डिवोर्स होने के बाद डिंडौरी से दूसरी पत्नी ले आया और पुस्तैनी जमीन डेढ एकड़ पत्नी के नाम कर दिया था जिसे लेकर घर मे दोनों भाइयों के बीच विवाद होता रहता था जो उसकी मौत का कारण बना..!

दोस्तों के साथ उमरार बांध में नहाने गया युवक डूबा दिनभर तलाश में जुटी रही आपदा प्रबंधन की टीम

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के उमरार जलाशय में गुरुवार को नहाने गए एक युवक के डूब जाने की दुखद घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, खलेशर निवासी शुभम सोनी (18 वर्ष), पिता पवन सोनी, अपने चार दोस्तों के साथ शहर से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित उमरार जलाशय में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबकर लापता हो गया। घटना के बाद उसके साथ मौजूद दोस्तों ने तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद युवक की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। पुलिस और रेस्क्यू टीम द्वारा बांध में लगातार खोजबीन की जा रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक शुभम का कोई सुराग नहीं मिल सका था। बताया जाता है कि चारों युवक बांध में नहा रहे थे इसी दौरान शुभम गहरे पानी में चला गया। साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह पानी में लापता हो गया। घटना के बाद उसके दोस्त सदमे में हैं और लगातार रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर मौजूद हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही शुभम के परिजन भी उमरार बांध पहुंच गए। बेटे के लापता होने की खबर से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी घटनास्थल पर एकत्र हो गए और युवक के सकुशल मिलने की उम्मीद में रेस्क्यू अभियान पर नजर बनाए हुए हैं। घटनास्थल पर डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम बांधवगढ़ सहित उमरिया पुलिस के अधिकारी मौजूद रहकर बचाव एवं तलाश अभियान की निगरानी कर रहे हैं। कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने बताया कि उमरार बांध में एक युवक के डूबने की सूचना प्राप्त हुई है।

पुलिस द्वारा तत्काल तलाश शुरू कर दी गई है। अभी तक युवक का कोई पता नहीं चल पाया है और रेस्क्यू टीम की सहायता से लगातार खोजबीन जारी है। वही गुरुवार की देर शाम तक नही शुभम सोनी का शव नही मिला है अब एनडीआरएफ जबलपुर शुक्रवार 17 जुलाई की सुबह फिर से रेस्कयू शुरू कर डूबे शुभम के शव को तलाशने में जुटेगी।

स्कूल वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को न बिठाएं : कलेक्टर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में वर्तमान शैक्षणिक सत्र आरंभ हो गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने कहा है कि स्कूली छात्र, छात्राओं को लाने ले जाने वाले वाहनों में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को न बिठाया जाए। यह बात संज्ञान में आई है कि चालकों द्वारा क्षमता से अधिक छात्र, छात्राओं को वाहनों में बैठाया जा रहा है। वाहनों में ओव्हरलोडिंग के कारण स्कूली छात्र, छात्राओं को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस लापरवाही के कारण हर समय किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, जिससे उनके जान पर खतरा बना रहता है। अतः स्कूली छात्र, छात्राओं को लाने ले जाने वाले वाहनों की आकस्मिक चैकिंग करना सुनिश्चित करें ।

एफआईआर के बाद विकास फरार..!

व्यवसायी से 50 लाख मांगने का आरोप

उमरिया (स्वतंत्रमत) – शुक्रवार 10 जुलाई को उमरिया खलेसर निवासी विकास सचदेव पर भारतीय न्याय संहिता (वीएनएस), 2023 296(अ), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 308(3),भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस), 2023 351(3) के तहत उमरिया थाने में एफआईआर दर्ज होते ही विकास फरार हो गया जिसे पुलिस तलाश रही हैं.!

ये है मामला–विकास सचदेव द्वारा आवेदक विनोद आहुजा व उसके परिवार के विरूद्ध कई बार जमीन मुआवजा व जमीन बेचने संबंधी फर्जी रजिस्ट्री कराने संबंध में शिकायत कर चुका है जिसमे माननीय न्यायालय से निराकरण हो गया है एवं जिला कलेक्टर जांच कमेटी द्वारा भी जांच नस्तीबद्ध किया गया है व आवेदक विनोद आहुजा द्वारा विकास सचदेव के विरूद्ध मानहानि व उद्धापन के संबंध में माननीय न्यायालय में परिवाद दायर किया गया था जिसका प्रकरण न्यायालय में लंबित है। दिनांक 27.06.2026 को रात्रि लगभग 11.00 बजे रोज की तरह विनोद आहुजा गांधी चौक तरफ से टहल कर अपने घर पुराना पड़ाव जा रहा था और जैन मंदिर उमरिया लाल गोदाम के पास मुर्गी वाले के घर के सामने पहुंचा तभी अनावेदक विकास सचदेव आया और विनोद से बोला कि मेरे उपर जो तुमने केश लगाया है उसे वापस ले लो और मुझे 50 लाख रूपये दे दो, मैं तुम्हारे व तुम्हारे पूरे परिवार के खिलाफ मुख्यमंत्री कार्यालय. वरिष्ठ पुलिस कार्यालय में शिकायत कर चुका हूं कि मुझे किसी भी प्रकार से जान माल का नुकसान होने पर तुम सब जिम्मेदार होगे। मेरे को किसी प्रकार की जान माल की नुकशान होने पर आप लोगो के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज होगा मैं खुद आपने आपको मरवाकर आप तीनो भाइयो का नाम लिखवा दूंगा इसलिए आप इन सब विवादों में नहीं पड़ना चाहते हो तो मैं जो बोल रहा हूँ कि आप लोग मुझे 5000000 (पचास लाख) रुपये पैसा आप मुझे दे दो नहीं तो मैं आप लोगों के पूरे परिवार वालो को झूठी शिकायत करके, फसवा दूंगा। अभी तो मेरे द्वारा 100 झूठी शिकायते आप लोगों के विरूध की गई हैं तथा आपके परिवार की महिलायों के विरुद्ध भी झूठी शिकायते करुगा और सीएम हेल्पलाइन लगा कर कार्यवाही करऊगा। पूर्व मे भी विकास सचदेव द्वारा लगभग 150 शिकायते की जा चुकी है जिनमे हमारे और हमारे परिवार पूर्ण रूप से पाक साफ पाए गए सारी शिकायते झूठी पाई गई उन्न शिकायतों में 81 शिकायतों की सूची मिल चुकी है। वही थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने बताया कि फरार विकास सचदेव का मोबाइल बंद होने की वजह से ढूढने में परेशानी हो रही हैं लेकिन पुलिस लगातार खोजबीन कर रही हैं और जल्दी ही उसे पकड़ कर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

युवा संवाद कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जयघोष से स्वागत

मण्डला (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के प्रथम नगर आगमन पर जिले भर के युवा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। जिले की सीमा से लेकर शहर के प्रमुख चौराहों तक जगह-जगह मंच सजाकर उनका स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों पुष्पवर्षा और जयघोष के बीच प्रदेश अध्यक्ष का काफिला नगर पहुंचा जहां युवा मोर्चा एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका अभिवादन किया। प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के मंडला आगमन से पूर्व सर्वप्रथम जिले की सीमा स्थित भाजपा सलवाह मंडल, घुघरी मंडल एवं पदमी मंडल में युवा कार्यकर्ताओं ने पुष्पहार पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं बिनेका तिराहा में विकास यादव, अंचल जैन, जैन मंदिर के सामने शुभम एवं सर्वज्ञ सोनी, दीनदयाल चौराहा में अंकित जोशी एवं नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। तो रेडक्रॉस परिसर के सामने मंगलेश चक्रवर्ती एवं अश्वनी सोनी, नगर पालिका कार्यालय के सामने सावन नीखर, उत्कृष्ट यादव राहुल सिंगौर, बैगा बैगी चौक में ऋषभ सिन्हा व नेहरू स्मारक में अजीत सिंहानी एवं अमन अग्रवाल अनुपम दीक्षित, देव रजानी सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग मंच लगाकर प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत करते हुए पुष्प वर्षा की। नेहरू स्मारक से ढोल-धमाकों के साथ स्वागत रैली भाजपा जिला कार्यालय पहुंची। यहां भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल

उपाध्याय के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। युवा संवाद कार्यक्रम के मंचासीन अतिथि के तौर पर मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी अमन राय, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री राकेश परस्ते, प्रदेश उपाध्यक्ष योगेन्द्र ठाकुर एवं मृदुल मिश्रा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष झारिया, प्रदेश योग एवं फिट इंडिया प्रभारी योगेश शिवहरे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अंचल जैन, प्रदेश नीति एवं शोध प्रभारी जय रोहाणी तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी शोभित नाथ शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने कहा कि वर्ष 2014 से देश में ईमानदार और जनहितैषी सरकार बनने के बाद देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत डिजिटल क्रांति की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और आज देश का युवा तकनीक नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के नए युग का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है और इस संकल्प को पूरा करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। वहीं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने उद्बोधन में कहा कि मंडला के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का जिले में आगमन हुआ है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज जिस ऊंचाई पर पहुंची है उसमें युवा कार्यकर्ताओं का बड़ा योगदान है। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें स्वयं युवा मोर्चा का अध्यक्ष रहने का अवसर मिला है इसलिए वे युवा शक्ति की ऊर्जा और क्षमता को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा कि मंडला एक आदिवासी बाहुल्य जिला है लेकिन यहां के युवा कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने में उल्लेखनीय कार्य किया है और ऐसे लक्ष्य पूरे किए हैं जिन्हें असंभव माना जाता था। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान युवा मोर्चा आने वाली पीढ़ी के नेतृत्व का निर्माण करेगा।

उन्होंने कहा कि संगठन को प्रत्येक चौपाल प्रत्येक गांव और हर झोपड़ी और हर खोपड़ी तक पहुंचाना है। प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा आने वाले समय में जिले की तीनों विधानसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी विजय का परचम लहरायेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक वरिष्ठ कार्यकर्ता युवा मोर्चा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा एवं जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल ने किया। वही युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष झारिया ने उपस्थित सभी अतिथियों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

हाईस्कूल में जनजागरूकता अभियान

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान 2.0 के अंतर्गत थाना टिकरिया पुलिस द्वारा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल मझगांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों उसके शारीरिक मानसिक एवं सामाजिक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य शिक्षा परिवार और समाज पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टॉफ को नशा न करने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

निर्मला में एनसीसी नवीन नामांकन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल कीर्ति शिंत्रे एवं एडीएम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल नरेंद्र सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में 1 एम.पी. आर्टी रेजिमेंट की 2 पीआई स्टाफ के आरएचएम एम. सेंथिल सर एवं हवलदार एच. आई. मेइती द्वारा 16 जुलाई को निर्मला सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी नवीन नामांकन 2026-27 सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया यह कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्या सिस्टर क्लारा कुजूर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। नामांकन प्रक्रिया का सफल संचालन एवं समन्वय विद्यालय के एनसीसी अधिकारी एसओ ललित कार्तिकेय द्वारा किया गया इस अवसर पर विद्यालय के रसायन विज्ञान शिक्षक शुभम चौरसिया ने भी सहयोग प्रदान करते हुए नामांकन कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई नामांकन प्रक्रिया में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अनुशासन नेतृत्व क्षमता देशभक्ति एवं राष्ट्र सेवा की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से एनसीसी से जुड़ने का संकल्प व्यक्त किया।

मार्ग चौड़ीकरण की मांग उठी

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। मोहगांव घुघरी मार्ग व्यस्त मार्ग है इस मार्ग में वाहनों का आवागमन हमेशा बना रहता है जो संकीर्ण के शिकार है देखा जाये तो आये दिन मोहगाव के अंदर वाली मार्ग संकीर्ण होने के कारण वाहनों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है 14 जुलाई को मोहगांव घुघरी मार्ग जो की मोहगांव अंदर वाली मार्ग में वाहनों की लंबी लाइन लगी रही बडी मुश्किल से वाहन चालकों ने अपनी वाहनों को निकाले वही पैदल राहगीरों को भी आवागमन में भारी परेशानियों से निकलना पडता है इसी मार्ग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव में मरीजों को इलाज कराने ले जाया जाता है लेकिन यहां संकीर्ण मार्ग से वाहनों का जाम हो जाता है जिससे मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में विलम्ब हो जाता है।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)।

सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का शुभारंभ श्रृद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य वेद प्रकाश अवधिया द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तथा प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा भावपूर्ण गुरु वंदना का गायन कर गुरु की महिमा एवं भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्व से उपस्थित विद्यार्थियों को अवगत कराया गया।

अपने उद्बोधन में प्रभारी प्राचार्य वेद प्रकाश अवधिया ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं बल्कि गुरु के प्रति श्रृद्धा सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है।

15 जुलाई से 29 जुलाई तक विद्यालय में प्रतिदिन विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, श्लोक गायन, नाटिका, नृत्य, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला तथा अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम की समस्त तैयारियाँ एवं सफल संचालन कार्यक्रम प्रभारी हनुमत मनौतिया द्वारा किया गया।

मनमाना किराया से बिफरे ग्रामीण, किया चक्काजाम

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जनपद नारायणगंज ग्राम पंचायत देवहार अंतर्गत खूटानाला-सुरंगवानी पुल मार्ग पर यात्री वाहनों द्वारा मनमाने ढंग से किराया बढ़ाए जाने के विरोध में ग्रामीणों ने चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। आंदोलन के चलते कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों तथा वाहन संचालकों के बीच समझाइश कराकर मामला शांत कराया। इसके बाद यातायात पुनः सुचारू हो सका ग्रामीणों का आरोप है कि परिवहन विभाग द्वारा किराए में किसी प्रकार की आधिकारिक वृद्धि नहीं की गई है इसके बावजूद कुछ यात्री वाहन संचालक मनमाने तरीके से यात्रियों से अधिक किराया वसूल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन या परिवहन विभाग किराया बढ़ाने का आदेश जारी करता है तो उसका पालन किया जाएगा लेकिन बिना किसी अधिकृत आदेश के अतिरिक्त किराया देना स्वीकार नहीं किया जाएगा गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी मुद्दे को लेकर ग्राम देवगांव में ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया था इसके बावजूद वाहन संचालकों द्वारा मनमानी जारी रहने से ग्रामीणों में फिर से आक्रोश देखने को मिला चक्काजाम की सूचना मिलते ही टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों से चर्चा कर विवाद का समाधान कराया। बैठक में यह सहमति बनी कि यात्रियों से पूर्व निर्धारित किराया ही लिया जाएगा तथा प्रतिदिन आवागमन करने वाले छात्र-छात्राओं को पहले की तरह किराए में छूट मिलती रहेगी। इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त कर मार्ग खोल दिया प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन एवं परिवहन विभाग से सभी यात्री वाहनों की फिटनेस, बीमा, परमिट तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की सघन जांच कराने की मांग की।

लावारिस मिली मासूम की मदद को आगे आया सहस्त्रबाहु आजीविका महिला स्वसहायता समूह

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर बस स्टैंड पर लगभग चार वर्षीय एक मासूम बच्ची लावारिस अवस्था में मिली, जिससे क्षेत्र में संवेदनशीलता का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेते हुए सिविल अस्पताल नैनपुर स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराया गया, जहां उसकी समुचित देखभाल की जा रही है।

इस मानवीय पहल के तहत सहस्त्रबाहु आजीविका महिला स्वसहायता समूह, नैनपुर भी आगे आया। समूह द्वारा बच्ची को नए कपड़े एवं खिलौने भेंट किए गए, जिससे उसके चेहरे पर मासूम मुस्कान लौट आई और उसे अपनापन का एहसास हुआ।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती रमा जायसवाल ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह नैतिक दायित्व है कि वह संकट की घड़ी में जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आए। उन्होंने बताया कि छोटे-से प्रयास से भी किसी बच्चे को सुरक्षा और स्नेह का एहसास कराया जा सकता है। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि बच्ची जल्द ही अपने परिजनों से मिल सकेगी या उसे नियमानुसार सुरक्षित संरक्षण प्राप्त होगा।

यह घटना समाज में संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश देती है, जहां एकजुट होकर किए गए छोटे प्रयास भी किसी के जीवन में बड़ी खुशी ला सकते हैं।

नैनपुर में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। मानसून के दौरान संभावित दुर्घटनाओं और जनहानि को रोकने के उद्देश्य से अनुविभागीय दंडाधिकारी आशुतोष सिंह ठाकुर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

बारिश के चलते नदियों, नालों, झरनों और जलप्रपातों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे हादसों की आशंका बनी हुई है। इसे देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन यह कदम उठाया है।

जारी आदेश के अनुसार नदियों, झरनों, वाटरफॉल तथा अन्य दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के 50 मीटर के दायरे में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस क्षेत्र में पिकनिक मनाना, रील बनाना, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करना, जलक्रीड़ा या किसी भी प्रकार की मनोरंजक गतिविधियां करना वर्जित रहेगा।

इसके अलावा जलमग्न पुल-पुलियों को पार करना, जलभराव वाले मार्गों में वाहन ले जाना तथा बिना प्रशासनिक अनुमति के नाव संचालन करना भी प्रतिबंधित किया गया है। विशेष रूप से ऐसे स्थानों पर जहां पानी का बहाव तेज है, वहां जाने से पूरी तरह परहेज करने की हिदायत दी गई है।

प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में बैरिकेडिंग की जा रही है और चेतावनी संकेत भी लगाए जा रहे हैं। आमजन से अपील की गई है कि वे इन निर्देशों का पालन करें और अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है।

एसडीएम ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस एवं राजस्व अमला लगातार निगरानी रखेगा, ताकि किसी भी स्थिति में नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

नैनपुर में सीसीटीवी अभियान को मिला जनसमर्थन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एसडीएम कार्यालय नैनपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर के प्रवेश द्वार, प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, उनके संचालन एवं रखरखाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आशुतोष महादेव ठाकुर ने की। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज, तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित भाजपा एवं कांग्रेस के प्रतिनिधि, सर्राफा संघ, पत्रकार गण, व्यापारी संघ, समाजसेवी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी सहित पार्षद गण उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत

बैठक में नगर की सुरक्षा को जनसहयोग से और अधिक मजबूत बनाने पर सभी ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर एसडीओपी, थाना प्रभारी, सर्राफा संघ, भाजपा नैनपुर सहित विभिन्न समाजसेवियों एवं नागरिकों ने सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु सहयोग राशि देने की घोषणा की, जिसका सभी ने स्वागत किया।

साथ ही यह निर्णय लिया गया कि सीसीटीवी कैमरों के सुचारु संचालन एवं नियमित रखरखाव के लिए एक निगरानी समिति का गठन किया जाएगा, जो पूरी व्यवस्था पर सतत नजर रखेगी।

अधिकारियों ने बैठक में कहा कि नगर की सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं मीडिया से इस अभियान में निरंतर सहयोग देने की अपील की। जनसहयोग से शुरू हुई यह पहल नैनपुर को एक सुरक्षित एवं आधुनिक निगरानी व्यवस्था से सुसज्जित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

बैटरी चोरी का खुलासा,अपचारी बालक सहित एक युवक गिरफ्तार,चोरी की 2 बैटरियां बरामद

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगरीय क्षेत्र सहित ग्रामीण अंचलों में लगातार बैटरी और डीजल चोरी की शिकायत थाना क्षेत्र नैनपुर को मिल रही थी। एक दिन पूर्व ही डीजल चोरों पर नैनपुर पुलिस ने शिकंजा कसा था और 2 आरोपियों को न्यायालय कर सुपुर्द किया है । इसके साथ ही नैनपुर पुलिस को कड़ी मेहनत के बाद एक और सफलता मिली । जिसमें बैटरी चोर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने बताया कि इन आरोपियों से नगर एवं आस पास क्षेत्रो में हुई अन्य चोरी की वारदात का खुलासा होने की आशंका है।

पुलिस कप्तान मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी मनीष राज और थाना प्रभारी मंशाराम वगेन के नेतृत्व में नैनपुर पुलिस ने बैटरी चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक अपचारी बालक सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 15 हजार रुपये मूल्य की चोरी की गई दो बैटरियां बरामद की हैं।। आवेदक गौरव जायसवाल पिता प्रमोद जायसवाल वार्ड क्रमांक-9 ठेकेदारी मोहल्ला, नैनपुर निवासी ने थाना नैनपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि 7, 8 एवं 9 जुलाई की रात अज्ञात चोरों द्वारा उनकी बैटरियां चोरी कर ली गई थीं। शिकायत पर थाना नैनपुर में प्रकरण दर्ज कर विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने एक अपचारी बालक तथा प्रिंस मसूरकर पिता यशवंत मसूरकर, उम्र 21 वर्ष, निवासी बरघाट, जिला सिवनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बैटरी चोरी की वारदात स्वीकार कर ली।।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई दो बैटरियां,जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 15 हजार रुपये और चोरी में प्रयुक्त एक आर्टिका कार कीमत करीब 7 लाख 15 हजार रुपए है, बरामद कर लिया है।। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) एवं 305( ) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है।

वही अपचारी बालक के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की गई है। नैनपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से बैटरी चोरी के मामले का सफल खुलासा हुआ है तथा चोरी गया माल भी बरामद कर लिया गया है। इस कार्यवाही में उप निरीक्षक दीपक बघेल,आरक्षक नवीन एवं आरक्षक प्रशांत की सराहनीय भूमिका रही।

बरसात में होने वाली बीमारी से बचें

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जन समुदाय को एडवाजरी जारी की है कि बरसात के समय में जल जनित बीमारी होने की संभावना हो सकती है। संक्रामक बीमारी से बचने के लिए ताजा भोजन का सेवन करें, शुद्ध पानी पियें उबला पानी, आरो का पानी, फिल्टर, हैण्डपम्प का पानी पियें एवं छान कर कुएं, नदी, नाला, पोखर, झील का पानी न पियें, पानी क्लोरीनेशन कर के पानी पियें। सड़ी गली सब्जी, फल, बासा खाना न खायें, मांस का उपयोग बरसात के दिनों में सेवन न कर, व्यक्तिगत स्वच्छता अपनायें, खाद्य पदार्थ को छूने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोयें, संक्रमित चीजों के छूने के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोयें, भोजन खाने के पहले या शौच के बाद हाथों को अच्छी तरह धोयें और स्वच्छ शौचालय का उपयोग करें।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मण्डला जिला मण्डला

ULB Code - 802373

क्र./स्व.भा.मि./2026/1677 | दिनांक: 16/07/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितो को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 अधिसूचित किए गए हैं जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं और निकाय सीमाक्षेत्र अंतर्गत नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं। उक्त नियम के नियम क्र.3(झ/i),6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक **(Bulk Waste Generator (BWG)** की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार है:-

भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो इकाईयां जो निम्नलिखत मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते हो:-

(i) 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल **(Floor Area)**वाले भवन या

(ii)प्रतिदिन 40,000लीटर पानी की खपत या

(iii) प्रतिदिन 100 किलो ग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है

उक्तानुसार निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल/रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला, छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जावेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पाद को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश-

1. सभी थोक कचरा उत्पादको को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीकृत पोर्टल **(Centarlised Portal)** पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना।
3. एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना।
4. पिट कम्पोस्टिंग, बायोगैस या ओ.डब्यू.सी. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5. प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयरटेकर को नियुक्त करना।
6. निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना।
7. संस्थान से निकलने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना।
8. प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना।
9. यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित थोक अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र **(Extended Bulk Waste Generator Responsibility (EBWGR)Certificate)** प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें।
10. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क्रं. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

:- उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरूद्ध अर्थ दण्डात्मककार्यवाही की जावेगी एवं प्रतिदिन के मान से अर्थ दण्ड आरोपित किया जाएगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मण्डला

संपादकीय

सभ्यता को मिटाता युद्ध

यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोर्चाबंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे। बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय मारा गया है। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है। एकदम जहाज के इंजन रूम पर मिसाइलें दागने का समुद्री आवागमन की कोई भी वैश्विक रणनीति नहीं है। इस युद्ध में सब कुछ अंधाधुंध चल रहा है। कोई नैतिकता नहीं, कोई युद्ध नीति और आचार संहिता नहीं। अंतरराष्ट्रीय संगठन और संस्थाएं तो मृतप्राय: हैं। बहरहाल खाड़ी देशों में ही 18,000 से अधिक भारतीय विभिन्न जहाजों पर नाविक का दायित्व निभा रहे हैं। विश्व भर के समंदर पर 3 लाख से अधिक भारतीय नाविक जहाजों का संचालन कर रहे हैं। क्या वे सभी मरने के लिए जहाजों पर नौकरी कर रहे हैं? यदि आंख मूंद कर मिसाइल-ड्रोन दागे जाएंगे, तो समुद्री मार्ग ही 'जहाजविहीन' होने लगेगा। वैश्विक व्यापार और सप्लाई चेन का क्या होगा? देश भूखों मरने लगेंगे, बीमारी की स्थिति में दवाइयां नसीब नहीं होंगी, रक्षा उत्पाद, कृषि के अन्न, मशीनरी, दुर्लभ खनिज कैसे आ-जा सकेंगे? भारत का करीब 95 फीसदी व्यापार मात्रा में और 70 फीसदी मूल्य के हिसाब से समुद्री मार्गों से ही संचालित होता है। क्या अमरीका और ईरान ऐसे व्यापक व्यापार को ठप कर देने पर आमादा हैं? हमारे विदेश मंत्रालय ने रस्मी बयान देकर जहाज पर हमले की निंदा तो की है, लेकिन हम अमरीका और ईरान को चेतावनी देने की स्थिति में नहीं है। यदि ये नाविक चीन के होते, तो अभी तक गदर तेज हो गया होता।

परेशान करती सरकार व समाज की चुप्पी

विश्वनाथ सचदेव
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश की राजधानी दिल्ली में 'कॉकरोच पार्टी' का आंदोलन जारी है। लगभग एक महीना होने को आया देश के युवाओं की टोलियों को देश के शिक्षामंत्री का इस्तीफा मांगते हुए। उनका कहना है 'नीट' की परीक्षा में होने वाली धांधली और अनेक युवाओं द्वारा की गई आत्महत्याओं की जिम्मेदारी किसी को तो लेनी होगी। सवाल शिक्षामंत्री के इस्तीफे मात्र का नहीं है, सवाल जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की आपराधिक अनदेखी करने का भी है। इस बीच लद्दाख के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक को भी जंतर-मंतर पर आमरण अनशन करते हुए सोलह दिन से अधिक हो गये हैं। और जब मैं यह शब्द लिख रहा हूं, सोशल मीडिया पर यह समाचार वायरल हो रहा है कि वांगचुक की स्थिति ठीक नहीं है। हैरानी की बात तो यह है कि युवाओं के आंदोलन के इतने दिन बीत गये, वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है, और सरकार के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही!

क्या यह सही नहीं है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली के चलते पंद्रह से अधिक युवाओं ने आत्महत्या कर ली? इस धांधली और युवाओं की मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है, इसका कोई समुचित जवाब सरकार ने अब तक नहीं दिया है। यह सही है कि इस बीच 'नीट' की परीक्षा फिर से करवा ली गयी है, पर क्या यह सही नहीं है कि लाखों विद्यार्थियों ने भयंकर मानसिक दबाव में यह परीक्षा फिर से दी है? कोई तो उत्तरदायी होगा इस सारी स्थिति के लिए। मामला शिक्षा में धांधली का है, तो क्यों न शिक्षामंत्री को इसके लिए उत्तरदायी माना जाये? होना तो यह चाहिए था कि देश के शिक्षामंत्री स्वयं आगे बढ़कर नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देकर एक उदाहरण प्रस्तुत करते। पर उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। उलटे भाजपा वाले बड़े गर्व से यह कहते नहीं थक रहे कि उनकी सरकार में पद से इस्तीफा देने की परम्परा नहीं है।

सवाल पूछा जाना चाहिए कि संबंधित मंत्री जवाबदेही क्यों न स्वीकारें। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने वाले प्रधानमंत्री कार्यालय से भी इस महत्वपूर्ण प्रकरण के बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है। 'नीट' के लगभग बीस उम्मीदवारों की आत्महत्या क्या कोई इतना छोटा मामला है कि देश के प्रधानमंत्री को इस बारे में कुछ कहने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई? यहां यह कहना असंगत नहीं होगा कि 2021 से लेकर 2026 तक 'नीट' से जुड़े ऐसे नब्बे से अधिक मामले सामने आये हैं। इस बार लगभग 23 लाख छात्रों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा दी थी। सब जानते हैं कि इस परीक्षा की तैयारी कोई खेल नहीं होती। भयंकर दबाव में रहते हैं प्रतीक्षार्थी। आत्महत्या करने वाले अभागे छात्र इस दबाव को झेल नहीं पाये। कल्पना की जा सकती है कि इनके अभिभावकों पर क्या गुजर रही होगी। क्या उनकी पीड़ा सरकार के वरिष्ठ नेताओं से सांत्वना के दो शब्द पाने लायक भी नहीं थी? तो फिर यह चुप्पी क्यों?

इस चुप्पी को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह सही है कि देश के मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं की तुलना कॉकरोच से किये जाने के बाद कॉकरोच पार्टी के गठन को पहले हल्के में ही लिया गया था। बोस्टन में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके ने शायद मजाक में ही मुख्य न्यायाधीश की बात पर सोशल मीडिया से यह सवाल उछाला था कि 'यदि सारे कॉकरोच इकट्ठे हो गये तो?' इस 'तो' के उत्तर में जब हज़ारों की संख्या में युवा समर्थकों ने मुख्य न्यायाधीश के कथन की आलोचना करते हुए विरोध की आवाज़ उठायी तो बात गंभीर होती गयी। यह सही है कि आज भी संस्था की दृष्टि से इस आंदोलन को उतनी सफलता नहीं मिल पायी, जितनी मिल जानी चाहिए थी, पर जो समर्थन इसे देश में मिल रहा है, वह कम भी नहीं है। कम से कम इतना कम तो नहीं कि इसकी उपेक्षा की जाये।

आखिर युवा यही तो पूछ रहे हैं कि परीक्षा में धांधली का जिम्मेदार कौन है? छात्रों की आत्महत्या करने के लिए बाध्य करने के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है? वांगचुंक और उनके साथ कई छात्रों को अनशन पर क्यों बैठना पड़ा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारी समूची व्यवस्था इतनी असंवेदनशील और अनुत्तरदायी कैसे हो गयी है?

एक और सवाल जो हमारी चिंता का विषय बनना चाहिए वह हमारे मीडिया की असंवेदनशीलता का है। जंतर-मंतर पर हजारों युवा देश के शिक्षामंत्री के खिलाफ लगभग एक माह से प्रदर्शन कर रहे हैं। खुले मैदान में ये छात्र गर्मी और बरसात झेल रहे हैं। भूख हड़ताल पर बैठे युवाओं में से कइयों को बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण अस्पतालों में भर्ती किया गया है। मुद्दा देश के युवाओं के भविष्य का है। लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। पर इस सबको लेकर देश की मुख्यधारा का मीडिया ज़रा भी चिंतित नहीं दिखाई दे रहा। आपराधिक चुप्पी सरकार ही नहीं बरत रही, हमारे मीडिया ने भी वैसी ही चुप्पी साध रखी है। आखिर क्यों? यह एक शर्मनाक हकीकत ही है कि यदि हमारा सोशल मीडिया सक्रिय न होता तो जंतर-मंतर के इस प्रदर्शन की जानकारी भी देश को न हो पाती।

आंदोलन कैसे चल रहा है, आंदोलन के प्रति समाज का रवैया कैसा है, सरकार की चुप्पी का रहस्य क्या है, जैसे सारे सवाल अनुत्तरित ही रह जाते यदि सोशल मीडिया इस संदर्भ में सक्रिय न होता। महीने भर से देश का युवा उद्वेलित है, राजधानी दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य शहरों में भी युवा-शक्ति सड़कों पर है, पर अखबारों में इसकी कोई जानकारी नहीं दिखती। हमारे प्रधानमंत्री की विदेश-यात्राओं में भारतीय मूल के लोगों की 'भीड़' को दिखाने की तत्परता तो हमारे मीडिया में खूब दिख रही है, पर देश की राजधानी दिल्ली में लगातार जुट रहे युवा जैसे मीडिया को दिखाई ही नहीं दे रहे! जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की दुहाई देने वाले विश्व के सबसे बड़े जनतांत्रिक देश में मीडिया का यह रुख हैरानी ही नहीं, शर्म और चिंता की बात भी है।

मीडिया का दायित्व है कि वह समाज को स्थिति की गंभीरता और भयावहता से परिचित कराये। सरकार से सवाल पूछे कि वह इस गंभीर विषय पर कुछ कहने-करने से क्यों कतरा रही है? सवाल सिर्फ शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं है, उस सारी स्थिति के आकलन का है जिसके चलते छात्रों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा है। सवाल हमारी शिक्षा नीति के औचित्य को लेकर भी उठ रहे हैं। मेडिकल या इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाएं भी सवालों के घेरे में हैं। शिक्षामंत्री कह रहे हैं 2027 तक ये सारी परीक्षाएं कम्प्यूटर-आधारित कर दी जायेंगी। कोई उनसे यह क्यों नहीं पूछ रहा कि क्या तबतक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों तक कम्प्यूटर की सुविधा पहुंच जायेगी? आज स्थिति यह है कि देश के साठ प्रतिशत सरकारी स्कूलों में ही कम्प्यूटर उपलब्ध है। शेष चालीस प्रतिशत स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र क्या घाटे में नहीं रहेंगे?

बहरहाल, आज जंतर-मंतर पर जो कुछ हो रहा है, और उसे लेकर समाज में जो कुछ नहीं हो रहा है, वह कुल मिलाकर राष्ट्रीय चिंता का विषय होना चाहिए। होना तो यह चाहिए था कि हमारी सरकार युवा-शक्ति की परेशानी को समझने की कोशिश करती, पर उसने चुप्पी साध रखी है। होना तो चाहिए था कि हमारा मीडिया इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुखर होता, पर उसने भी रहस्यमय चुप्पी साधने का रास्ता अपनाया है। आखिर क्यों? इस 'क्यों' का उत्तर मिलना ही चाहिए। देश की युवा-शक्ति को कॉकरोच कहे जाने पर यदि युवाओं को आपत्ति है तो इस आपत्ति की तह तक जाना भी सरकार का दायित्व बनता है। युवाओं का यह मुद्दा सीधा देश की बेरोजगारी से जुड़ता है। आज युवा वर्तमान से ही परेशान नहीं है, उसे अपने भविष्य की भी चिंता है। सवाल एक शिक्षामंत्री के इस्तीफे का नहीं, युवा-शक्ति के समूचे भविष्य का है। हमारी सरकार को, और हमारे मीडिया को, इसकी चिंता कब होगी?

आंतरिक संरचना की मजबूती से सुधरेगी आर्थिकी

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अमेरिका से सैन्य टकराव के बाद ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट के बंद किए जाने से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं और बाजार जोखिमें भी बढ़ गई हैं। इससे एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व निर्धारित 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। निसंदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा।

वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा

परियोजनाओं-जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों को भी ढाल बनाना होगा।

अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो सकते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत आगामी 10 महीनों में 9 नए व्यापार समझौतों को धरातल पर उतारने की तैयारी में है। 1 जून, 2026 से भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता पूरी तरह लागू हो चुका है। इससे ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल रहा है।

ब्रिटेन के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते का क्रियान्वयन इसी माह से शुरू हो गया है। यह भारतीय कपड़ा, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए बड़ा संवर्धक साबित होगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए शीघ्र कार्यान्वित होगा। अमेरिका के साथ भी वार्ता अंतिम दौर में है। मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ समझौतों के लाभ जमीन पर दिखने लगे हैं। इसके अलावा कनाडा, इस्राइल, रूस और पेरू जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ भी व्यापार वार्ताओं में तेजी लाई गई है। निश्चित रूप से बाहरी झटकों से निपटने के लिए भारत ने अपनी आंतरिक संरचना को पहले से मजबूत किया है। जमीनी स्तर पर चार नई श्रम संहिताओं के तहत लागू हुए नए सरल श्रम कानून विनिर्माण क्षेत्र में 'व्यापार सुगमता' को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इनसे विदेशी निवेश आकर्षित हो रहा है व वैश्विक कंपनियों के लिए भारत में काम करना आसान हुआ है। यदि सरकार इस वर्ष के बजट में विनिवेश के लिए निर्धारित 80 हजार करोड़ रुपये के लक्ष्य को समय पर प्राप्त कर लेती है, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों को और अधिक उदार बनाती है तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाती है, तो भारत की आर्थिक गतिशीलता को बचाया जा सकेगा।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं)

अफवाहों के दौर में बंद होने का राज

पिछले दिनों सोशल मीडिया पर यह हंगामा बरपा रहा जी कि टिर्रियां बंद हो रही हैं। टिर्री यानी बैटरी रिक्शा। लेकिन टिर्रियां ऐसे बंद नहीं हो रही थी, जैसे अचानक कुछ बुजुर्गों की पेंशन बंद हो जाती है कि फर्जी है, जैसे अचानक कुछ गरीबों का राशन बंद हो जाता है कि राशनकार्ड फर्जी है, जैसे अचानक महिला सम्मान निधि बंद हो जाती है कि सरकार पहले समीक्षा करेगी। टिर्रियां ऐसे भी बंद नहीं हुई थीं कि जैसे इधर अचानक गांव का कोई सरकारी स्कूल बंद हो जाता है कि समुचित संख्या में विद्यार्थी ही पढ़ने नहीं आ रहे और फिर जो पढ़ने जा रहे थे, वे भी पढ़ाई छोड़कर घर बैठ जाते हैं, जैसे अचानक कोई फैक्टरी बंद हो जाती है और मजदूर बेरोजगार हो जाते हैं। सचमुच टिर्रियां ऐसे बंद नहीं हो रही थीं। वे क्यों बंद हुई थीं, कोई नहीं जानता। शायद अफवाहों के चलते। किसी अफवाह के साथ खौफ मिल जाए तो पूरे के पूरे शहर बंद हो जाते हैं, फिर टिर्री क्या है जनाब! तो अचानक यह अफवाह खौफ की तरह घूमने लगी कि कोई मोबाइल फोन से टिर्रियों को बंद कर रहा है। किसी ने कहा कि कोई चाइनीज एप है, जिससे टिर्रियों को बंद किया जा रहा है। वैसे भी यह खौफ के दिन हैं। मंदिरों के चढ़ावे तक पर डाके पड़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी चीनी एप की अफवाह इस तरह फैल जाए तो खौफ कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे लगने लगता है जैसे गलवान घाटी में चीनी सैनिक घुस आए हों। तो जी टिर्रियों के बंद होने का हंगामा ऐसा था कि धड़ाधड़ मीम बनने लगे। रीलें बनने लगीं। आखिरकार सरकार को कुछ चीनी एप बंद करने पड़े। लेकिन जनाब इतना हंगामा तो इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियों के बंद होने पर भी नहीं हुआ, जितना टिर्रियों के बंद होने पर हुआ। इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियां तो टिर्रियों के बंद होने से पहले से ही बंद हो रही बताते हैं। कोई कहता है कि गाड़ियां माइलेज कम देने लगी हैं, कोई कहता है गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं। जैसे टिर्रियों के बंद होने का आरोप चीन पर जा लगा, वैसे ही पेट्रोल की गाड़ियों के खराब होने का आरोप इथेनॉल से शुरू होकर सरकार तक जा पहुंचा। सरकार चीनी एप तो बंद कर सकती है, पर इथेनॉल कैसे बंद करे। अरे नहीं, गडकरीजी का क्या दोष! खैर जी, टिर्रियों के बंद होने पर हंगामा हुआ, गाड़ियों के खराब होने पर भी हंगामा हुआ। टिर्रियोंवाला हंगामा अल्पजीवी साबित हुआ, लेकिन ऐसा लगता है कि इथेनॉल से गाड़ियों के खराब होने वाला हंगामा काफी दीर्घजीवी होने जा रहा है।

- सहीराम

बदलाव के दौर में नई शुरुआत की जरूरत

गुरबचन जगत

हर सुबह मैं हमारे राष्ट्रीय अख़बारों की मुख्य खबरों के शीर्षक पंक्तियां देखता, मोबाइल फ़ोन पर खबरें स्क्रॉल करता हूं, यहां तक कि टीवी पर भी नज़र डालता हूं... यह सब किसी अच्छी ख़बर की तलाश में, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं होता। एआई के दौर की शुरुआत के साथ दुनिया तेज़ी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका, चीन, ताइवान, कोरिया इत्यादि देशों की कंपनियां, संस्थान और लोग नई और रोमांचक तकनीकें, जैसे कि क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, क्लीन एनर्जी और एआई की सोचने-समझने और चेतना विकसित करने की क्षमता करने के बारे में बात कर रहे हैं। मस्क और उनकी कंपनी मंगल ग्रह तक पहुंचने, अंतरिक्ष यात्रा और अंतरिक्ष कक्षा में डेटा सेंटर स्थापित करने की बात कर रहे हैं...

जब मैं यह लेख लिख रहा हूं, तब भी इंसानी क्षमता और कल्पना को नई उड़ान मिल रही है। लेकिन, यहां अपने देश में हम क्या देखते हैं, राष्ट्रीय विचार किस बारे में हैं? राजनीतिक और धार्मिक झगड़ों की खबरें, राजनीति में दखलअंदाजी करते विभिन्न धार्मिक संस्थाओं द्वारा जारी फतवों की खबरें। अनेक धार्मिक स्थलों पर हुई चंदा या चढ़ावे की चोरी की जांच की खबरें। यह महत्वपूर्ण पूजा-स्थलों को लेकर हैं। फिर स्थानीय धर्मगुरुओं द्वारा चलाए जा रहे हज़ारों 'डेरे' हैं, और यहां भी मामला भारी-भरकम दान-चढ़ावे का है। धीरे-धीरे राजनीति और धर्म के बीच की रेखा मिटती गई और आज वे गलबहियां डाले चल रहे हैं। इस अफरातफरी में अगर कोई बंदा तर्क, कोई तथ्य, कोई दिशा तलाशना चाहे... कुछ ऐसा जो राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाला हो। कोई स्पष्ट राजनीतिक या आर्थिक विचारों को ढूंढ़ता है- चाहे वे दक्षिणपंथी हो, मध्यमार्गी हो, वामपंथी, समाजवादी या कम्युनिस्ट हो; लेकिन सब बेकार, हर चीज़ पर बस धर्म के अलग-अलग रंग छाए हुए हैं। अख़बार पढ़ने की सुबह की दिनचर्या के वक्त टी.एस. एलियट की मशहूर कविता 'वेस्टलैंड' की यह पंक्तियां बेसाख्ता याद आ जाती हैं-'यहां पानी नहीं, बस चट्टान है; चट्टान है, पानी नदारद और रेतीली सड़क...।' आम आदमी कहां है, जिसके नाम पर यह सब किया जाता है? वह तो 'बलि का बकरा' है, लेकिन 'बलि का बकरा' असल में क्या चाहता है? क्या वह इन अंधेरी गलियों में चलना ही चाहता है- नहीं, उसे रोज़गार चाहिए, उसे अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी चाहिए, उसे मौसम की मार से बचने के लिए सिर पर छत चाहिए, उसे अपने बच्चों के लिए शिक्षा स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिए, वह चाहता है कि जान-माल की सुरक्षा की गारंटी। नब्बे के दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने पर छिपी हुई क्षमताओं को बाहर आने में मदद मिली और हमने इसे अपने आईटी सेक्टर के विकास में देखा। उस समय आईआईटी, आईआईएम और क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेजों ने शिक्षा का जो स्तर तैयार किया, उसी से यह विकास संभव हो पाया। सरकारी प्रोत्साहन के साथ व्यक्तिगत प्रयासों ने इसे आसान बनाया और समय के साथ भारत आईटी सेवा प्रदाता क्षेत्र में एक शक्तिपुंज बन गया। इस पारिस्थितिकी ने बड़ी संख्या में हुनर तैयार किया, जिससे न केवल टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल जैसी कई आईटी कंपनियां विकसित हुईं, बल्कि

भारत ने अपने हुनर को दुनियाभर में निर्यात भी किया। आज भी तकनीक की दुनिया में कई बड़े नाम भारतीय मूल के लोगों के हैं, जिन्होंने अपने व्यावयासिक जीवन की शुरुआत हमारे आईआईटी और क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेजों से की थी। सत्य नडेला, सुंदर पिचाई, शांतनु नारायण आदि इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। आज जब इस क्षेत्र पर खतरा मंडरा रहा है, तो इसकी जगह कौन लेगा? एआई के कारण हो रहे बदलावों से हजारों नौकरियां जा रही हैं या उन पर खतरा मंडरा रहा है। 90 के दशक में हम मुश्किल हालात से उबरकर आगे बढ़े थे, लेकिन क्या खुद को फिर से खोजने के लिए हमें दोबारा उसी मुश्किल दौर में पहुंचना होगा...? हमारे पास कोई ऐसा तरीका या 'संहिता' है जिसे हम बांच सकें, वह जिसने पिछली बार सफलता दिलाई थी। इसमें नैसकॉम, एसटीपीआई, एसईज़ेड जैसी संस्थाओं का गठन और उनसे जुड़ी टैक्स छूट और बुनियादी ढांचा, और निश्चित रूप से उस दौर के सभी उदारीकरण सुधार शामिल हैं। आईटी उद्योग को बढ़ावा दिया गया; इसे कई तरह की छूटें दी गईं और सरकार ने ज़्यादातर मामलों में मददगार की भूमिका निभाई और जटिल 'लाल फीताशाही' को राह से दूर रखा। आईटी ने देश के लोगों का ध्यान खींचा और आम नागरिक ने इसे गरीबी और कम आय वाले दायरे से बाहर निकलने का एक ज़रिया माना। संक्षेप में कहें तो, इसने हमारे पढ़े-लिखे और कानून का पालन करने वाले नागरिकों को अवसर और सम्मान दिया, और देश को एक बड़े वैश्विक सेवा प्रदाता के रूप में आगे बढ़ाया। आज हमारी अर्थव्यवस्था 90 के दशक की तुलना में कई गुणा बड़ी है, लेकिन इस बड़े पैमाने और उन्नति के साथ एक उलटी स्थिति भी जुड़ी है- मंदी कहीं ज़्यादा नुकसानदेह हो सकती है। जिन लोगों ने जीवनस्तर का एक खास पायदान हासिल कर लिया है और जिन्होंने आईटी के सपने में निवेश किया है, आज उनके पास खोने के लिए बहुत कुछ है। न केवल सीधे तौर पर नौकरी करने वाले लोग, बल्कि देश में आईटी हब के इर्द-गिर्द बनी संपूर्ण अर्थव्यवस्थाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। तो, इसका विकल्प क्या है? हमें फिर से अपनी एक खासियत ढूंढ़नी होगी और सरकार को एक बार फिर नियामक के बजाय मददगार की भूमिका निभानी होगी। हो सकता है कि यह खास जगह एआई-सहायक सेवाएं और डेटा सेंटर के रूप में हो, या फिर ईवी और स्वच्छ ऊर्जा की तरफ़ हो रहे बड़े बदलाव में हो। जैसे-जैसे हमारी ऊर्जा की ज़रूरतें बढ़ रही हैं और मौसम में बदलाव की सच्चाई स्पष्ट होती जा रही है, जीवाश्म ईंधन से दूर हटने का चलन जारी रहेगा। कहा जाता है कि भारतीय कॉर्पोरेट जगत के पास 200 बिलियन डॉलर से ज़्यादा का रिकॉर्ड नकद भंडार है और इसमें से ज़्यादातर पिछले चार सालों में जमा हुआ है... जब बहुत कुछ किए जाने की गुंजाइश है, तब वे भारत में निवेश क्यों नहीं कर रहे हैं? निश्चित रूप से फार्मा जैसे सेक्टर, जिसमें हमारा अधिकांश एपीआई (दवा बनाने का मूल घटक) अभी भी चीन से आयात किया जाता है, न केवल किसी दूसरे देश की मर्ज़ी पर निर्भर हैं, बल्कि उन्हें बड़े निवेश के ज़रिए इस बुनियादी खामी को दूर करने की ज़रूरत है। निश्चित रूप से, ऊर्जा के सभी प्रारूपों के मामले में अभी भी एक बहुत बड़ा लक्ष्य हासिल करना बाकी है। शिक्षा के मामले में, माता-पिता विदेश में शिक्षा दिलवाने पर बहुत पैसा खर्च करते हैं, हम यहां अच्छे विकल्प क्यों नहीं दे सकते? स्वास्थ्य के मामले में, हमारी करोड़ों की आबादी को कहीं ज़्यादा बड़े आधारभूत ढांचे की ज़रूरत है। मैंने अभी कुछ प्रमुख क्षेत्रों का ज़िक्र किया है जो मेरे दिमाग में आए, मुझे यकीन है कि विशेषज्ञ इस बारे में और भी बहुत कुछ बता सकते हैं। अगर हमारे निजी क्षेत्र को सही माहौल मिले, तो वह वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने और दुनिया का अग्रणी बनने में पूरी तरह काबिल है; हमें बस उन्हें सक्षम बनाने और सहायता करने की ज़रूरत है। हमें 'मैनहट्टन प्रोजेक्ट' जैसा एक प्रोजेक्ट शुरू करने की ज़रूरत है, जिसमें हम विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान, वित्तीय मदद और प्रशासनिक क्षेत्रों के अपने सबसे बेहतरीन लोगों को एक साथ एक ही जगह पर ला सकें। इसके नतीजे तेज़ी से मिलेंगे और यह एक खेल बदलने वाला साबित होगा।

(लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं)

होर्मुज से लाल सागर तक खलबली

अमेरिका की नई स्ट्राइक से दहला ईरान, जॉर्डन बॉर्डर पर हाई अलर्ट

वाशिंगटन

अमेरिका ने ईरान के तटीय रक्षा ठिकानों और मिसाइल भंडारण स्थलों पर दो बार हमला किया, जिसके बाद ईरान ने इसे अमेरिका के साथ अस्तित्व की लड़ाई बताया। होर्मुज बंद होने से तेल की कीमतें एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। अमेरिका ने एक तेल टैंकर को भी निष्क्रिय किया। ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमले का दावा किया, जबकि कुवैत ने ईरानी मिसाइलें और ड्रोन रोकने की बात कही। ट्रंप ने कहा ईरान समझौता करना चाहता है। इस बीच ईरान ने हिरासत में रखी गई एक अमेरिकी नागरिक को रिहा कर दिया। अमेरिका ने ईरान की तटीय रक्षा प्रणाली और मिसाइल ठिकानों पर हमला किया। यह हमला ईरान के बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी दोबारा लगाने के बाद हुआ। ईरान ने इसके जवाब में और ज्यादा क्षेत्रीय ऊर्जा निर्यात बंद करने की धमकी दी और कहा कि वह अमेरिका के साथ अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। यह तनाव उस समय बढ़ा जब कुछ दिन पहले एक कमजोर संघर्ष विराम टूट गया था। पिछले शनिवार रात ईरान ने होर्मुज को बंद करने का ऐलान किया था। यह वही

रास्ता है जिससे युद्ध से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े तीन बजे भारतीय समय पर ईरान के ग्रेटर टुंब द्वीप पर तटीय रक्षा प्रणाली और क्रूज मिसाइल भंडारण ठिकानों पर हमला किया गया। यह हमला करीब 90 मिनट में पूरा हो गया। इसके नौ घंटे बाद दूसरी बार भी हमला किया गया। अमेरिकी सेना ने यह भी बताया कि उसने ईरान के खर्ग द्वीप की तरफ जा रहे एक तेल टैंकर को बार बार चेतावनी देने के बावजूद रोका नहीं जाने पर उसे मिसाइल से निष्क्रिय कर दिया। हमलों के बाद ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने बताया कि अहवाज शहर के चार इलाकों और बंदर अब्बास पर भी हमला हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने दावा किया कि अहवाज के एक अस्पताल के पास हमला हुआ जहां बच्चों के कैंसर का इलाज होता है, जिसके बाद अस्पताल खाली कराना पड़ा। ईरान के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालीबाफ ने कहा कि ईरान की सुरक्षा होर्मुज में उसकी व्यवस्था बनाए रखने पर निर्भर है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया। कुवैत ने कहा कि उसने बुधवार को ईरान से आई चार मिसाइलें और 21 ड्रोन रोक दिए, इसमें नुकसान हुआ पर कोई घायल नहीं हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान जल्द हार मान लेगा और वह समझौता करने के लिए बेताब है।

होर्मुज संकट के बीच ईरान की बड़ी धमकी

तो लाल सागर भी कर देंगे बंद

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिका ने ईरान के कोस्टल डिफेंस सिस्टम और मिसाइल ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। इसके पलटवार में ईरान ने क्षेत्र से होने वाले एनर्जी एक्सपोर्ट को पूरी तरह ठप करने की धमकी दी है। ईरान का साफ कहना है कि वह अमेरिका के खिलाफ अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर उसका कंट्रोल है।

इस बीच, ईरान ने एक और बड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यह जंग अब सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लाल सागर तक फैल सकती है। इसका सीधा मतलब यह है कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहे, तो यमन में ईरान के सहयोगी हूती दुनिया के एक और अहम ग्लोबल शिपिंग रूट को निशाना बना सकते हैं। ईरान की इस नई चेतावनी के बाद डर पैदा हो गया है कि दुनिया के दो सबसे अहम समुद्री चोकपॉइंट स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लाल सागर एक साथ बाधित हो सकते हैं, जिससे ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और व्यापार पर खतरा मंडरा सकता है। बता दें, अमेरिका-ईरान के बीच तनाव तब और अधिक बढ़ गया, जब अमेरिका ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में आवाजाही की आजादी बहाल करने की कोशिश में ईरान के कोस्टल डिफेंस सिस्टम, मिसाइल साइटों और सैन्य बुनियादी ढांचे पर नए हमले किए। वहीं, ईरान ने पड़ोसी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले करके जवाब दिया है और ईरान का कहना है कि जब तक वाशिंगटन तेहरान की शर्तें नहीं मानता, तब तक होर्मुज बंद रहेगा। जानकारों का कहना है कि अगर हूती लाल सागर में जहाजों पर हमले तेज करते हैं, तो ग्लोबल सप्लाई चेन में रुकावट आ सकती है। दोनों समुद्री रूटों पर लंबे समय तक रुकावट आने से ग्लोबल तेल निर्यात, शिपिंग लागत और एनर्जी की कीमतों पर काफी असर पड़ सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद पलानी मंदिर भूमि की जांच सीबी-सीआईडी के हवाले

चेन्नई (वार्ता)। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा पलानी मंदिर की भूमि के पंजीकरण को निरस्त किए जाने के बाद तमिलनाडु सरकार ने मामले की जांच अपराध शाखा-अपराध जांच विभाग को सौंप दी है। उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा मंदिर की भूमि को निजी लोगों को बेचे जाने के विवादित सौदे को अमान्य घोषित किए जाने के कुछ ही घंटों बाद, तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक महेश कुमार अग्रवाल ने जांच सीबी-सीआईडी को सौंपने का आदेश जारी किया। यह मामला डिंडीगुल पलानी मठ की लगभग 1.35 एकड़ और करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि को कथित तौर पर बाजार मूल्य से बेहद कम कीमत पर निजी व्यक्तियों के नाम पंजीकृत किए जाने से जुड़ा है। पलानी स्थित अरुलमिगु धंडापानी स्वामीगल मठ की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सी. वी. कार्तिकेयन और न्यायमूर्ति आर. शक्तिवेल की खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार करते हुए निजी व्यक्तियों के पक्ष में निष्पादित बिक्री विलेख को अवैध घोषित कर दिया। एकल न्यायाधीश ने उपपंजीयक को निर्देश दिया था कि यदि दस्तावेज़ सही हों तो सेल डीड का पंजीकरण कर दिया जाए। ट्रस्ट प्रशासक होने का दावा करने वाले व्यक्तियों- मुरुगादास और तिरुपुगज ने अवैध रूप से दो व्यक्तियों को ज़मीन बेच दी और दस्तावेज़ों का पंजीकरण करा लिया। सरकार ने संपत्ति का पंजीकरण करने वाले उप पंजीयक जस्टिन मणिकंदन और ज़िला रजिस्ट्रार शशिकला को निलंबित कर दिया।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का खुलासा

ईरान से लंबा युद्ध चाहता है इजरायल

वाशिंगटन

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायल सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, वेंस ने कहा है कि इजरायली सिस्टम के कुछ लोग अमेरिकी जनता की राय को बदलने की कोशिश कर रहे हैं ताकि ईरान के साथ जंग लंबे समय तक चलती रहे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग ईरान के साथ हुई शांति वार्ता को बिगाड़ने में लगे हैं। वेंस ने इजरायल की तरफ से अमेरिकी सलाहकार ब्रैड पार्सकेल को हायर किए जाने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। जो रोगन के साथ एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा कि इजरायली सिस्टम के अंदर कुछ

लोग जंग को हमेशा के लिए जारी रखना चाहते हैं और इसके लिए वे अमेरिकी जनता की सोच को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। वेंस ने आरोप लगाया कि एक विदेशी प्रभाव अभियान उनकी मदद से हुई सीजफायर बातचीत को पटरी से उतारने की कोशिश में लगा है। उनका कहना है कि उन्हें ऑनलाइन निशाना बनाने वाले कुछ लोग इसी अभियान से जुड़े हो सकते हैं। वेंस ने उन खबरों का भी जिक्र किया जिनमें कहा गया था कि इजरायल ने राजनीतिक सलाहकार ब्रैड पार्सकेल को 45 मिलियन डॉलर के लॉबिंग कॉन्ट्रैक्ट पर काम पर रखा है। इस पर वेंस ने कड़े शब्दों में जवाब दिया कि वे अमेरिकी लोगों के लिए काम करेंगे और सबसे पहले अमेरिका का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी तरफ ब्रैड पार्सकेल ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि ट्रंप प्रशासन या सीजफायर प्रयासों के खिलाफ काम करने का कोई सबूत नहीं है। वेंस ने इजरायली नेताओं की भी आलोचना की और कहा कि वे ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान को लंबे समय तक जारी रखना चाहते हैं। इन बयानों से साफ पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन और इजरायल सरकार के बीच ईरान संघर्ष को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है।

सिल्क्यारा टनल में रात्रि दो बजे कंक्रीट ब्लॉक टूट कर गिरा, एक श्रमिक की मौत

देहरादून (वार्ता)

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद अंतर्गत स्थित सिल्क्यारा टनल में बुधवार, गुरुवार की रात्रि एक कंक्रीट ब्लॉक टूटने के कारण उसकी चपेट में आये एक श्रमिक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना गुरुवार दिन निकलने पर हुई। उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रबंधन केंद्र प्रभारी शार्दूल गुसांई ने बताया कि आज प्रातः प्राप्त प्रारंभिक सूचना के अनुसार, सिल्क्यारा टनल में रात्रि लगभग 02:00 बजे एक दुर्घटना हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बड़कोट साइड से लगभग 900 मीटर अंदर टनल की कंक्रीट लाइनिंग का एक ब्लॉक टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से झारखंड निवासी 21 वर्षीय एक श्रमिक की मृत्यु हो गई। एनएचआईडीसीएल द्वारा घटना की विस्तृत जांच एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। दुर्घटना के कारणों एवं अन्य तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही की जाएगी।

रात 3 बजे घर में घुसा ट्रक, सो रहे 3 लोगों की मौत

मिर्जापुर

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में तड़के एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। वाराणसी से सोनभद्र जा रहा सीमेंट से लदा ट्रक टायर फटने के बाद बेकाबू हो गया और सड़क किनारे एक घर में घुस गया। हादसे के वक्त परिवार के लोग गहरी नींद में थे। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा अहरौरा थाना क्षेत्र के कुदरन चौराहे पर वाराणसी-सोनभद्र मार्ग पर सुबह करीब 3 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज धमाके के साथ ट्रक मकान में घुसा, जिससे घर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो

गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। इस हादसे में 47 साल के राजाराम, 70 वर्षीय सुखिया और 45 वर्षीय चांदतारा की ट्रक के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 12 साल की सुहानी और 45 साल के सुनील शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। भारी ट्रक मकान के भीतर फंसा हुआ था, जिसे काफी मशक्कत के बाद क्रेन से बाहर निकाला गया।

आधुनिकता की दौड़ में सिमट रही बुंदेलखंड की लोक विरासत: डॉ. पुरवार

जालौन (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार डॉ. हरिमोहन पुरवार ने कहा कि आधुनिकता और बदलती जीवनशैली के प्रभाव से बुंदेलखंड की सदियों पुरानी लोक विरासत तेजी से विलुप्त होती जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि घरों में मौजूद पारंपरिक वस्तुओं को कबाड़ समझकर नष्ट करने के बजाय उन्हें सुरक्षित रखें और घरेलू संग्रहालय की अवधारणा अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक धरोहर संरक्षित करें।

डॉ. पुरवार ने गुरुवार को यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि किसी भी क्षेत्र की लोक संस्कृति उसकी वास्तविक पहचान होती है। घरेलू उपयोग की पुरानी वस्तुएं, आभूषण, कृषि उपकरण, धार्मिक सामग्री और दैनिक जीवन से जुड़ी वस्तुएं केवल सामान नहीं बल्कि इतिहास, परंपरा और सामाजिक जीवन की जीवंत स्मृतियां हैं। बदलते समय में इनका उपयोग कम हो गया है और अधिकांश वस्तुएं या तो घरों के कोनों में उपेक्षित पड़ी हैं अथवा कबाड़ में बेच दी जाती हैं। यदि इन्हें अभी सुरक्षित नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां इनके बारे में केवल पुस्तकों में पढ़ सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार यदि अपने घर में उपलब्ध पुरानी वस्तुओं का छोटा-सा संग्रह तैयार करे तो बच्चों और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से परिचित कराने के साथ-साथ क्षेत्रीय विरासत को भी संरक्षित किया जा सकता है। डॉ. पुरवार ने बताया कि बुंदेलखंड में कभी लोहे से बने पारंपरिक ताले, जिन्हें स्थानीय बोली में तारो या चौखरौ कहा जाता था, घरों की सुरक्षा का प्रमुख साधन थे। मजबूत और टिकाऊ इन तालों का नाम तक आज नई पीढ़ी के लिए अपरिचित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की आभूषण परंपरा भी अत्यंत समृद्ध रही है। महिलाओं के पैरों में पहना जाने वाला चांदी का पेजना बुंदेलखंड की विशेष पहचान माना जाता था, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार गिलट का पेजना पहनते थे। दतिया के ढरिया परिवार इस शिल्प के लिए प्रसिद्ध थे, लेकिन आधुनिक आभूषणों के चलन के कारण यह परंपरा लगभग समाप्त हो चुकी है। चित्रकला से जुड़े कलमदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि लोहे से बने इस उपकरण में चित्रकार अपनी तूलिका रखते थे, जिससे रंग और ब्रश सुरक्षित रहते थे। आधुनिक तकनीक के दौर में यह उपयोगी वस्तु भी लगभग विलुप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि बिजली आने से पहले ग्रामीण जीवन में लालटेन और पीतल के लैम्प का विशेष महत्व था। शाम के समय लालटेन की चिमनी साफ कर उसमें मिट्टी का तेल भरकर रोशनी की जाती थी। गांवों में यह भी प्रतिस्पर्धा रहती थी कि किसके घर की लालटेन अधिक चमकदार है। अनेक लोगों ने इन्हीं लैम्पों की रोशनी में पढ़ाई कर जीवन में सफलता प्राप्त की, लेकिन एलईडी और विद्युत प्रकाश व्यवस्था ने इनकी जगह ले ली है। डॉ. पुरवार ने बताया कि गर्मियों में घरों में बनने वाली पारंपरिक सेवइयों के लिए पेंच नामक लोहे के उपकरण का उपयोग किया जाता था। इसे खटिया या तख्त पर लगाकर हाथ से सेवइयां बनाई जाती थीं और परिवार के सभी सदस्य इस कार्य में सहयोग करते थे। मशीनों से बनने वाली सेवइयों के कारण यह परंपरा भी लगभग समाप्त हो गई है। धार्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि तांबे और पीतल से बनी आचमनी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग रही है। इसका उपयोग आचमन और चरणामृत वितरण में किया जाता था। कई आचमनियों पर भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और भगवान ब्रह्मा की सुंदर आकृतियां उकेरी जाती थीं, जो भारतीय धातु शिल्प की उत्कृष्ट कला का उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड की लोक शिल्प परंपरा में ढिकौली का विशेष स्थान था।

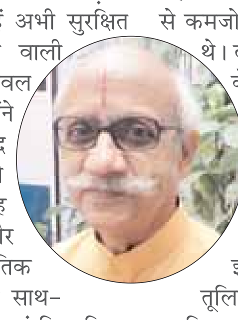

फिल्म/टीवी मनोरंजन

43 वर्ष की हुईं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री कैटरीना कैफ आज 43 वर्ष की हो गईं।16 जुलाई 1983 को हांगकांग में जन्मी कैटरीना कैफ का मूल नाम कैटरीना टॉरकेटी है। उन्होंने 14 वर्ष की उम्र में मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की। मॉडलिंग के उद्देश्य से वह मुंबई आईं, जहां उनकी मुलाकात फिल्म निर्देशक कैजाद गुस्ताद से हुई। उस समय कैजाद गुस्ताद फिल्म बूम बना रहे थे। उन्होंने कैटरीना को फिल्म में काम करने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म बूम आपराधिक पृष्ठभूमि पर आधारित थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन और जैकी श्रॉफ ने भी प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि कमजोर पटकथा के कारण यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी।

वर्ष 2005 में कैटरीना को एक बार फिर अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म सरकार में काम करने का अवसर मिला, लेकिन फिल्म की सफलता के बावजूद उन्हें इसका विशेष लाभ नहीं मिला। वर्ष 2005 में प्रदर्शित फिल्म मैंने प्यार क्यूँ किया कैटरीना कैफ के फिल्मी करियर की पहली बड़ी सुपरहिट साबित हुई। कहा जाता है कि यह फिल्म उन्हें सलमान खान की सिफारिश पर मिली थी। फिल्म की सफलता के बाद कैटरीना को बॉलीवुड में अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने लगे और उन्होंने धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बना ली। कैटरीना कैफ के करियर में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। अक्षय और कैटरीना पहली बार वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म हमको दीवाना कर गए में साथ नजर आए। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सकी, लेकिन दोनों की जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके बाद वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म नमस्ते लंदन ने इस जोड़ी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और कैटरीना के लिए मील का पत्थर बनी।

तमन्ना भाटिया ने लंदन में शुरू की हॉरर फिल्म रागिनी 3 की शूटिंग

बालाजी मोशन पिक्चर्स ने अपनी आगामी डेट नाइट हॉरर एंटरटेनर फिल्म रागिनी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। तमन्ना भाटिया अभिनीत यह फिल्म लंदन में फ्लोर पर जा चुकी है और 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। शशांक घोष के निर्देशन में बन रही रागिनी 3 लोकप्रिय भारतीय हॉरर फ्रैंचाइज़ी को एक नए और रोमांचक अध्याय में लेकर जाएगी। हॉरर, रोमांस और कई अप्रत्याशित मोड़ों का अनोखा मेल इस फिल्म को एक नया अंदाज़ देगा, वहीं फ्रैंचाइज़ी की पहचान बन चुके सस्पेंस और रोमांच को भी बरकरार रखेगा। तमन्ना भाटिया ने फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग लंदन में शुरू कर दी है। कमर्शियल फिल्मों और दमदार किरदारों के बीच सहजता से संतुलन बनाने के लिए पहचानी जाने वाली तमन्ना इस बार एक ऐसे किरदार में नज़र आएंगी, जो रहस्यमयी होने के साथ-साथ पूरी तरह अप्रत्याशित भी है।

फिल्म सिर्फ आपके से बॉलीवुड में अपनी नई पारी की शुरुआत करेंगे पवन सिंह

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और लोकप्रिय गायक पवन सिंह बॉलीवुड में अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। पवन सिंह,निर्माता रविंद्र सिंह की आर विज़न प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही हिंदी फिल्म सिर्फ आपके से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पदार्पण करेंगे।

फिल्म का निर्देशन रितेश ठाकुर कर रहे हैं, जबकि अभिनेत्री शिव्या पाठानिया इसमें मुख्य भूमिका निभा रही हैं। पवन सिंह और शिव्या पाठानिया पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगे।

निर्माताओं के अनुसार फिल्म की शूटिंग लखनऊ और भोपाल के विभिन्न खूबसूरत लोकेशनों पर सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के चरण में है और जल्द ही इसका फर्स्ट लुक, टीज़र तथा ट्रेलर जारी किए जाने की तैयारी चल रही है।

निर्माता रविंद्र सिंह ने कहा कि फिल्म को बड़े पैमाने पर तैयार किया गया है तथा इसकी कहानी, संगीत और तकनीकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं निर्देशक रितेश ठाकुर ने विश्वास जताया कि यह फिल्म दर्शकों को एक नया और यादगार सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी।

भोजपुरी सिनेमा में अपने अभिनय और गायकी से लोकप्रियता हासिल कर चुके पवन सिंह के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर उनके प्रशंसकों में खासा उत्साह है। वहीं शिव्या पाठानिया के साथ उनकी नई जोड़ी भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

फिल्म को लेकर इंडस्ट्री में सकारात्मक माहौल है और माना जा रहा है कि यह पवन सिंह के बॉलीवुड करियर की शानदार शुरुआत साबित हो सकती है।

संयुक्त प्रयासों से ही मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं कुपोषण पर प्रभावी नियंत्रण संभव : कलेक्टर

किशोरी बालिकाओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस के निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में करेली में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में दोनों विभागों के मैदानी अमले को समन्वित रूप से कार्य करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार तथा कुपोषण उन्मूलन के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े कार्य केवल विभागीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को संवारने का महत्वपूर्ण दायित्व हैं। ऐसे कार्यों से मन को आत्मिक संतोष मिलता है, क्योंकि इनके माध्यम से सीधे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि आप सभी मैदानी स्तर पर अच्छा कार्य कर रहे हैं और बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि दोनों विभाग संयुक्त रूप से कार्य करते हुए तीन प्रमुख वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। इनमें किशोरी बालिकाएं, गर्भवती महिलाएं तथा धात्री महिलाएं शामिल हैं। इन वर्गों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण संबंधी परामर्श एवं समय पर आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने से कुपोषण, एनीमिया तथा मातृ-शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। उन्होंने निर्देश दिए कि कुपोषण दूर करने के लिए बच्चों का नियमित हेल्थ चेकअप किया जाए तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की सतत निगरानी एवं रूटीन स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किए जाएं। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। कार्यशाला के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनके कार्यों और उनसे समाज में आए सकारात्मक बदलाव के अनुभव भी साझा कराए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों के अनुभव नई कार्ययोजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं सरस्वती झारिया, नीतू परिहार, अंजना पाठक, विनीता ठाकुर एवं लक्ष्मी मेहरा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग करेली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं विनीता तिवारी, बबीता जाट, रजनी यादव, रामप्यारी पटेल एवं रमा पाठक के कार्यों की सराहना की गई। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रयास अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं।

कार्यशाला में सीएमएचओ डॉ मनीष मिश्रा ,डॉ जी पी भनारिया ,डॉ विनय ठाकुर,सीडीपीओ श्री आदित्य मोहन पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, पर्यवेक्षक, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा संबंधित मैदानी अमला उपस्थित रहा।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए आज कई जगह लगेंगे शिविर

शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में लगाए जाएंगे शिविर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 17 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

शहरी क्षेत्र में 17 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के राजीव वार्ड व जवाहर वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के राम वार्ड व गांधी वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के ठाकुर बाबा वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 15 वीरसावरकर वार्ड, नगर परिषद चीचली के वार्ड क्रमांक 15 मंगल पांडे वार्ड, नगर परिषद सालीचौका के वार्ड क्रमांक 15 और नगर परिषद सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 15 सरदार वल्लभ भाई पटेल में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 17 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत खैरीनाका, खमरिया, खिरिया, कोदसा व कोसमखेड़ा, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत गोंगावरी, गोरखपुर, गुडवारा, हीरापुर व इमलिया, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत कठौतिया, खड़ई, खैरी, खैरी (हथनापुर) व खला, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत झांसीघाट, झौंत (झौंतेश्वर), कमोद, कमती व कंधरापुर, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत खुर्सीपार, मडगुला, मेहरागांव, मुआर व नांदनेर और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत गुंदरई, गुटौरी, ग्वारी, हरई व हेमरा में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा।

इसके अलावा पटवारियों द्वारा किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के आवेदन भी भरवाए जाएंगे।

जंगली सुअर के शिकारी को सजा

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नरसिंहपुर श्री राकेश सनोडिया के न?यायालय द्वारा जंगली सुअर का शिकार करने वाले आरोपी मुन्नालाल उर्फ शिवप्रसाद गौंड पिता श्री गुलाब गौंड, उम्र 50 साल निवासी ग्राम केदारपुर, थाना किंदरई, तहसील घन्सौर जिला सिवनी (म.प्र.) को धारा-9/51 वन्य प्राणी (संरक्षण) अधि. में 3 वर्ष का सश्रम कारावास, 500/- रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। अभियोजन का मामला इस प्रकार है कि दिनांक 30.01.2023 को वन परिक्षेत्र अधिकारी करेली को हमराह स्टाफ सहित ग्राम जन्नौर के विदुर पटेल के खेत में जंगली सुअर मादा के शिकार की सूचना मिलने पर उनके द्वारा मौके पर पहुंचने पर उन्हें देखकर एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे उनके द्वारा घेराबंदी कर पकड़ कर नाम पता पूछने पर उसने अपना मुन्नालाल पिता गुलाब गौंड, उम्र 50 साल निवासी ग्राम केदारपुर तहसील घंसौर जिला सिवनी का होना एवं विदुर पटेल के खेत में झोपड़ी बनाकर रहना बताया, जिससे जंगली सुअर के शिकार के बारे में पूछने पर उसने बताया कि वह और उसके दो साथी भी शिकार में साथ थे, जिनके नाम जिला मंडल का सपेरा एवं बरेली का हजारी होकर दोनों वन स्टाफ को देखकर मौके से भागना बताया तथा यह भी बताया कि तीनों ने खेत में खूंटी गाड़कर, उसमें तार का फंदा बनाकर सुअर का शिकार किया है और पुराना कुंआ में लकड़ी इकट्ठी कर उसे भूंज (पका) रहे थे।

इसके पश्चात् मौके से खूंटी का तार, डोरी जप्त किये गये, मृत सुअर के अगले दाहिने पैर में फंदे का निशान एवं पीठ व पूंछ के ऊपर कुल्हाड़ी का निशान पाया गया। मौके पर जप्ती कार्यवाही कर वन अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले अनुसार ही जप्त मृत जंगली मादा सुअर को बोरे में बंद कर मौके पर आरोपी से कुल्हाड़ी, गन्ना काटने का बका, खूंटी, तार बायर जप्त किया गया, वन्यप्राणी जंगली मादा सुअर के मांस के टुकड़े जांच हेतु स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फारेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर भेजा गया, जिसकी रिपार्ट में भेजे गये सैम्पल के डीएनए जंगली सुअर से मैच होना पाये गए। साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये, आरोपी मुन्नालाल को गिरफ्तार किया गया, अन्य आरोपी हजारी कुंजार एवं सपेरा गौंड को पकड़ने का प्रयास किया गया, किन्तु उनकी गिरफ्तारी नहीं होने से आरोपी मुन्नालाल गौंड के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत परिवाद पत्र न्यायालय में पेश किया गया।

ई-टोकन प्रणाली से करें बुकिंग

मण्डला(स्वतंत्रमत)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने जिले के किसानों से खरीफ फसलों में संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने तथा आवश्यकता अनुसार ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से अग्रिम बुकिंग कराने की अपील की है। विभाग के अनुसार जिले में खरीफ सीजन के दौरान लगभग 2.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान मक्का अरहर मूंग एवं उड़द जैसी प्रमुख फसलों की बुवाई की जा चुकी है उपसंचालक कृषि अश्विनी झारिया ने बताया कि किसानों को प्रति हेक्टेयर लगभग 5 बैग यूरिया 2 बैग डीएपी अथवा एनपीके तथा 1 बैग एमओपी उपलब्ध कराया जा रहा है। अतिरिक्त उर्वरक की आवश्यकता हो तो वह ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से अग्रिम बुकिंग कर सकता है।

कलेक्टर ने ट्रेंचिंग ग्राउंड का किया औचक निरीक्षण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को देवरीकला स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड का औचक निरीक्षण कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न इकाइयों का बारीकी से अवलोकन करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट तथा मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी प्लांट का निरीक्षण कर वहां संचालित कार्यों, संसाधनों एवं अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से प्लांट की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (ष्×ष्ठ वेस्ट) के निस्तारण की व्यवस्था तथा कचरा संग्रहण स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर बनी रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आगामी पौधारोपण अभियान के लिए चिन्हित स्थलों का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधारोपण से पूर्व भूमि तैयार करने, गड्ढों की खुदाई, पौधों की उपलब्धता तथा सिंचाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाया जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निर्धारित व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। इस दौरान करेली सीएमओ श्री श्रीकांत पाटर, नरसिंहपुर सीएमओ श्री गजेन्द्र सिंह लोधी सहित नगर पालिका का अमला मौजूद रहा।

राजस्व अधिकारियों की मनमानी के विरोध में अधिवक्ता हुए लामबंद

बोहनी नायब तहसीलदार कोर्ट का किया बहिष्कार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। अधिवक्ताओं ने राजस्व अधिकारियों के द्वारा की जा रही मनमानी के विरोध में आज एक ज्ञापन तहसीलदार गाडरवारा को सोपा अधिवक्ताओं ने निर्णय किया कि नायब तहसीलदार राजस्व मंडल बोहानी का सोमवार तक के लिए बहिष्कार किया जाएगा इस दौरान अधिवक्ता एवं कोई भी मुंशी भवानी मंडल नायब तहसीलदार कार्यालय में उपस्थित नहीं होंगे दिनांक 20 जुलाई 26 को दिन के 2:00 बजे अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि मंडल अनु विभाग की राजस्व अधिकारी गाडरवारा से मुलाकात कर राजस्व अधिकारियों द्वारा की जा रही मनमानी के बाबत चर्चा करेंगे ज्ञापन के समय अधिवक्ता संघ के सचिव सहित अन्य पदाधिकारी एवं भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे ।

अनु.जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में जिला भाजपा की बैठक संपन्न

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत। स्वतंत्रमत। जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में वृहद जिला बैठक एवं अनुसूचित जनजाति समाज प्रमुख संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई बैठक के पूर्व कार्यालय प्रांगण में स्थापित पं.दीनदयाल उपाध्याय जी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।उक्त कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, विधायक गोटेगांव महेंद्र नागेश, सोहन सिंह मरावी (प्रदेश महामंत्री जनजाति मोर्चा), मनोज आर्मो नीरज मरकाम (प्रदेश उपाध्यक्ष जनजाति मोर्चा) सुश्री एकता ठाकुर (प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा) राहुल कौरव, सुरेंद्र मोहन नेमा (जिला महामंत्री) मोर्चा जिलाध्यक्षगण रामकुमार ठाकुर (अनुसूचित जनजाति) कमल खटीक (अनुसूचित जाति मोर्चा), श्रीमती निशा सोनी (महिला मोर्चा), राजकुमार गुमास्ता (किसान मोर्चा) आदि मंचासीन रहे इस अवसर पर सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन कर बैठक का शुभारंभ किया गया। अनु.जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामकुमार ठाकुर ने बैठक की प्रस्तावना रखी। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता का योगदान महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, सेवा कार्यों और जनता के विश्वास के आधार पर भाजपा निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक गति देने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का आग्रह किया।इसके उपरांत जिलाध्यक्ष भाजपा रामस्नेही पाठक ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सर्वहारा वर्ग की चिंता की गई हमारी जनजाति समाज की शिक्षा एवं उनकी बुनियादी आवश्यकताए एवं आर्थिक स्थिति को सवारने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया। उन्होंने कहा कि आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियानों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संगठन की एकजुटता एवं कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा जिले में और अधिक सशक्त होगी।मुख्य अतिथि अनु.जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति समाज के सम्मान, विकास एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक संगठन की रीति-नीति एवं केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से पहुँचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है और प्रत्येक कार्यकर्ता इसकी महत्वपूर्ण कड़ी है। बैठक की जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि बैठक का संचालन संदीप कुमार ठाकुर ने एवं आभार नीरज काकोडिया ने किया उक्त अवसर पर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षगण, महामंत्री, मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बडी संख्या में उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय नमस्ते दिवस पर नपा ने बांटी पीपीई किट

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका परिषद के मंगल भवन में श्रद्धा और सम्मान के साथ राष्ट्रीय नमस्ते दिवस सी.एम.ओ. श्रीमति रितु मेहरा के आदेश एवं नोडल अधिकारी सत्यम जाट के निर्देशन में आयोजित किया गया । इस अवसर पर नगर पालिका द्वारा शहर के समस्त सफाई मित्रों को पी.पी.ई. किट का सुरक्षा उपकरण के साथ वितरण किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सफाई कार्य के दौरान सफाई मित्रों को संक्रमण से बचाव और सुरक्षा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान सफाई मित्रों द्वारा मंगल भवन परिसर में वृक्षारोपण* भी किया गया। नपा अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हमारी प्राथमिकता है। समस्त सफाई मित्रों को वेबकास्ट के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सफाई कर्मचारियों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं, बीमा, स्वास्थ्य जांच एवं अन्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

इस अवसर पर स्वास्थ्य शाखा प्रभारी संजय श्रीवास, कम्प्यूटर ऑपरेटर पंकज पटेल, करण घारू, मुन्ना वाल्मीक सहित टचिंग ग्राउंड में कार्यरत समस्त वेस्ट पिकर्स कर्मचारी, समस्त कचरा संग्रहण वाहन चालक-हेल्पर एवं सफाई में संलग्न सफाई मित्र उपस्थित रहे। सी.एम.ओ. श्रीमति रितु मेहरा ने सफाई मित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ रखने में उनका परिश्रम सबसे महत्वपूर्ण है। नोडल अधिकारी सत्यम जाट ने सभी को समय-समय पर सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

रोटरी ने वितरित की सामग्री

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रोटरी क्लब ने जिला चिकित्सालय स्थित एनआरसी पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचाररत बच्चों एवं उनकी माताओं के लिए पोषण आहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान वर्तमान में एनआरसी में भर्ती 23 बच्चों एवं उनकी माताओं को पौष्टिक खाद्य सामग्री प्रदान की गई साथ ही बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री भी भेंट की गई। कार्यक्रम के दौरान अजय खोत, सुरेश चौधरी, मुकेश जैन, ऋतु राय, डॉ. स्वल्पा बड़गैया, बंटी अग्रवाल, डॉ. कपिल वर्मा एवं बबल खरया उपस्थित रहे।

बच्चों को सिखाई विधि

मण्डला। अंतरराष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला माली मोहगांव एवं भाग्योदया विद्यालय में इको क्लब के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता है।

मक्का मदीना की यात्रा के लिए 10 सदस्यीय जत्था रवाना

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

विगत दिवस मक्का-मदीना की पवित्र उमराह यात्रा के लिए ग्राम बनवारी से 10 सदस्यीय जत्थे को गाडरवारा रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत कर गरीब रथ ट्रेन से खुशनुमा अंदाज में रवाना किया । हाथों में फूल-मालाएं, आंखों में दुआएं और जुबां पर अल मदीना चल मदीना के नारे लगते समय स्टेशन का नजारा देखते काबिल था । सभी वर्ग के लोगों ने एकजुट होकर यात्रियों का स्वागत कर सांप्रदायिक सद्भावना की अद्भुत मिसाल पेश की । रेलवे स्टेशन पर उमराह यात्रियों के परिजनों और शहरवासियों की भारी भीड़ दिखी । जैसे ही गरीब रथ एक्सप्रेस प्लेटफार्म पर पहुंची माहौल भावनात्मक और खुशनुमा नजर आया । नोशाद असरफी ने मोहम्मद मुस्तफा की शान में नाते पाक, दुरूद और सलाम पढ़ा। इसके बाद सभी ने वतन की खुशहाली, तरक्की और अमन-चैन के लिए हाथ उठाकर दुआएं मांगीं। यात्रियों के चेहरे पर आस्था और उत्साह साफ झलक रहा था। इस अवसर पर जामा मस्जिद के पेश इमाम हाफिज व कारी जुबेर आलम साहब और जामा मस्जिद अध्यक्ष अबरार खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने सभी उमराह यात्रियों को पुष्पमाला पहनाकर दिली मुबारकबाद दी और उनके सफल सफर की दुआ की। जुबेर आलम साहब ने कहा कि यह यात्रा अल्लाह की इबादत के साथ-साथ इंसानियत और भाईचारे का पैगाम भी है । शिक्षक संदर्भ समूह से सिराज अहमद सिद्दीकी, अमित पटैल, मधुसूदन कौरव, पवन राजोरिया, कमलेश चौकसे, नीलेश ढिमोले, अब्दुल फिरोज खान, आशिक हुसैन, फारुख खान, इकबाल खान,लतीफ खान सहित सैकड़ों नागरिकों ने यात्रियों को बधाई दी और उनके लिए मंगलकामनाएं कीं। फूलों की बारिश और नारों के बीच यात्रियों को ट्रेन में बिठाया गया। ग्राम बनवारी से शिक्षक अपसार खान अपने साथियों के साथ उमराह के लिए रवाना हुए । इस जत्थे में बुजुर्ग, युवा और महिलाएं शामिल है ।

रेलवे स्टेशन पर गंगा-जमना तहजीब का नजारा देखने मिला । लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता को मजबूत करते हैं। उमराह यात्रा पर जाते समय यात्रियों ने कहा कि वे मक्का-मदीना में देश और प्रदेश की तरक्की के लिए खास दुआ करेंगे ।

स्लीमनाबाद टनल देखने आज आ रहे मुख्यमंत्री

खुदाई कार्य पूर्ण, 5 जिलों का 1.85 लाख हेक्टेयर भू-क्षेत्र होगा सिंचित, प्रशासन ने की तैयारियां

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी समेत चार जिलों की सिंचाई सुविधा के लिए अहम मानी जा रही स्लीमनाबाद टनल के पूरे हो रहे कार्य का निरीक्षण करने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज 17 जुलाई को कटनी जिले के स्लीमनाबाद पहुंच रहे हैं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक उनका प्रोटोकॉल जारी नहीं हो पाया था, तथापि प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक सीएम सुबह 10 बजे यहां पहुंचेंगे। वे टनल का अवलोकन करने के बाद इस कार्य को पूरा करने वाले कर्मचारियों का अभिनंदन भी करेंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान मीडिया से भी बात कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आगमन की तैयारियों के सिलसिले में कल कलेक्टर आशीष तिवारी और एसपी अभिनय विश्वकर्मा स्लीमनाबाद पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक स्लीमनाबाद टनल की खुदाई का कार्य पूर्ण हो गया है और टनल बोरिंग मशीन अब टनल के अंतिम स्थल पर पहुंच गई है। टनल की कुल लबाई 11.952 किलोमीटर है। यह देश की सबसे लंबी वाटर टनल है जो पुण्य सलिला मां नर्मदा की अमृतधारा को बिना पंप की सहायता प्राकृतिक बहाव के साथ सोन बेसिन से जोड़ने का सेतु के रूप में कार्य करेगी। बताया गया है कि बरगी व्यपवर्तन परियोजना की दाई तट मुख्य नहर के किलोमीटर 104 से 116.865 किलोमीटर के मध्य निर्मित इस टनल का कार्य करीब डेढ़ दशक से चल रहा था। टनल की कुल लबाई 116.865 किलोमीटर से 129 किलोमीटर तक ओपन कैनाल रहेगी। इस कैनाल की जल प्रवाह क्षमता 152 क्यूमेक है जबकि टनल का डायमीटर 10.140 मीटर है। इस स्लीमनाबाद टनल के पूर्ण होने के बाद 1.85 लाख हेक्टेयर भू क्षेत्र में सिचाई प्रस्तावित है।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया निरीक्षण

कलेक्टर आशीष तिवारी और एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने बुधवार को स्लीमनाबाद टनल के कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को हेलीपैड निर्माण सहित अन्य सभी जरूरी व्यवस्थायें पूर्ण करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने सलैया फाटक अपस्ट्रीम पोर्टल पहुंचकर टनल के प्रवेश स्थल और टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के निकासी स्थल और स्लीमनाबाद में टनल बोरिंग मशीन के निकासी स्थल सॉफ्ट वेंटिलेशन का भी बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने पुलिस, राजस्व, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

किसानों को होगा लाभ

नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री सहज श्रीवास्तव ने बताया कि अंचल के किसानों की समृद्धि और विकास की दिशा में स्लीमनाबाद टनल का निर्माण एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस टनल के बनने से क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इस टनल से कटनी शहर की पेयजल की आपूर्ति के लिए भी मां नर्मदा का पानी मिलेगा। इसके साथ ही जिले के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका फायदा मिलेगा।

चार जिले होंगे लाभान्वित

परियोजना से कटनी जिले का 21 हजार 823 हेक्टेयर, मैहर का 54 हजार 227 हेक्टेयर, सतना का 1 लाख 4 हजार 970 हेक्टेयर, पन्ना का 448 हेक्टेयर, और रीवा का 3 हजार 84 हेक्टेयर, क्षेत्र सीधे लाभान्वित होंगे। इन सबको मिलाकर इसके साथ ही इन जिलों के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इसका बड़ा फायदा मिलेगा।

1600 करोड़ से अधिक की लागत

बरगी व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत जबलपुर स्थित बरगी बाँध से निकलने वाली स्लीमनाबाद की यह दाई तट मुख्य नहर (ट्रांस वेल्ली कैनाल) प्रदेश की सबसे ज्यादा 227 क्यूमेक पानी डिस्चार्ज केयरिंग कैपेसिटी वाली नहर होंगी। इस टनल के वर्तमान में कुल लागत 1600 करोड़ रूपये से अधिक की हो गयी है। स्लीमनाबाद टनल के निर्माण की एजेंसी मेसर्स पटेल- एस.ई.डक्लूयू (संयुक्त उपक्रम) हैदराबाद है। स्लीमनाबाद टनल अपनी पूर्णता के बाद पुण्य सलिला माँ नर्मदा की अमृत धारा सोन नदी से जुड़ जायेगी और यह प्रदेश के आधा दर्जन जिलों की भूमि की सिचाई और पेय जल का निमिा बनेगी।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत जन-जागरूकता रैली

विद्यार्थियों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

कटनी (स्वतंत्रमत)। युवाओं को नशे की लत से दूर रखने तथा समाज में नशा मुक्ति का व्यापक संदेश पहुँचाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के अंतर्गत जन-जागरूकता रैली एवं नशा निषेध शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बाजपेयी के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. माधुरी गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व एनसीसी अधिकारी डॉ. सरदार दिवाकर, जिला संगठक, राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. रुक्मणी प्रताप सिंह तथा डॉ. माधुरी गर्ग ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में जन-जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। इसके पश्चात आयोजित नशा निषेध शपथ कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने, दूसरों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर ज्योत्सना आठ्या, प्रो. जी एम मुस्तफा, डॉ. माधुरी गर्ग, डॉ. सरदार दिवाकर, डॉ. रुक्मणी प्रताप सिंह एवं डॉ. शिवेंद्र सिंह सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में एनएसएस एवं एनसीसी के स्वयंसेवक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना तथा समाज में जागरूकता का वातावरण निर्मित करना रहा।

डंपर ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर, दो युवक गंभीर रूप से घायल

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी-जबलपुर मार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां लखापतेरी के समीप एक तेज रफ्तार डंपर ने मोटरसाइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लखनवारा निवासी अनिल आदिवासी (26 वर्ष) और गुलजी आदिवासी (28 वर्ष) मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कटनी से जबलपुर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए

उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टकर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक उछलकर सड़क पर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सजग नागरिकों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए इसकी सूचना एम्बुलेंस और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस त्वरित रूप से मौके पर पहुंची। ईएमटी और पायलट ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद तुरंत कटनी जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में दोनों का उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण डंपर चालक की तेज रफ्तार और गफलत भरी ड्राइविंग है। फिलहाल अज्ञात डंपर और उसके चालक की तलाश की जा रही है, जिसके खिलाफ वैधानिक आपराधिक मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिले में अब तक 198.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में 1 जून से 16 जुलाई तक कुल 198.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 547.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान स्लीमनाबाद तहसील में रिकार्ड 705.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 379.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 228.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 271.1 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 64.5 मिलीमीटर, बरही तहसील में 145.8 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 146.1 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 221.9 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 379.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 129.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

दद्दा धाम में 29 जुलाई को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कटनी (स्वतंत्र मत)। दद्दा धाम स्थित श्रीकृष्ण वृद्ध आश्रम प्रांगण में पूज्य दद्दा जी के मंदिर एवं समाधि स्थल पर 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन दद्दाजी शिष्य मंडल द्वारा किया जाएगा। महोत्सव पूज्य गुरुदेव पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी, पूज्य गुरु माता कुंती देवी जी के सानिध्य में पूज्य बड़े भैया डॉ. अनिल प्रभाकर जी शास्त्री की उपस्थित में संपन्न होगा। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर दद्दाजी शिष्य मंडल की तैयारियां जोरों पर हैं। देशभर से गुरुभाई एवं श्रद्धालु इस आध्यात्मिक केंद्र में पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता करेंगे। आश्रम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है तथा आयोजन की सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 7 बजे से पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे महा रुद्राभिषेक हवन संपन्न होगा। कार्यक्रम के दौरान भजन मंडली द्वारा भक्तिमय भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रातःकाल से ही हजारों श्रद्धालु दद्दा धाम पहुंचकर पूज्य दद्दा जी के मंदिर एवं समाधि स्थल पर गुरु पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा का पर्व ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विद्वानों के अनुसार इस अवसर पर कई शुभ योग एवं राजयोग एक साथ बन रहे हैं, जिससे इस दिन का आध्यात्मिक महत्व और अधिक बढ़ गया है। दद्दाजी शिष्य मंडल ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में दद्दा धाम पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग निर्माण, महारुद्राभिषेक, हवन, आरती एवं भंडारे में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

महापौर ने लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

सड़क, नाली, एवं अधोसंरचना कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता एवं मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बुधवार 15 जुलाई को लोक निर्माण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने शहर में प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में चौपाटी निर्माण कार्य, कटा, घाट रिवर फ्रंट, थाना तिराहा से मिशन चौक तक डिवाइडर निर्माण, सड़क, नाली निर्माण व कवरिंग कार्य सहित विभिन्न विकास अधोसंरचना कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। महापौर ने निर्देशित किया कि प्रस्तावित कार्यों की आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कर कार्यों को गति प्रदान की जाए, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने भूमिपूजन हो चुके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने निर्देश दिए।

जल निकासी व्यवस्था एवं निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

बैठक में नाली निर्माण एवं नाला कवरिंग कार्यों की भी समीक्षा के दौरान महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाली निर्माण कार्यों में पर्याप्त संख्या में चैंबर बनाए जाएं तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही निर्माणाधीन सभी विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाए व निर्माण कार्यों के दौरान गुणवत्ता, तकनीकी मानकों एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों की सतत निगरानी से कार्यों में गुणवत्ता बनी रहेगी और नागरिकों को समय पर सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

शहर के समग्र विकास के लिए विभागीय समन्वय पर जोर

महापौर ने कहा कि शहर के विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम आवागमन और व्यवस्थित शहरी वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत एवं प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए तथा किसी भी कार्य में अनावश्यक विलंब न हो। विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक प्रभारी कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, प्रभारी सहायक यंत्री सुनील सिंह, अनिल जायसवाल, उपयंत्री राजललित गुमास्ता, संजय मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, जेपी. सिंह बघेल, हिमांशु गौतम, रवि हनोते सहित लिपिकों की उपस्थिति रही।

नाली से हटाया अतिक्रमण दूसरे दिन फिर कब्जा

कटनी (स्वतंत्र मत)।

बरगवां स्थित कलारी के बगल में नगर निगम की कार्रवाई को अतिक्रमणकारी ने खुली चुनौती दे दी है। अतिक्रमण शाखा द्वारा नाली से कब्जा हटाए जाने के महज एक दिन बाद ही दोबारा नाली के ऊपर सामान रखकर कब्जा कर लिया गया। इससे साफ है कि जिम्मेदारों की कार्रवाई का क्षेत्र में कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे रोजाना खुलेआम शराबखोरी होती है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। नाली पूरी तरह जाम पड़ी है और उसमें करीब दो फुट गंदा पानी भरा हुआ है। दुर्गंध और गंदगी से क्षेत्रवासियों

का जीना मुश्किल हो गया है। रहवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायतों और नगर निगम की कार्रवाई के बावजूद अतिक्रमणकारी बेखौफ हैं। सवाल यह है कि जब प्रशासन की मौजूदगी में ही दोबारा कब्जा हो रहा है, तो आखिर कार्रवाई का डर किसे है? लोगों ने नाली और सड़क को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त कराने तथा सड़क पर हो रही शराबखोरी पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सरस्वती श्री विष्णु वेद विद्यालय में चार दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)।

सरस्वती श्री विष्णु वेद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खिरहनी में 13 जुलाई से 16 जुलाई तक चार दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य आचार्यों को नवीन शिक्षण पद्धतियों, विद्यालयीन अनुशासन, संस्कारयुक्त शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अधिक दक्ष एवं प्रेरित करना रहा। प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस विद्यालय के अध्यक्ष राकेश मिश्रा तथा व्यवस्थापक राम कुमार दुबे ने आचार्यों का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षक की भूमिका, उत्तरदायित्व एवं आदर्श शिक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय दिवस वरिष्ठ सदस्य उमेश मिश्र ने प्रभावी शिक्षण, संगठनात्मक कार्यप्रणाली तथा संस्कारमय शिक्षा पर विस्तार से चर्चा की। तृतीय दिवस

विद्यालय के उपाध्यक्ष रूप सिंह राठौड़ ने आचार्यों को राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रेरक उद्बोधन दिया तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण वर्ग के समापन दिवस वरिष्ठ सदस्य विनीत मिश्रा के सानिध्य में विभिन्न विषयों की समीक्षा, अनुभव साझा करने तथा आगामी शैक्षणिक सत्र की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। चार दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विषयवार कार्यशालाएँ, समूह चर्चा, व्यवहारिक सत्र एवं शिक्षण कौशल विकास से संबंधित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षकों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित आचार्यों ने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव को विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था में प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की कार्यक्षमता में वृद्धि कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शासकीय विद्यालयों में मरम्मत एवं संधारण कार्यों का महापौर ने लिया जायजा

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शाला परिसर में पौधरोपण करने शिक्षकों का किया आह्वान, विद्यार्थियों को किया प्रेरित

गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर दिया जोर

कटनी (स्वतंत्र मत)। नगर के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु के दौरान सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर मरम्मत एवं संधारण कार्य कराए जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों की प्रगति का जायजा लेने महापौर प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार 14 जुलाई को एमआईसी सदस्यों एवं नगर निगम अधिकारियों के साथ विभिन्न शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने शासकीय एनकेजे स्कूल, केरिन लाइन शासकीय स्कूल, साधुराम उच्चतर माध्यमिक शाला तथा के.सी.एस. कन्या शाला पहुंचकर मरम्मत कार्यों का अवलोकन किया।

उन्होंने विद्यालयों की छत, भवन, शौचालय एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर महापौर ने विद्यालयों में उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं चल रहे मरम्मत कार्यों के संबंध में जानकारी ली। साथ ही विद्यार्थियों को मन लगाकर अध्ययन करने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और शहर का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी

ही देश का भविष्य हैं और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने शिक्षकों से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शाला परिसर में अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय हरियाली बढ़ाने का संकल्प लेकर पौधरोपण करे तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण की भी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने विद्यार्थियों से भी पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर प्रकृति को सुरक्षित एवं समृद्ध बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

इन शासकीय विद्यालयों में चल रहे हैं मरम्मत एवं संधारण कार्य

नगर निगम द्वारा वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में छत मरम्मत, बाथरूम मरम्मत, प्लास्टर, वॉटरप्रूफिंग एवं भवन सुधार कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें रवीन्द्रनाथ टैगोर नवीन स्कूल भवन (फर्स्ट फ्लोर निर्माण), धंती बाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूल सिविल लाइन, अमकुही स्कूल, नदी पार स्कूल, आधारकाप स्कूल, कुठला स्कूल, मंगल नगर स्कूल, बिलगांव स्कूल, छापरवाह प्राथमिक शाला, सीएलपी स्कूल, बधवा टोला स्कूल, बरगवां स्कूल, पड़रवारा स्कूल, केरिन लाइन स्कूल तथा एनकेजे स्कूल सहित अन्य विद्यालयों में आवश्यक मरम्मत एवं संधारण कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री शैलेंद्र प्यासी सहित अन्य जनों की मौजूदगी रही।

फुटबॉल वर्ल्ड के कप फाइनल में अर्जेंटीना

इंग्लैंड को 2-1 से हराया, स्पेन से होगा खिताबी मुकाबला

अटलांटा।

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा। अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर

सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी।

7वीं बार फाइनल में पहुंचा है अर्जेंटीना

यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा। टीम इससे पहले 1930, 1978, 1986, 1990, 2014 और 2022 में फाइनल खेल चुकी है। अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व कप जीत चुकी है। अब उसके पास लगातार दूसरी बार और कुल चौथा खिताब जीतने का मौका है। मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया था कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा। पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही।33वें मिनट में इंग्लैंड को पहला मौका मिला। डेक्लन राइस की फ्री-किक पर जॉन स्टोन्स ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद नेट में लगाकर बाहर चली गई। अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडेज ने 38वें मिनट में बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, जो गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया। 37वें मिनट में लियोनेल मेसी आगे बढ़े, लेकिन इलियट एंडरसन ने उन्हें रोकने के लिए फाउल किया।

इस पर एंडरसन को येलो कार्ड मिला। 42वें मिनट में जूड बेलिंगहम की जर्सी खींचने पर अर्जेंटीना के लिसांद्रो मार्टिनेज को भी कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम की सीटी के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी रेफरी से बहस करते रहे और मेसी सबसे आखिर में मैदान से बाहर गए।

मेसी के पास ने पलटा मैच

गोल खाने के बाद अर्जेंटीना ने अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया। टीम को 86वें मिनट में कॉर्नर मिला। लियोनेल मेसी ने शॉर्ट कॉर्नर खेलकर गेंद एंजो फर्नांडेज को दी। फर्नांडेज ने करीब 25 गज की दूरी से शॉट लगाया। गेंद खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए सीधे नेट में जा समाई। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया। इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी ने फिर कमाल कर दिखाया। उन्होंने दाईं ओर से बॉल बॉक्स में भेजी। सब्स्टीट्यूट स्ट्राइकर लॉटारो मार्टिनेज डिफेंडरों से आगे निकले और शानदार हेडर के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अर्जेंटीना ने 7 मिनट के भीतर मैच पलटते हुए 2-1 की बढ़त बना ली।

जीत के साथ ही जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल पहुंची पीवी सिंधु

टोक्यो। भारत की महिला बैडमिटन स्टार पीवी सिंधु जीत के साथ ही जापान ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने महिला एकल मुकाबले में चीन की विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान यू को सीधे गेमों में 21-16, 21-14 से हराया। विश्व रैकिंग में 10 वीं वरीयता प्राप्त सिंधु मुकाबले में पूरे समय विरोधी खिलाड़ी पर हावी रहीं। इस जीत के साथ ही सिंधु अपनी जीत की लय बनाये रखी है और वह लगातार बेहतर होती जा रही हैं। पहले गेम में सिंधु ने धीमी शुरुआत की पर जल्द ही उन्होंने अपनी लय हासिल करते हुए बढ़त दर्ज की। वहीं दूसरे गेम में भी वह हावी रहीं और उन्होंने 8-0 की बढ़त हासिल करते विरोधी खिलाड़ी हान यू को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। नहीं चीनी खिलाड़ी ने वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। इस जीत के साथ ही सिंधु ने हान यू के

खिलाफ अपना जीत हार का रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है, जिससे पता चलता है कि वह मैच में हावी रही हैं। अब बीएफडब्ल्यू सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शुक्रवार को सिंधु का मुकाबला जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोज़ोमी ओकुहारा से होगा। ओकुहारा को उनके दूसरे राउंड के मैच से दक्षिण कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग के हटने के कारण वॉकओवर मिला और वे सीधे अगले दौर में पहुंच गईं। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो प्री-क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी है। ध्रुव और तनीषा को चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के हाथों 47 में 22-20, 21-17 से हार का सामना करना पड़ा है।

लंदन में ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप में भाग लेते हुए इंग्लैंड के मैट फिटजपैट्रिक।

यूनाइटेड से खेलते नजर आयेंगे बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर टिलेमैन्स मैनचेस्टर

लंदन। बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल के एक प्रमुख क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर खेलते हुए दिखेंगे। मैनचेस्टर ने मिडफील्डर यूरी के साथ जून 2031 तक के लिए करार किया है। यह ट्रांसफर सभी जरूरी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा। वह 2026/27 सीजन से पहले माइकल कैरिक की टीम से जुड़ेंगे और नंबर 18 की जर्सी पहनेंगे। ये जर्सी क्लब के महान मिडफील्डर पॉल स्कोल्स ने 1996/97 सीजन से लेकर 2010/11 तक पहनी थी। टिलेमैन्स ने बेल्जियम की ओर से 90 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और हाल ही में फीफा विश्व कप में बेल्जियम के क्वार्टर फाइनल तक के सफर में इनकी अहम भूमिका रही है।

पंड्या को बाहर कर बुमराह या तिलक को कप्तान बना सकती है मुम्बई

मुम्बई।

पिछले दो सत्र से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान मुम्बई इंडियंस की टीम अब अगले सत्र में नये कप्तान के साथ उतरेगी। इससे साफ है कि टीम की कप्तानी से हार्दिक पंड्या की छुट्टी तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई इंडियंस ने आगामी सीज़न 2025 के लिए अपनी रणनीतियों और टीम संरचना में व्यापक बदलाव करने की तैयारी तेज कर दी है। टीम प्रबंधन कप्तानी से लेकर कोचिंग स्टाफ तक हर जगह बदलाव कर सकता है। इसका लक्ष्य नये सत्र के लिए एक अच्छी टीम बनाना है। पिछले दो सीज़न से रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे सितारों के होने के बाद भी मुंबई इंडियंस लगातार हारती

रही है। इसके बाद से ही प्रबंधन पर कड़े फैसले लेने का दबाव है। बदलावें के तहत हार्दिक को हटाकर से अनुभवी मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज तिलक वर्मा में से किसी एक को कप्तानी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों खिलाड़ी कप्तानी के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, बुमराह की चोट से जुड़ी पिछली परेशानियां उनकी दावेदारी कमजोर करती हैं। ऐसे में तिलक की दावेदारी को और भी बल मिला है। तिलक अभी कम उम्र के हैं और भविष्य को देखते हुए टीम उन्हें अवसर दे सकती है। कप्तानी में संभावित बड़े बदलावों के अलावा, मुंबई इंडियंस अपने कोचिंग स्टाफ में भी व्यापक फेरबदल की योजना बना रही है। इसमें मौजूदा मुख्य कोच को बदला जा सकता है। ताकि टीम नये विचार और रणनीति बने। रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक को कप्तानी ही नहीं टीम से भी बाहर किया जा सकता है।

फ्रैंचाइजी ने हार्दिक पंड्या को गुजरात टाइटंस से एक भारी भरकम रकम खर्च कर ट्रेड किया गया था पर वह टीम को जीत दिलाने में असफल रह हैं। वहीं पंड्या ने पहले सत्र में ही गुजरात को विजेता बना दिया था। वहीं एक बार टीम उपविजेता रही थी पर मुम्बई के साथ वह जीत का सफर दोहरा नहीं पाये। उनके मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद से ही टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही उनके खिलाफ आवाजें उठने लगी है।

द्रविड को कोच बना सकती है सीएसएके

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम नये सत्र के लिए एक अच्छे कोच की तलाश में लगी हुई हुई है। इसका कारण है कि एक दशक से भी अधिक समय तक उसके कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग ने अपना पद छोड़ दिया है। सीएसके की टीम के लिए पिछले कुछ सत्र अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनपर पद छोड़ने का दबाव बना हुआ था। नहीं नये कोच की दौड़ में भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का नाम सबसे आगे है। कई दिग्गजों का मानना है कि द्रविड के अनुभव, आधुनिक सोच और युवा खिलाड़ियों को निखारने की क्षमता के कारण उन्हें कोच बनाया जा सकता है। द्रविड़ का सबसे बड़ा मजबूत पक्ष उनका व्यापक कोचिंग अनुभव है। खिलाड़ी, कप्तान और कोच के रूप में उन्होंने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काम किया है। भारतीय टीम के मुख्य कोच रहते हुए उन्होंने टीम को कई

बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स में फाइनल तक पहुंचाया। वहीं टीम ने टी20 विश्वकप जीता। इससे पहले भारत ए और अंडर-19 टीमों के साथ उनका कार्यकाल भी बेहद सफल रहा, जहां उन्होंने यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल जैसे कई युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया। यही अनुभव चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है, जो अपने अगले दौर में युवा प्रतिभाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही है।

महंगाई की आशंका से गिरे सोने-चांदी के दाम

घरेलू बाजार में सोना 540 और चांदी 924 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है। गुरुवार 16 जुलाई को घरेलू बाजार (एमसीएक्स) में सोना और चांदी दोनों ही दबाव में कारोबार करते दिखे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका और ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे महंगाई के ऊंचे बने रहने का डर सता रहा है। इसका सीधा असर पीली और सफेद धातु की कीमतों पर दिख रहा है। कीमतों में तेज गिरावट घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) पर सोने का भाव 540 रुपये प्रति 10 ग्राम गिर गया है। वहीं चांदी के दाम में भी 924 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के बाद एमसीएक्स पर सोना 1,41,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

कारोबार कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने पर दबाव देखा गया, जबकि चांदी में हल्की तेजी रही, हालांकि कुल मिलाकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। गिरावट के प्रमुख कारण सोने-चांदी की कीमतों में इस गिरावट के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव प्रमुख कारण है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और महंगाई का जोखिम फिर से बढ़ गया है। पहले, अमेरिका में थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े नरम रहने से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी न करने की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब भू-राजनीतिक तनाव ने परिदृश्य बदल दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर महंगाई ऊंची बनी रहती है, तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनाए रख सकता है, जिससे गैर-उपज वाली संपत्ति सोने पर दबाव बढ़ेगा।

किआ इंडिया सिरोस ईवी को कर सकती है भारत में लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है, और जल्द ही सिरोस ईवी को लॉन्च करने की योजना बना रही है। यह किआ की भारत में सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जो कैरेंस क्लैविस ईवी से नीचे रखी जाएगी। इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, मारुति ई-विटारा और महिंद्रा एक्सयूवी 400 जैसे मॉडलों से होगा। किआ सिरोस ईवी को 42 किलोवॉट-घंटा और 51.4 किलोवॉट-घंटा बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। यह बैटरी क्षमता हुंडई क्रेटा ईवी और किआ कैरेंस क्लाविस ईवी के समान है, लेकिन सिरोस के छोटी और हल्की होने के कारण इससे बेहतर

ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है। 42 किलोवॉट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 443 किलोमीटर और 51.4 किलोवॉट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 520 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया जा सकता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी में से एक बना देगा। सबसे खास बात यह है कि कंपनी इस गाड़ी के साथ इंडस्ट्री की सबसे अच्छी 15 साल या लाइफटाइम बैटरी वारंटी दे सकती है, जो भारत में उपलब्ध सबसे व्यापक बैटरी कवरेज प्लान में से एक होगा। इसके साथ 3 साल की स्टैंडर्ड गाड़ी वारंटी भी मिलेगी, जिसे 7 साल या 1.6 लाख किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकेगा।

सपाट बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 1.44 अंक बढ़ा, निफ्टी 5.75 अंक गिरा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण आज बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा। इसके कारण दुनिया भर के बाजारों से कमजोर संकेत मिले। जिसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1.44 अंक बढ़कर 77,186.87 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 5.75 अंक नीचे आकर 24,072.75 पर बंद हुआ। आज 1,947 शेयरों में तेजी, 2,119 शेयरों में गिरावट जबकि 194 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं व्यापक बाजारों में, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स और

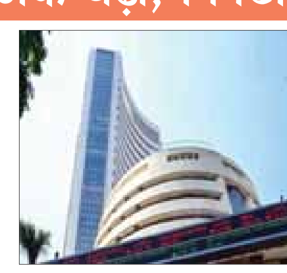

स्मॉलकैप इंडेक्स में गिरावट रही। प्रमुख सूचकांक दिन भर बढ़त के साथ बने रहे, लेकिन दूसरे आधे हिस्से में मुनाफावसूली हावी रही।

क्षेत्रीय सूचकांकों में, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे अधिक बढ़त रही। इसके बाद निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी ऑटो में भी तेजी रही। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी फार्मा में मामूली बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मेटल भी नीचे आये। इसके अलावा निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी बैंक के शेयर भी नीचे आये। एचसीएल टेक, इंडिगो, विप्रो, मारुति, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे, जबकि, एसबीआई लाइफ, बजाज फिनसर्व, बीईएल और एचडीएफसी बैंक नीचे आये।

वहीं, अमेरिका में उम्मीद से कम महंगाई के आंकड़े आने से ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाएं कुछ कम हुईं, जिससे बाजार को निचले स्तरों पर सहारा मिला। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 77,470.43 पर पहुंच गया।

पेटीएम देगा निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा

रिकॉर्ड मुनाफे के बाद बोर्ड बैठक में होगा फैसला

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने अपने निवेशकों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। कंपनी पहली बार बोनस शेयर जारी करने की योजना बना रही है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 552 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज करने और भुगतान तथा वित्तीय सेवा कारोबार में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद उठाया गया कदम है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि उसका निदेशक मंडल 20 जुलाई को होने वाली बैठक में 30 जून को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों के साथ बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर

विचार करेगा। आवश्यक मंजूरियों के अधीन, निदेशक मंडल उसी बैठक में बोनस शेयर का अनुपात और रिकॉर्ड तिथि भी तय करेगा। यह निर्णय वित्त वर्ष 2025-26 में 552 करोड़ रुपये के उल्लेखनीय शुद्ध लाभ के बाद आया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 663 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। बोनस शेयर मौजूदा शेयरधारकों को उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में अतिरिक्त शेयर प्रदान करते हैं, जिससे कंपनी अपनी वित्तीय मजबूती और दीर्घकालिक वृद्धि की संभावनाओं पर भरोसा जताती है।

एक साल से भी कम समय में ग्रो ने मारी बाजी, दर्ज किया शानदार मुनाफा

नई दिल्ली। भारतीय कमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो ने लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल कर लिया है। यह बदलाव वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के आंकड़ों के साथ 15 जुलाई को सामने आया है, जहां ग्रो ने नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर (एनएडीटी) के मामले में एंजेल वन को मात दी है। जारी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रो का नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर 2.43 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि एंजेल वन का टर्नओवर 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा। नोशनल टर्नओवर किसी प्लेटफॉर्म पर एक दिन में हुए कुल सौदों की औसत वैल्यू को दर्शाता

है, जो बाजार में कंपनी की गतिविधि और प्रभाव को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि ग्रो ने कमोडिटी कारोबार में बहुत पहले एंट्री नहीं की थी। कंपनी ने जुलाई 2025 में चुनिंदा ग्राहकों के लिए यह सेवा शुरू की थी और सितंबर तक इसे सभी यूजर्स के लिए खोल दिया। यानी एक साल से भी कम समय में ग्रो ने उस बाजार में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जहां एंजेल वन लंबे समय से सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जाता था। इस तेजी के पीछे ग्राहकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कंपनी के कमोडिटी प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 27 हजार ग्राहक थे, जो जून 2026 के अंत तक बढ़कर 4.35 लाख हो गई। आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में ग्रो की कमोडिटी मार्केट में हिस्सेदारी 28.6 फीसदी रही, वहीं एंजेल वन की हिस्सेदारी करीब 26.5 फीसदी रही। इस मामले में जेरोधा लगभग 12 फीसदी हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। कमोडिटी कारोबार का असर अब ग्रो की कमाई पर भी साफ दिख रहा है। अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में कंपनी की कुल आय का 4.9 फीसदी हिस्सा कमोडिटी बिजनेस से आया। ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेंस गैराज वेंचर्स ने जून 2026 तिमाही में 735 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 94 फीसदी ज्यादा है। इसी दौरान कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू भी 66 फीसदी बढ़कर 1,501 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सेबी ने बोर्ड सदस्यों के लिए सख्त की आचार संहिता हितों के टकराव पर रोक

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने अपने बोर्ड सदस्यों के लिए प्रशासनिक ढांचे में बदलाव किए हैं। पारदर्शिता बढ़ाने और हितों के टकराव को रोकने के उद्देश्य से नियामक ने नई आचार संहिता जारी की है, जिसमें डिस्क्लोजर, खुद को कार्यवाही से अलग करने (रिक्यूजल) और अनाधिकृत निवेशों से जुड़े नियमों को काफी सख्त किया गया है। यह नई संहिता 2008 की 5 पेज की पिछली संहिता की तुलना में कहीं अधिक व्यापक है (17 पेज)। यह व्यापक नैतिक दिशानिर्देशों के बजाय नियमों के पालन पर अधिक जोर देती है। इसके तहत, पूर्णकालिक सदस्य और उनके परिवार वाले अपने कार्यकाल के दौरान उन योजनाओं में नया निवेश नहीं कर सकेंगे जिनकी इजाजत नहीं है। मौजूदा अनाधिकृत होल्डिंग की जानकारी देना भी अनिवार्य होगा। नई संहिता ऐसे अनाधिकृत निवेशों को संभालने के विकल्प भी बताती है जो पहले से मौजूद हैं। सदस्यों के पास इन्हें बेचने या कार्यकाल पूरा होने तक फ्रीज करने का विकल्प होगा। इसके अलावा, पूर्णकालिक सदस्य अब भेदिया कारोबार (इनसाइडर ट्रेडिंग) नियमों के तहत इनसाइडर माने जाएंगे और इन नियमों के पालन के लिए बाध्य होंगे। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, वित्तीय संपत्तियों, देनदारियों, अचल संपत्ति और अहम बदलावों का खुलासा अनिवार्य होगा।

नए नियमों में डिस्क्लोजर, अनाधिकृत निवेश पर कड़ा शिकंजा

विंध्य के लिए 'भगीरथ' बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के सिंचाई इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल स्लीमनाबाद जल-सुरंग अब पूर्णता के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शुक्रवार को कटनी जिले में देश की सबसे लंबी और तकनीकी रूप से सबसे जटिल जल-सुरंग का निरीक्षण करेंगे। लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग विंध्य पर्वतमाला के भीतर से नर्मदा के जल को गुरुत्वाकर्षण के आधार पर सोन नदी के कछार तक पहुंचाने वाली देश की अनूठी इंजीनियरिंग उपलब्धि है। इसके पूरा होने के साथ ही जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, रीवा और पन्ना के करीब 1450 गांवों की 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे विंध्य और महाकौशल क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

मध्यप्रदेश के विकास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ने और विंध्य की सदियों प्यासी धरती को सींचने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वयं भगीरथ बनकर मैदान में उतर आए हैं। कटनी जिले में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित की जा रही देश की सबसे लंबी और सबसे जटिल जल-सुरंग , यानी स्लीमनाबाद टनल, अब अपनी पूर्णता की ओर है। इसका जमीनी जायजा लेने मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को स्लीमनाबाद पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह संवेदनशील और उच्च-स्तरीय दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण भर नहीं है, बल्कि यह विंध्य और महाकौशल के लाखों किसानों के आंगन में समृद्धि, खुशहाली और लहलहाती फसलों के नए युग का शंखनाद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के इसी संकल्प और अटूट इच्छाशक्ति के बल पर सत्रह वर्षों की भू-गर्भीय जंग को जीतकर आज नर्मदा मैया का विंध्य की धरा पर उतरने का स्वप्न साकार होने जा रहा है।

देश की सबसे लंबी जल-सुरंग स्लीमनाबाद टनल का आज करेंगे निरीक्षण, 6 जिलों के 1450 गांवों और 2.45 लाख हेक्टेयर भूमि को मिलेगा स्थायी सिंचाई लाभ

भागीरथी संकल्प का उदय

यह जल-सुरंग केवल कंक्रीट और पत्थरों को जोड़कर बनाई गई कोई यांत्रिक संरचना नहीं है, बल्कि यह सदियों पुराने एक पौराणिक विरह को मिटाने वाला पवित्र महासेतु है। लोक मान्यताओं के अनुसार, अमरकंटक के मैकल पर्वतों से निकलने वाली माँ नर्मदा और सोनभद्र विपरीत दिशाओं में बहकर हमेशा के लिए एक-दूसरे से दूर चले गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी प्राचीन विरह को मिटाने और विंध्य के सूखे खेतों को पानी देने के लिए इस टनल परियोजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बनाया। आज उन्हीं के भगीरथ प्रयासों से विंध्य पर्वतमाला से अमृत-धारा सीधे सोन नदी के कछार में मिलने के लिए आतुर खड़ी है। इस महा-परियोजना को इसकी मंजिल तक पहुंचाने का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और अभूतपूर्व प्रशासनिक निर्णयों को जाता है। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही इस परियोजना के महत्व को समझा और लगातार की गई व्यक्तिगत समीक्षाओं, त्वरित ऑन-द-स्पॉट फैसलों और निरंतर दिए गए कम बजट समर्थन ने इस बेहद जटिल कार्य को एक जादुई रफ्तार दे दी। अब इस 11.952 किलोमीटर लंबी महा-सुरंग का काम लगभग पूरा हो चुका है, जिसमें अब मात्र अंतिम एक मीटर का ब्रेक-थ्रू सफर शेष रह गया है।

असंभव को कर दिखाया संभव

तकनीकी रूप से विंध्य की 40 मीटर ऊंची रिज लाइन को भेदना पूरी दुनिया के इंजीनियरों के लिए एक स्वप्न जैसा था। जमीन से लगभग 30 मीटर नीचे चल रहे इस महा-अभियान में मार्बल-लाइमस्टोन की चमकती कठोरता, डोलोमाइट की दृढ़ता और पानी में घुली चूने की विशालकाय भूमिगत गुफाओं ने हर कदम पर रास्ता रोका। टनल के भीतर प्रति मिनट 25 हजार लीटर तक उफनते पानी के रिसाव और अचानक धंसने वाली मिट्टी जैसी विकट परिस्थितियों में जब पूर्व में काम कर रही अमेरिकी मशीन भी टूटकर पस्त हो गई, तब मुख्यमंत्री के दृढ़ संकल्प के चलते त्वरित निर्णय लेकर अत्याधुनिक जर्मन हेरेनकनेक्ट मशीन और विशेष टेम ग्राउटिंग तकनीक को युद्धस्तर पर उतारा गया। यह मध्यप्रदेश सरकार की संवेदनशीलता ही थी कि घनी आबादी, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे ट्रैक के ठीक नीचे से गुजरने के बावजूद इस टनल को बिना किसी क्षति के पूरी सुरक्षा के साथ पूर्ण कर लिया गया।

विश्व स्तरीय निर्माण तकनीक

इस टर्न-की आधार पर स्वीकृत महा-परियोजना को धरातल पर उतारने का जिम्मा हैदराबाद की प्रतिष्ठित निर्माण एजेंसी मेसर्स पटेल-एस.ई.डब्ल्यू. (संयुक्त उपक्रम) को सौंपा गया था। वर्ष 2008 में जब इस विशाल परियोजना का अनुबंध हुआ था, तब इसकी शुरुआती लागत 799 करोड़ रुपये थी। हालांकि, विंध्य के भू-गर्भ की अप्रत्याशित और असाधारण भौगोलिक बाधाओं, अभूतपूर्व जल रिसाव को रोकने के लिए किए गए विशेष प्रयासों और वैश्विक तकनीक के समावेश के कारण इस पर अब तक कुल 1610.47 करोड़ रुपये का व्यय किया जा चुका है। इस कुल व्यय में जहां मूल कार्यमद पर 772.33 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, वहीं समय के साथ हुए मूल्य समायोजन पर 573.71 करोड़ रुपये, उच्च क्षमता के आधुनिक डीवॉटरिंग सिस्टम पर 123.99 करोड़ रुपये, वर्टिकल शाफ्ट के निर्माण पर 19.36 करोड़ रुपये और चट्टानों के स्थिरीकरण के लिए की गई केमिकल ग्राउटिंग पर 121.08 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है।

28 से 8 अगस्त तक नाथू बरखेड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगी सेना भर्ती रैली

भोपाल (स्वतंत्र मत)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भोपाल के अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नाथू बरखेड़ा में 28 जुलाई से 8 अगस्त तक होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती रैली की तैयारियों को लेकर सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ), जिला प्रशासन एवं खेल और युवा कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में भर्ती रैली के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अग्निवीर भर्ती रैली केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होकर राष्ट्रसेवा का स्वर्णिम अवसर है। इसलिए सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, व्यवस्थित एवं अभ्यर्थी हितैषी वातावरण में संपन्न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सेना भर्ती कार्यालय एवं जिला प्रशासन के साथ पूरा समन्वय स्थापित कर प्रत्येक आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भर्ती रैली में प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी भोपाल आएंगे। ऐसे में यातायात, सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं का पूर्वाभ्यास एवं संयुक्त निरीक्षण समय रहते कर लिया जाए ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न नहीं हो। बैठक में सेना भर्ती कार्यालय द्वारा विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों की विस्तार से समीक्षा की गई।

नेहरू ने पुरातन भारत को आधुनिक बनाया:केप्टन प्रवीण डाबर

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में शामिल हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश विचार विभाग द्वारा आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में विचार विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष केप्टन प्रवीण डाबर ने भाजपा के अफवाह तंत्र पर तीखे प्रहार किये। आयोजन कांग्रेस मुख्यालय भोपाल में संपन्न हुआ। इस बैठक में डावर ने कहा कि प्रभु राम करोड़ों भारतीयों की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्य के प्रतीक हैं। हाल ही में चढ़ावा चोरी की घटना से पूरा देश स्तब्ध है। जिसमें आरएसएस/बीएचपी/ बीजेपी के लोगों की संलिप्तता सरेआम देखी गई है। राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दिए जा रहे करोड़ों रुपये के चंदे के प्रबंधन को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं। मोदी सरकार एवं योगी सरकार इस पूरे प्रकरण में मिलीभगत की दोषी हैं। डबल इंजन की सरकारें आज तक ऐसी कोई स्वतंत्र, पारदर्शी एवं उत्तरदायी टीम की नियुक्ति नहीं कर पाई हैं, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं द्वारा दान में दिए जा रहे करोड़ों रुपये के चंदे का सुरक्षित, निष्पक्ष एवं जवाबदेह प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि धर्म का मूल आधार इंसानियत है ।हमारे शास्त्र मानवता के पक्षधर हैं ।कांग्रेस इंसानियत और नागरिकता में विश्वास करती है देश का हर नागरिक कांग्रेस के लिये बराबर है ।वह भेदभाव नहीं मानंती ।कांग्रेस ऐसी धार्मिक पार्टी है जो सभी धर्मों का आदर करती है ।दिग्विजय ने कहा कि भाजपा मंदिरो में संतो साधुओं को दरकिनार कर उसमें प्रचारकों की घुसपैठ करा रही है। सिंह ने कहा कि आज मूल निवासियों को आदिवासी को वनवासी बनाने का काम हो रहा है उन्होंने मंदिरों में शंकराचार्यों की भूमिका सुनिश्चित करने की मांग की। श्री डाबर ने कहा कि मंदिर के लिए नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया ही विभाजन कारी है, जो कहती है केवल राम भक्त हो सकता है, तो फिर वह शिवभक्त क्यों नहीं हो सकता या देवी भक्त क्यों नहीं हो सकता? आखिर भगवान को अलग-अलग खाँचों में बाँटने का प्रयास क्यों किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने देश की संप्रभुता की कीमत पर हो सकने वाले समझौतों से सतर्क रहने की अपील की गुप्ता ने कहा सरकार को बताना चाहिए कि संघ के नेता पाकिस्तान के साथ किस हैसियत से कथित गुपचुप बैठकें कर रहे हैं। कार्यक्रम में सैकड़ों बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

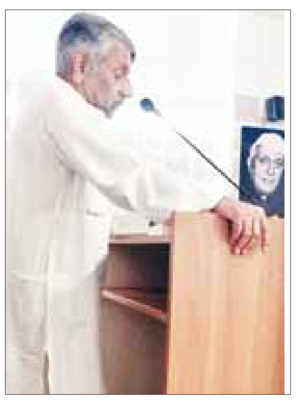

जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल। राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि स्व. बाबूलाल गौर की प्रेरणा से गोविंदपुरा अंचल में जनसेवा और नव-निर्माण का जो महाअभियान प्रारंभ हुआ था, वह आज भी अनवरत गतिमान है। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और नागरिकों की आकांक्षाओं की पूर्ति वर्तमान सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 57 में भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने क्षेत्रवासियों की सुख-सुविधाओं के लिए लगभग 81 लाख रुपये की लागत के विभिन्न लोक-कल्याणकारी निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। भगत सिंह चौराहे से शक्तिनगर तक सड़क के दोनों ओर 33 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण ,शक्तिनगर सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर के समीप श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 8 लाख रुपये की लागत से शेड का निर्माण तथा स्थानीय युवाओं को खेल के आधुनिक संसाधन एवं रात्रिकालीन खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सुभाष खेल मैदान में 40 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक फ्लड लाइट का भूमि - पूजन किया । राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण, धार्मिक व सामाजिक स्थलों का कायाकल्प और खेल प्रतिभाओं को उन्नत मंच प्रदान करना उनकी विकास नीति का एक अनिवार्य हिस्सा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से न केवल नागरिकों को उच्च स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्राप्त होंगी, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी खेल गतिविधियों को निखारने के लिए एक सकारात्मक वातावरण और आधुनिक संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

भव्यता के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने खींची रथ की रस्सी, नगर में गूंजे जय जगन्नाथ के जयघोष

हटा (स्वतंत्र मत)

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर गुरुवार को नगर में देव बालाजी मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक एवं रथयात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। रथयात्रा में भगवान जगन्नाथए उनके बड़े भाई बलभद्र बलदाऊ एवं बहन सुभद्रा विराजमान रहे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने विधिविधान से पूजा अर्चना कर भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ की रस्सी खींचकर यात्रा का शुभारंभ किया। रथयात्रा से पूर्व प्रह्लाद सिंह पटेल ने देव बालाजी मंदिर पहुंचकर भगवान बालाजी के दर्शन एवं पूजा अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की आरती उतारी तथा उपस्थित संत महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व अजबधाम देव रामकुमार मंदिर के महंत राम अनुग्रहदास महाराज छोटे सरकार देव बालाजी मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान बालाजी, देव रामश्यामलिया सरकार तथा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का विधिवत पूजन कर देव विग्रहों को रथ पर विराजमान कराया।

नगर भ्रमण कर पुनः मंदिर पहुंची रथयात्रा- गाजेबाजे, भजन कीर्तन और जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच निकली रथयात्रा देव बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर रतन बजरिया, गौरीशंकर मंदिरए चंडी जी मंदिर, पेट्रोल पंप, शिवशक्ति माता मंदिर, तीनबत्ती तिगड्डा, राय चौराहा, थाना मंदिर चौराहा तथा भूतेश्वर मंदिर होते हुए पुनः देव बालाजी मंदिर पहुंची जहां महाआरती के साथ यात्रा का समापन हुआ। रथयात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया गया। अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारी, पुष्पवर्षा की तथा भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं को मालपुए का प्रसाद वितरित किया गया।

योगेश जाट प्रांतीय सचिव नियुक्त

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला चिकित्सालय में पदस्थ सीनियर लैब टेक्नीशियन योगेश जाट को मप्र स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का प्रांतीय सचिव नियुक्त किया गया है। जिला अध्यक्ष बीएम दुबे ने बताया कि भोपाल में प्रांताध्यक्ष एसबी सिंह ने संघ संविधान में प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए योगेश जाट को प्रांतीय सचिव नियुक्त किया।

नई नीति के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारी हो रहे परेशान

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र शासकीय लिपिकीय कर्मचारी संघ भोपाल के संरक्षक राकेश सिंह हजारी द्वारा वित्त विभाग के प्रमुख सचिव को अवगत कराया गया है, पूर्व में पेंशन प्रकरणों का निराकरण जिला स्तर पर किया जाता था, जिससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ती दिनांक को उनका पीपीओ एवं सभी स्वत्वों का भुगतान किया जाता था, किन्तु नई पेंशन नीति जो मप्र शासन द्वारा 1 अप्रैल 2026 से लागू की गई जो राज्य केन्द्रीकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के नाम से जारी की गई है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्री रामनरेश पटेल पिता श्री रामस्वरूप पटेल ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक MN 994 मॉडल टाउन बिलहरी गली नं. 2 संपत्ति के पिन क्रमांक 1000387021 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 730 व.फु. 500 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्रीमती फूलझा पति श्री जगदीश श्रीवास, श्रीमती रीता शर्मा पति स्व. जगदीश श्रीवास का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्रीमती शोभा कुमारी पति अजय कुमार सिंह ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. ईडब्ल्यूएस-11 राजुल सिटी फेस 3 संपत्ति के पिन क्रमांक 9000167122 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 329 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्रीमती माधुरी पासी पति श्री रमेश पासी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्रीमती शोभा कुमारी पति अजय कुमार सिंह ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. ईडब्ल्यूएस-10 राजुल सिटी फेस 3 संपत्ति के पिन क्रमांक 9000167123 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 323 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री शशिपाल सिंह ठाकुर पिता भगवान सिंह ठाकुर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है श्रीमती श्रद्धा मसीह पति श्री आशीष मसीह ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक माँ नर्मदा सिटी होम्स फेस-2 संपत्ति के पिन क्रमांक 1004368105 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 590 व.फु. प्रथम तल 590 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री सुमित कुमार सोनी पिता श्री संतोष कुमार सोनी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

रास्ता बंद होने से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पथरिया थाने में दिया धरना, स्कूली बच्चों और मरीजों की बढ़ी परेशानी

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया जनपद क्षेत्र के ग्राम उमराहो के ग्रामीणों ने गांव का सार्वजनिक रास्ता बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। बड़ी संख्या में ग्रामीण, जिनमें बुजुर्ग महिलाएं, पुरुष, बच्चे और स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल थे। ग्रामीण आवेदन लेकर पुलिस थाने पहुंचे। आवेदन में बताया गया है कि उक्त सड़क एक साल पहले तहसीलदार, आरआई, पटवारी तथा पुलिस की मौजूदगी में खुलवाई गई थीए लेकिन वर्तमान में उसे फिर से बंद कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बंद होने से गांव वासियों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है और दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों ने गांव के बीच से निकलने वाले पुराने सार्वजनिक मार्ग को फिर से बंद कर दिया है। इससे रोजमर्रा के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। स्कूल के छात्रों ने बताया कि रास्ता बंद होने के कारण वे समय पर पथरिया स्थित स्कूलों तक नहीं पहुंच पा रहे हैंए जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि यदि गांव में कोई बीमार हो जाए तो रास्ता बंद होने के कारण उसे समय पर पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि पहले भी इसी प्रकार रास्ता बंद किए जाने से लोगों को काफी परेशानी हुई थी जिसे प्रशासन ने खुलवाया था लेकिन अब एक बार फिर कुछ लोगों द्वारा रास्ता बंद कर दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर सार्वजनिक मार्ग को दोबारा खुलवाया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके। इस संबंध में पथरिया थाना प्रभारी नेहा गोस्वामी का कहना है कि ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जाएगी और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उनके अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि काबिज महेश रजक पिता स्व. श्री कन्छेदी लाल रजक ने वार्ड क्रमांक 66 शासकीय स्कूल के पास कजरवारा वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 1615 शासकीय स्कूल के पास कजरवारा संपत्ति के पिन क्रमांक 1000388748 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 405 व.फु. सीमेंट सीट जिस पर निम्न दस्तावेज शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री कन्छेदी लाल रजक पिता स्व. श्री सुखाराम रजक का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि काबिज राजेश कुमार रजक पिता स्व. श्री कन्छेदी लाल रजक ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 1615/1 शासकीय स्कूल के पास कजरवारा संपत्ति के पिन क्रमांक 1000388748 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 400 व.फु. सीमेंट सीट जिस पर निम्न दस्तावेज शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री कन्छेदी लाल रजक पिता स्व. श्री सुखाराम रजक का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रुतम्मा पति राममूर्ति ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 210 चैतन्य सिटी फेस-2 पार्ट-2 संपत्ति के पिन क्रमांक 1004354733 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1000 व.फु. प्रथम तल 100 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री रऊफ खान पिता सऊद खान का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 16/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुशील कुमार साहनी पिता स्व. बूटा राम साहनी ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड नाम पंडित जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक 1252 इन्द्रा मार्केट संपत्ति के पिन क्रमांक 1000428690 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 70 व.फु. व्यावसायिक जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री मुरलीधर चौरसिया पिता स्व. नन्हे लाल चौरसिया का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक 316 श्री प्रभात कुमार चतुर्वेदी पिता स्व. श्री उमाशंकर चतुर्वेदी के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.10.1999 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री प्रभात कुमार चतुर्वेदी पिता स्व. श्री उमाशंकर चतुर्वेदी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23.04.2026 के माध्यम से श्रीमति पूजा अग्रवाल पति श्री आशीष अग्रवाल को विक्रय किया है। अतः श्रीमति पूजा अग्रवाल पति श्री आशीष अग्रवाल द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

गोहलपुर थाना क्षेत्र की घटना, हुई मौत

हार्ट अटैक आते ही नाले में गिरी कार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। चलती कार में चालक को हार्ट अटैक आने से कार अनियंत्रित होकर एक नाले में जा गिरी। इस हादसे में कार चालक 55 वर्षीय बबुआ हाजी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गोहलपुर थाना पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर मर्ग कायम किया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक हनुमानताल निवासी बबुआ हाजी कार से अमखेरा की ओर जा रहे थे। गोहलपुर से आगे बढ़ने के दौरान उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ। इससे कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे नाले में जा गिरी।

सिहोरा क्षेत्र की घटना, जांच जारी

करंट लगने से लाइन हेल्पर की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी गोसलपुर डीसी के अंतर्गत आने वाले मुख्यालय रमखिरिया सब स्टेशन में कार्यरत चिखली मदोबर निवासी 32 वर्षीय सोहन दाहिया पिता श्रीलाल दाहिया लाइन हेल्पर आउटसोर्स कर्मचारी के पद पर पदस्थ था । 15 जुलाई बुधवार को विद्युत सुधार करते समय कार्य के दौरान लाइन में करंट आने से वह करंट से झुलस गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद साथी कर्मचारियों में आक्रोश का माहौल है। वहीं पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

समाजसेवा, शिक्षा और विकास के पर्याय थे बाबू जगमोहनदास

"प्रदेश के विकास और जनसेवा को नई दिशा देने वाले प्रख्यात समाजसेवी एवं जननेता बाबू जगमोहनदास के 63वें स्मृति दिवस पर नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एल्गिन अस्पताल चौराहा (रानी दुर्गावती अस्पताल) स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह में उनके सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया गया।

नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा 63वें स्मृति दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश और संस्कारधानी के विकास में रहा महत्वपूर्ण योगदान- वक्ताओं ने कहा कि मध्यप्रदेश के गठन के बाद प्रदेश के चहुंमुखी विकास में बाबू जगमोहनदास का योगदान अविस्मरणीय है। सहकारिता आंदोलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान जैसे क्षेत्रों में उनके प्रयासों ने जबलपुर को नई पहचान दिलाई। उनके कार्यकाल में जबलपुर को विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज और महिला शिक्षा के लिए होम साइंस कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण सौगातें मिलीं।

समावेशी सोच थी बाबू जी की पहचान

नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कहा कि बाबू जगमोहनदास की सोच हमेशा समावेशी और दूरदर्शी रही। उन्होंने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विकास की अवधारणा को साकार किया। उनके कार्यों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक संतुलन स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने युवाओं से बाबू जी के आदर्शों को अपनाकर समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

महिला शिक्षा के प्रबल समर्थक थे बाबू जगमोहनदास

पूर्व विधायक एवं समाजसेवी नित्यनिरंजन खंपरिया ने अपने संबोधन में कहा कि बाबू जगमोहनदास ने बालिका एवं महिला शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी। उन्होंने बालिका विद्यालयों और महिला महाविद्यालयों की स्थापना पर जोर देकर समाज में शिक्षा का मजबूत आधार तैयार किया। उनका यह दृष्टिकोण आज भी प्रेरणादायी और प्रासंगिक है।

सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी, उद्योगपति एवं हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबू जगमोहनदास के आदर्श केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें जीवन में उतारने के लिए हैं। उन्होंने कहा कि सेवा और मानवता की जिस राह पर बाबू जी ने समाज को आगे बढ़ाया, उसी पथ पर चलते हुए जनकल्याण के कार्यों को निरंतर विस्तार दिया जाएगा।

जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

स्मृति दिवस की परंपरा का निर्वहन करते हुए आयोजन समिति द्वारा नि:शक्तजनों एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण का आयोजन भी किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता कर बाबू जगमोहनदास के सेवा भाव को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर पूर्व विधायक नित्यनिरंजन खंपरिया, पूर्व मंत्री कौशल्या गोंटिया, नगर कांगेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ शर्मा, महिला नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलेश यादव, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम अमरीश मिश्रा, शहर कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, जिला कांग्रेस ग्रामीण सेवादल अध्यक्ष शिव नामदेव, पार्षद गुड्डू नबी, पार्षद संतोष दुबे पंडा, पार्षद अखतर अंसारी, पार्षद अयोध्या तिवारी, पार्षद गुड्डू तमसेतवार, बाबू विश्वमोहन, राजेंद्र सराफ रज्जू, महेश पसीने, पूर्व पार्षद संजय बघेल, राजेंद्र मिश्रा, सुधीर पांडे, हाजी इसरार, दीपक राठौर, शैलेंद्र तिवारी, रोहित नेमा, मुन्ना सेन, महेश कोरी, मोनू खंडेलवाल, अल्केश गुप्ता, डॉ प्रशांत मिश्रा, अशोक तोमर, दिनेश ठाकुर, श्याम सोलंकी, गोपाल हूंका, बुरहान अहमद, फारूख अन्ना, आशीष दवे, प्रेम चौबे, डॉ रोहित मिश्रा, जय केसवानी, सतीश रांका, अनिकेत तिवारी, सौरभ सुमन, राहुल पांडे, आकाश तिवारी, मोनू अग्रवाल, राजेंद्र तिवारी, धनीराम दुबे, विनय कनौजिया, डॉ. मनीष सराफ सहित कांग्रेस नगर कमेटी, सेवादल, महिला कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धड़ल्ले से चल रहा था अवैध डेयरी का संचालन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर निगम क्षेत्र में संचालित अवैध डेयरी व्यवसाय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण गोयल के नेतृत्व मे विभिन्न डेयरी परिसरों का निरीक्षण किया गया, जहां लगभग 250 भैंसें पाई गई। निरीक्षण के दौरान डेरी संचालक अमन यादव पर नगर निगम नियमों के उल्लंघन के आरोप में पांच हजार रूपये और एक अन्य पर गंदगी पाई जाने पर तीन हजार रूपये का जुर्माना किया गया, साथ ही संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए । नगर निगम ने सभी डेयरी संचालकों को 20 दिनों की मोहलत देते हुए चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर यदि डेयरी को नगर निगम क्षेत्र से नहीं हटाया गया, तो संबंधित डेरी में मौजूद भैंसों को जब्त किया जाएगा।

आनंद जैन बने डिप्टी डायरेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। करीब दो दशकों से जनसम्पर्क विभाग जबलपुर में अपनी सेवाएं देते हुए पत्रकारों के लिए सदैव सहयोगी व

प्रशासन के साथ सेतु का कार्य करने वाले सहायक संचालक आनंद जैन को उप संचालक पद पर संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय जबलपुर में ही पदोन्नत किया गया है। विभाग ने उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए यह पदोन्नति दी है। श्री जैन की इस पदोन्नति से पत्रकार जगत में हर्ष व्याप्त हो गया है। श्री जैन को नव पदभार का दायित्व दिए जाने पर स्वतंत्र मत परिवार ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

ट्रैवलर वाहन से निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने सिहोरा एवं पनागर क्षेत्र में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण ट्रेवलर वाहन से कर ईंधन की बचत का संदेश दिया। श्री सिंह कलेक्ट्र कार्यालय से ही 16 सीटर ट्रैवलर वाहन से निरीक्षण के लिए रवाना हुए और वापस भी ट्रैवलर वाहन से ही कलेक्टीर कार्यलय पहुंचे। विकास एवं निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक गहलोत तथा सभी संबंधित विभागों के अधिकारी भी ट्रैवलर वाहन में सवार रहे।

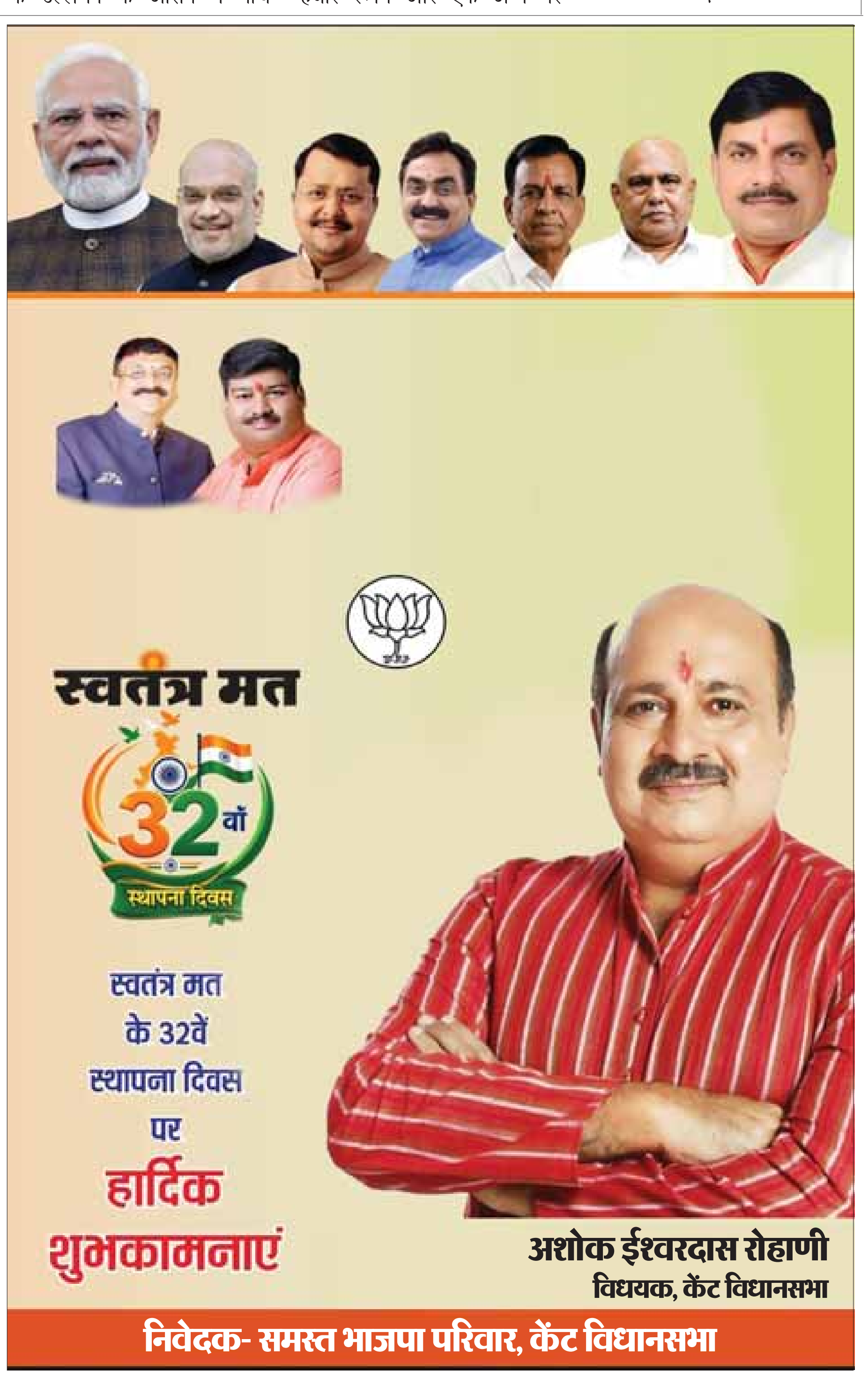

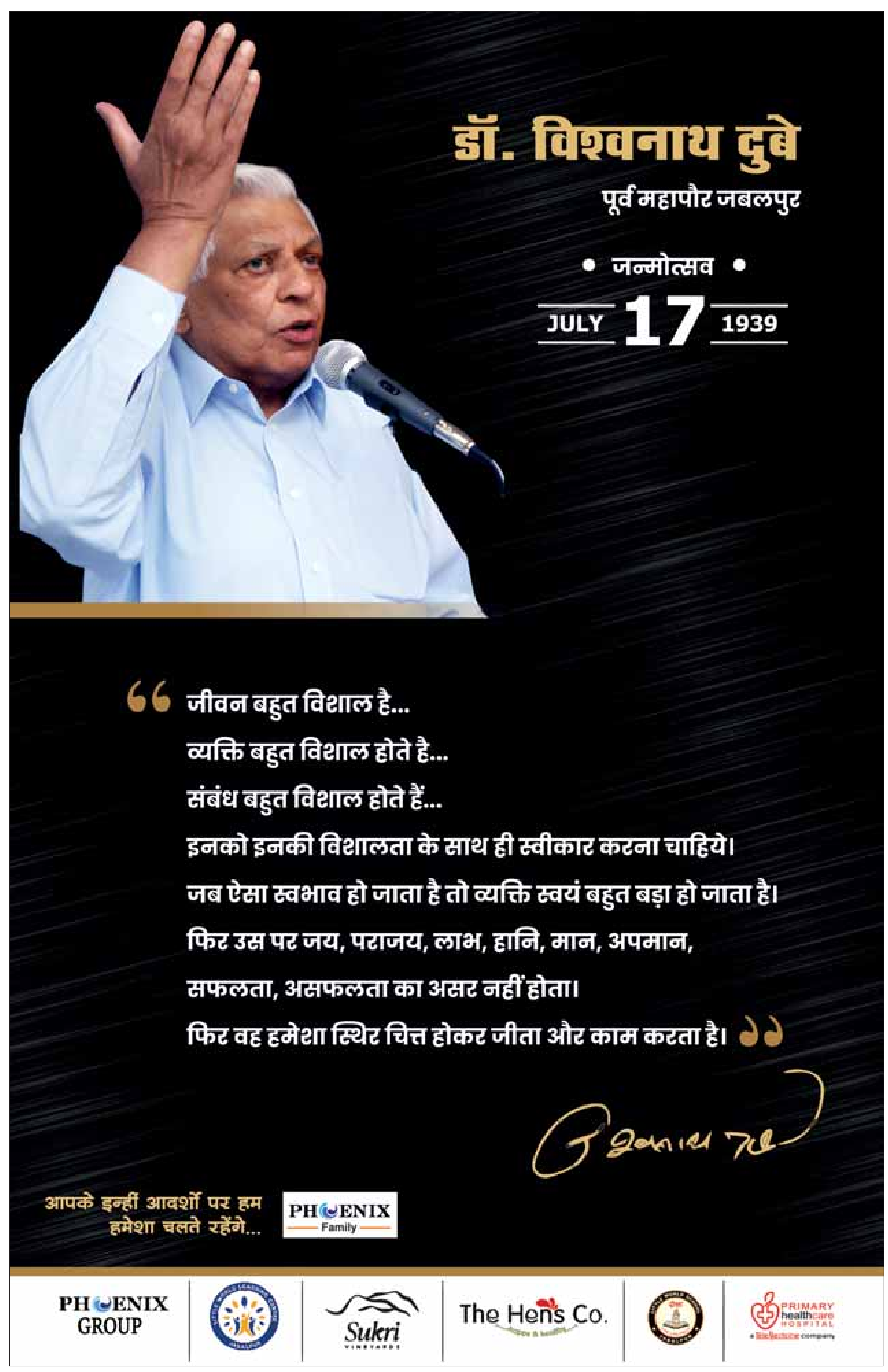

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**